कुलपति की कलम से

सबसे पहले मैं वार्षिक रिपोर्ट 2013-14 की तैयारी करने का कार्य सफलतापूर्वक और एक निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए संपादकीय टीम की सराहना करना चाहूँगा. 29 पूर्णसंचालित विभागों सहित इस सात वर्ष पुराने विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मैं इस आलोच्य वर्ष में बहुत-सी सफलताएँ प्राप्त करने पर संतुष्ट महसूस कर रहा हूँ.

कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेरे मन में सबसे पहले 16 अप्रैल 2013 को विश्वविद्यालय के शिलान्यास के अवसर पर माननीय राज्यपाल, सिक्किम सरकार एवं विश्वविद्यालय के मुख्य रेक्टर श्री बी.पी.सिंह तथा मुख्य मंत्री श्री पवन चामलिंग की उपस्थिति में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के विश्वविद्यालय दौरे की बात आती है.

विश्वविद्यालय ने 29 विभागों के पुराने पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या का संशोधन एवं मानकीकरण तथा नए पाठ्यक्रमों के मसौदे प्रस्तुत करने का कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया है. यह सब डीनों एवं विभागाध्यक्षों के सक्रिय सहयोग के बिना संभव नहीं होता. विश्वविद्यालय में आलोच्य वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूर्व स्वीकृत पदों से 10 नए विभाग प्रारम्भ किये जिससे कि ग्यारहवीं योजना के अंतर्गत कुल 19 विभागों से बढ़कर से बारहवीं योजना के अंतर्गत 29 विभाग हो गए. इसके चलते, बुनियादी ढांचे एवं अतिथि/संकाय सदस्यों के लिए बड़े पैमाने पर योजना बनाने की आवश्यकता पड़ी क्योंकि 13 जनवरी 2014 तक विज़िटर के प्रतिनिधियों के नाम की घोषणा नहीं होने के कारण नियमित संकायों की नियुक्ति संभव नहीं थी, हमारा विश्वविद्यालय इस सफलताके लिए अथक परिश्रमी प्रभारी कुलसचिव श्री के. एम. देव और अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों उनकी टीम के प्रति कृतज्ञ है. श्री देव के विश्वविद्यालय छोड़ने के कुछ दिन बाद ही श्री टी.के.कौल ने नवंबर 2013 में पूर्ण कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और बाद में 19 फरवरी से 27 मार्च 2014 के बीच बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया के नियोजन और कार्यान्वयन का उत्तरदायित्व वहन किया. हमने 90 पदों (विज्ञापित 132 में से) के लिए 500 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया और 62 का चयन किया जिनमें से 60 ने विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण कर लिया है. विश्वविद्यालय में 60 नए नियमित संकायों के कार्यग्रहण से हमने ग्यारहवीं योजना अवधि के अंतर्गत स्वीकृत 65% पदों को पूरा का लिया है. यह सब श्री टी.के.कौल के मार्गदर्शन में सहायक कुलसचिव श्री सी.बी.छेत्री और सुश्री ग्रेस चांकपा के दक्षतापूर्ण और अत्यधिक कठोर परिश्रम के बिना संभव नहीं होता.

10 नए विभागों की स्थापना के साथ प्रवेश नीति में परिवर्तन तथा नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने से छात्रों की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है. इससे छात्रावास, क्लासरुम, क्लासरुम की कुर्सियाँ अथवा ऐसी ही अन्य आवश्यकताएँ जैसे एलसीडी प्रॉजेक्टर ततः ब्लैक/व्हाइट बोर्ड आदि के बुनियादी ढांचे में भी वृद्धि हुई है.

आलोच्य वर्ष के दौरान 9 मार्च 2014 को विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया और 2010, 2011, 2012 और 2013 में उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री प्रदान की गई. दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता चान्सलर एवं भारत के उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायधीश न्यायमूर्ति (श्रीमती) रुमा पाल ने की और मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गांधी विश्वविद्यालय के चान्सलर तथा राज्य सभा के सदस्य पद्मभूषण मृणाल मिरी उपस्थित थे.

आलोच्य वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने परिसर विकास की दिशा में कुछ प्रगति की. एक पूरी जैव विविधता सर्वेक्षण रिपोर्ट तथा एक समोच्च सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी हो चुकी है. चारदीवारी के निर्माण के लिए संग्रह कार्य राज्य सरकार को दिया जा चुका है. इस वर्ष में परिसर के साथ संपर्क मार्ग के कार्य में भी काफी प्रगति हुई है. पानी की आपूर्ति सभी पहाड़ी क्षेत्र में बेहद कठिन समस्याओं में से एक होने के कारण अधिक समय ले रही है किन्तु आशा है कि इस समस्या का समाधान शीघ्र ही होगा. शेष 25 एकड़ भूमि शीघ्र ही विश्वविद्यालय को सौंपे जाने की उम्मीद है.

अंत में, यूजीसी और एमएचआरडी के समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय ने आईक्यूएसी, महिला प्रकोष्ठ, व्यथा निवारण प्रकोष्ठ, रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना, परामर्श एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, छात्र परिषद आदि की स्थापना की है और हमें यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय की ये सभी इकाइयां काफी क्रियाशील हैं.

नकारात्मक पक्ष यह है कि विश्वविद्यालय जगह की भारी कमी का सामना कर रहा है. हमारे शिक्षक अपने कार्यस्थल को साझा कर रहे हैं, जिससे उनके छात्रों के शोध पर्यवेक्षण कार्य तथा उनकी निजी शोध उत्पादकता बाधित हो रही है. अधिकतर इमारतों में पानी की गंभीर समस्या है. वाशरूम की तो बात ही नहीं, हमारे प्रयोगशालाओं तक को चलाने के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं है. हमारी कक्षाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 10 से आने वाला शोर भरा रहता है. वे भीड़भाड़ पूर्ण, अक्सर अंधेरायुक्त, घुटनपूर्ण तथा गंदे हैं. कुछ इमारतों में नमी है. बिजली की आपूर्ति अक्सर अनियमित है जिससे विश्वविद्यालय जेनरेटर खरीदने के लिए

मजबूर है. हमारा विश्वविद्यालय विकास निधि का एक वृहत अंश इमारतों के किराए में खर्च कर देता है, किन्तु फिर भी संतुष्टि का स्तर लगभग शून्य है, क्यूंकि इमारत कक्षा और प्रयोगशाला के इस्तेमाल के लिए नहीं बनीं. इससे हमारे शिक्षण एवं शोध कार्य के विकास

एवं विस्तार बाधित हो रहा है, जो हमारे प्रकाशन रिकॉर्डों में दुखद स्थिति को दर्शाया जा रहा है. इसीलिए उपरोक्त सभी समस्याएं छात्रों के फीडबैक में दिखती हैं.

मुझे पूरी उम्मीद है कि संसद के माननीय सदस्य तथा भारत सरकार के नौकरशाह हमारी समस्यायों पर ध्यान देंगे और हमारे विश्वविद्यालय के निर्माण, जो निश्चित रूप से एक राष्ट्र निर्माण परियोजना भी है, में हमारी मदद करेंगे,

टी.बी.सुब्बा

सिक्किम विश्वविद्यालय के बारे में

सिक्किम विश्वविद्यालय 2 जुलाई 2007 को संसद के अधिनियम द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था :

i) निर्देशात्मक एवं शोध संबंधी सुविधाएँ प्रदान करके विश्वविद्यालय द्वारा उचित समझी जानी वाली ज्ञानस करनाशाखाओं का प्रसार तथा विका-
ii) विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों में मानविकी, प्राकृतिक एवं भौतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान, वानिकी तथा अन्य सम्बंधित अध्ययन शाखाओं में एकीकृत पाठ्यक्रमों का प्रावधान करना,
iii) शिक्षणअधिगम प्रक्रिया-, अंतर्विषयक अध्ययन तथा शोध कार्यों में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित कदम उठाना,
iv) सिक्किम के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित और प्रशिक्षित करना-, तथा
v) राज्य के लोगों की सामाजिक तथा आर्थिक स्थितियों को सुधारने और उनके कल्याण के लिए उनके बौद्धिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विकास पर विशेष ध्यान देना .

लक्ष्य कथन

विश्वविद्यालय का लक्ष्य सामान्य तौर पर पूरे देश और विशेष तौर पर सिक्किम के गरीब योग्य छात्रों को वहन करने योग्य खर्च पर उच्च शिक्षा प्रदान और गुणवत्ता दोनों पर केन्द्रित करते हुए पूर्वी हिमालय में उच्च शिक्षा का एक केंद्र बनना है.

विज़िटर और चीफ रेक्टर

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी विश्वविद्यालय के विज़िटर है.
सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री श्रीनिवास पाटिल आलोच्य वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के चीफ रेक्टर हैं.

भौगोलिक स्थिति और परिवहन के साधन

विश्वविद्यालय फ़िलहाल गंगटोक और इसके आसपास के 22 किराए की इमारतों में चल रहा है. विश्वविद्यालय ने दक्षिण सिक्किम के यांगयांग में 300 एकड़ भूमि में अपने परिसर की निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी है जो सींगताम से 28 किलोमीटर दूरी पर है और यह दूरी सिंगताम और गंगटोक की बीच की दूरी के समान है. परिसर के उत्तरी सीमा पर पारंपरिक घरों, अति आधुनिक कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा, बच्चों के पार्क आदि के साथ एक पर्यटन गाँव है और इसके पश्चिमी सीमा पर 11 हजार फीट ऊंचाई पर स्थित गगचुम्बी भालेधुंगा है, जहां से विश्वविद्यालय परिसर दिखाई पड़ता है. भालेधुंगा साहसिक पर्यटकों के लिए प्रमुख स्थल है और विश्वविद्यालय परिसर से एक पहाड़ी रास्ते से होकर पहुंचा जा सकता है.

विश्वविद्यालय का दौरा करने के लिए निकटतम हवाई अड्डा बागडोगरा है, जो सिलीगुड़ी से कुछ दूरी पर दार्जिलिंग की तलहटी में स्थित है. निकटतम हवाई अड्डे और गंगटोक के बीच की दूरी 124 किलोमीटर है. सिक्किम पर्यटन विकास निगम द्वारा एक दैनिक हेलीकाप्टर सेवा बागडोगरा और गंगटोक के बीच संचालित है. बागडोगरा हवाई अड्डे और गंगटोक के बीच यात्रा के लिए टैक्सी भी उपलब्ध हैं.

निकटतम रेलवे स्टेशन न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन है जो कि गंगटोक से लगभग 125 किलोमीटर दूर है. पूर्वोत्तर भारत के लिए जाने और और उधर से आने वाली सभी ट्रेनें इस स्टेशन पर रुकती हैं.

गंगटोक राष्ट्रीय राजमार्ग 31 अ से सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिमपोंग के साथ सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ हैसिक्किम गंगटोक और सिलीगुड़ी के बीच नियमित रूप से . राष्ट्रीयकृत परिवहन की बसें भी चलती हैं. सिक्किम आने के लिए निजी बसें और हल्के वाहन भी सिलीगुड़ी और बागडोगरा से किराए पर लिए जा सकते हैं.

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित 29 विभाग, कोष्ठक में उल्लेख किए गए पाठ्यक्रमों के साथ हैं :

1. मानव विज्ञान (एमएससी/एएम)
2. रसायन विज्ञान(एमएससी), एमफिल
3. चीनी (5 वर्ष एकीकृत बीए-एमए)
4. वाणिज्य (एम कॉम)

5. कंप्यूटर अनुप्रयोग) 5 वर्ष एकीकृत (बीसीए-एमसी)
6. अर्थशास्त्र एमए)/एमएससी, एमफिल/पीएचडी
7. शिक्षा (एमए)
8. अंग्रेजी (एमए)
9. बॉटनीएमएससी) , एमफिल/पीएचडी/
10. भूगोल /एमए)एमएससी, एमफिल/एचडीपी/
11. भूविज्ञान)5 वर्ष एकीकृत बीएससी, एमएससी
12. हिंदी (एमए)
13. इतिहास एमए), एमफिल/पीएचडी/
14. बागवानी)6 वर्षीय एकीकृत बीएससी- एमएससी, एमफिल पीएचडी और/
    चाय प्रबंधन में 1 वर्ष का पीजी डिप्लोमा
15. अंतरराष्ट्रीय संबंध एमए), एमफिल(पीएचडी/
16. विधि (7 वर्ष एकीकृत बीए-एलएलबी, एलएलएम(
17. प्रबंधन (एमबीए)
18. जनसंचार (एमए, एमफिल(पीएचडी/
19. गणित (एमएससी/एमए)
20. सूक्ष्म जीव विज्ञान एमएससी), एमफिल(पीएचडी/
21. संगीत)5 वर्ष एकीकृत बीपीए-एमपीए(
22. नेपाली एमए), एमफिल(पीएचडी/
23. शांति और द्वंद्व अध्ययन और प्रबंधन एमए), एमफिल(पीएचडी/
24. भौतिक विज्ञानएमएससी) , एमफिल(पीएचडी/
25. राजनीति विज्ञान (एमए)
26. मनोविज्ञान)5 वर्ष एकीकृत बीएससी, एमएससी, एमए(एमएससी/
27. समाजशास्त्र एमए), एमफिल(पीएचडी/
28. पर्यटन (एमए)
29. प्राणी विज्ञान (एमएससी(

संबद्ध महाविद्यालय

निम्नलिखित महाविद्यालय सिक्किम विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं

i. सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, गंगटोक (पूर्वी सिक्किम)
ii. सिक्किम सरकारी महविद्यालय, रैनॉक (पूर्वी सिक्किम)
iii. सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, नामची (दक्षिणी सिक्किम)
iv. सिक्किम सरकारी विधि महाविद्यालय, बुर्तुक (पूर्वी सिक्किम)
v. सरकारी बी.एड महविद्यालय, सोरेंग (पश्चिम सिक्किम)
vi. डंबर सिंह महाविद्यालय, गंगटोक (पूर्वी सिक्किम)
vii. पेलेंटाइन महाविद्यालय, पाक्योंग (पूर्वी सिक्किम)
viii. लॉयोला शिक्षा महविद्यालय, नामची (दक्षिण सिक्किम)
ix. हर्कमाया शिक्षा महविद्यालय, गंगटोक (पूर्वी सिक्किम)
x. हिमालयन फार्मेसी संस्थान, माझीटार (पूर्वी सिक्किम)
xi. ग्यालशिंग महाविद्यालय (पश्चिम सिक्किम)
xii. सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, बुर्तुक (पूर्वी सिक्किम)

विश्वविद्यालय के पदाधिकारी

(सिक्किम विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 10 के अधीन)

चांसलर : न्यायधीश रूमा पाल (श्रीमती)
कुलपति : प्रोफेसर टी.बी. सुब्बा
उप कुलपति : रिक्त

विद्यापीठों के डीन :

प्रोफेसर जे पी तामङ, डीन, जीवन विज्ञान विद्यापीठ
प्रोफेसर प्रताप चंद्र प्रधान, डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ
डॉ. सोहेल फिरदौस, डीन, मानव विज्ञान विद्यापीठ
डॉ. ए. एन. शंकर, डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ
डॉ. सुबीर मुखोपध्याय, डीन, भौतिक विज्ञान विद्यापीठ
डॉ. नवल किशोर पासवान, डीन, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
कुलसचिव : श्री टी.के.कौल
वित्त अधिकारी : श्री दिबाकर कानूनज्ञ (स्थानापन्न)

परीक्षा नियंत्रक : डॉ. सुरेश गुरुंग (स्थानापन्न)
पुस्तकालयाध्यक्ष : प्रो. ए.एस. चंदेल (स्थानापन्न)

कार्यकारिणी परिषद

क्र. सं.	अधिकारी	पदनाम
1.	प्रो. टी.बी.सुब्बा कुलपति सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. धनीराज छेत्री छात्र कल्याण डीन सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
	विद्यापीठों के चार डीन वरिष्ठता क्रम के अनुसार रोटेशन पर कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे.	
3.	प्रो. ज्योति प्रकाश तामङ डीन, जीवन विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	प्रो. प्रताप चंद्र प्रधान डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
5.	डॉ. सुबीर मुखोपध्याय डीन, भौतिक वुज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
6.	डॉ. सोहेल फिरदौस डीन, मानव विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
	कुलपति द्वारा वरिष्ठता क्रम के अनुसार रोटेशन के आधार पर एक सह प्राध्यापक को नामित किया जाएगा.	
7.	डॉ. नवल किशोर पासवान सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष शांति एवं द्वंद्व अध्ययन	सदस्य

	एवं प्रबंधन विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	
	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से एक प्रतिनिधि	
8.	प्रो. ए.एन.राय निदेशक राष्ट्रीय निर्धारण एवं प्रत्ययन परिषद पो. बॉक्स नं. 1075, नगरभावी बैंगलोर -560072, कर्नाटक	सदस्य
	विज़िटर द्वारा नामित तीन व्यक्ति	
9.	डॉ. (श्रीमती) किरण दतार महाविद्यालयों की पूर्व डीन दिल्ली विश्वविद्यालय बी-86, नीतिबाग, नई दिल्ली - 49	सदस्य
10.	श्री सोनम वांगड़ी पूर्व मुख्य सचिव सिक्किम सरकार गंगटोक-737101	सदस्य
11.	प्रो. एस. सी. सिंह डीन, महाविद्यालय विकास परिषद हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ए-104, पार्श्वनाथ प्रैस्टीज सैक्टर 93ए, एक्सप्रेस वे नोएडा -उत्तर प्रदेश	सदस्य
	कुलपति की संस्तुति के आधार पर विज़िटर द्वारा 5 व्यक्ति नामित किए जाएंगे जिनमें से एक मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार के सचिव होंगे.	
12.	प्रो. वी.एस.प्रसाद पूर्व निदेशक, एनएएसी फ्लैट नं. 302, हलमार्क रेसिडेंसी अरोरा कॉलोनी, रोड नं. 3 बंजारा हॉल, हैदराबाद -500034	सदस्य
13.	डॉ. थॉमस चंडी प्रधान सचिव	सदस्य

	मानव संसाधन विकास विभाग सिक्किम सरकार गंगटोक - 737101	
14.	प्रो. डॉ. (श्रीमती) अशुम गुप्ता प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली -110007	सदस्य
15.	डॉ. आर.आर. राव आईएनएसए मानद वैज्ञानिक 328, बी-4, केंद्रीय विहार येलाहंका, बैंगलोर -560064	सदस्य
16.	प्रो. अतुल शर्मा, पूर्व कुलपति राजीव गांधी विश्वविद्यालय 80डीडीए एसएफ़एस फ्लैट सैक्टर 5, पॉकेट-1, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	सदस्य
	श्री टी.के.कौल कुलसचिव सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

शैक्षणिक परिषद

क्र. सं.	अधिकारी	पदनाम
1.	प्रो. टी.बी.सुब्बा कुलपति सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. धनीराज छेत्री छात्र कल्याण डीन सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
	विद्यापीठ के डीन	
3.	प्रो. ज्योति प्रकाश तामङ डीन, जीवन विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
4.	प्रो. प्रताप चंद्र प्रधान डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
	विभागों एवं अध्ययन विद्यापीठों के अध्यक्ष/चेयरपर्सन	
5.	डॉ. सुबीर मुखोपध्याय अध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
6.	डॉ. सोहेल फिरदौस अध्यक्ष, भूगोल विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
7.	डॉ. एन. के. पासवान अध्यक्ष, शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
8.	डॉ. वी. कृष्ण अनंत अध्यक्ष, इतिहास विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
9.	डॉ. ए.एन.शंकर	पदेन सदस्य

	अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	
10.	डॉ. एन. सत्यनारायण अध्यक्ष, बॉटनी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
11.	डॉ. एच.के.तिवारी अध्यक्ष, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
12.	डॉ. मनीष अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
13	डॉ. कविता लामा अध्यक्ष, नेपाली विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
14.	डॉ. एस. मनिवन्णन अध्यक्ष, उद्यानिकी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
15.	डॉ. मनेश चौबे अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
16.	प्रो. ए.एस. चंदेल पुस्तकालयाध्यक्ष सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
17.	डॉ. सुरेश कुमार गुरुङ परीक्षा नियंत्रक सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
	मद संख्या (2), (3), (4) और)5)में प्रत्येक अध्ययन विद्यापीठ, विशेष केन्द्रों के निर्दिष्ट उन लोगों के अलावा वरिष्ठता क्रमानुसार विद्यापीठ में एक प्राध्यापक और एक सह प्राध्यापक होंगे.	
18.	डॉ. अमिताभ भट्टाचार्य, सह प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य

	<u>संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य</u> *संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्यों को कुलपति द्वारा नामित किये जायेंगे : बशर्ते, प्राचार्य यूजीसी के नियमों के अनुसार पूर्ण होना चाहिए.*	
19.	डॉ. (श्रीमती) लिली एली प्राचार्य सिक्किम सरकारी महाविद्यालय रैनॉक, पूर्वी सिक्किम	सदस्य
20.	डॉ. एन.आर. भूयाँ प्राचार्य हिमालय फार्मेसी संस्थान माझीटार737 136 पूर्वी सिक्किम	सदस्य
	<u>कुलपति के द्वारा नामित</u> *कुलपति द्वारा नामित दो व्यक्ति जो विश्वविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय के संबद्ध किसी महाविद्यालय या संस्थान के कर्मचारी नहीं होंगे.*	
21.	प्रो. डी. के. नायक भूगोल विभाग पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग -793022	सदस्य
22.	प्रो. संजय रॉय समाजशास्त्र विभाग उत्तर बंगाल विहसवाविद्यालय जिला- दार्जिलिंग पिन-734013	सदस्य
	श्री टी.के. कौल कुलसचिव सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

वित्त समिति

क्र. सं.	अधिकारी	पदनाम
1.	प्रो. टी.बी. सुब्बा कुलपति सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
	कार्यकारिणी परिषद द्वारा तीन व्यक्ति नामित किए जाएंगे जिनमें से एक कार्यकारिणी परिषद के सदस्य होंगे.	
2.	श्री सोनम वांगड़ी सदस्य, कार्यकारिणी परिषद	सदस्य
3.	प्रो. अशोक कुमार दत्त पूर्व-निदेशक राजीव गांधी भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग	सदस्य
4.	श्री एम.जी.किरण प्रधान सचिव वित्त, राजस्व एवं व्यय विभाग सिक्किम सरकार, गंगटोक	सदस्य
	विज़िटर द्वारा नामित तीन व्यक्ति	
5.	श्री जगमोहन सिंह राजू संयुक्त सचिव (के.वि एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
6.	श्री योगेन्द्र त्रिपाठी संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
7.	संयुक्त सचिव (के.वि.) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुर शाह जफर मार्ग. नई दिल्ली	सदस्य
	श्री दिवाकर कानूनज्ञ सलाहकार (वित्त) सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

कार्यकारी सारांश

वर्ष 2013-14 सिक्किम विश्वविद्यालय के लिए गतिविधियों से भरा रहा. आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय ने बहुत सी उपलबधियाँ प्राप्त कीं. विश्वविद्यालय अभी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रतीक्षारत है, अगर हम सहायक प्राध्यापक के पद के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आए आवेदनों की संख्या को देखें तो हम कह सकते है कि विश्वविद्यालय का प्रसार बहुत अधिक बढ़ा है. समीक्षाधीन वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की गई कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ नीचे दी गई हैं.

पाठ्यक्रम संशोधन

विश्वविद्यालय ने 29 विभागों द्वारा विषम सेमेस्टर (अगस्त से दिसंबर) 2013 के दौरान पढ़ाएँ जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के संशोधन/मसौदा तैयार किए और विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों में सम सेमेस्टर (फरबरी से जुलाई तक) 2014 में पढ़ाये गए 34 विषयों के पाठ्यक्रमों में संशोधन करने का वृहत कार्य शुरू किया. दोनों अवसरों पर संबन्धित शिक्षकों और अन्य विश्वविद्यालय और शोध संस्थानों से विशेषज्ञों ने भाग लिया. पाठ्यक्रम विकास में उद्योगों की सहभागिता की वांछनीयता बहुत अधिक आवश्यक है. विद्यापीठों के डीन अपने विद्यापीठ के अंतर्गत प्रत्येक विभाग की पाठ्यक्रम विकास समिति के संशोधन/मसौदा तैयार करने के कार्य के पर्यवेक्षण के प्रभारी रहे. मसौदाकृत/संशोधित पाठ्यक्रम विवरणिकाओं को एकरूपीय संकेतिकरण के लिए समिति को भेजा गया और इसके बाद उन्हें उसे विश्वविद्यालय के वैबसाइट में अपलोड करने से पूर्व संपादित किया गया. ये पाठ्यक्रम मुद्रित किए जाएंगे और हितधारकों के बीच वितरित भी किए जाएंगे.

इस बड़े कार्य को पूरा करने के साथ साथ विश्वविद्यालय में अब देश का एक सबसे अद्यतन पाठ्यक्रम हैं.

संकाय सदस्यों की भर्ती

वर्ष 2012-13 तक ग्यारहवीं योजना के अंतर्गत स्वीकृत 201 पदों में से 69 (35%) संकाय सदस्यों की भर्ती हो गई थी और 132 (65%) पद रिक्त थे. पदों का

विज्ञापन दिया गया था और 2013 के मध्य में स्क्रीनिंग के कार्य भी पूरा हो चुका था. परंतु विज़िटर के प्रतिनिधियों के अभाव के कारण फरवरी 2014 तक चयन समिति की बैठक नहीं हो सकीं. अंतत : विश्वविद्यालय को 13 जनवरी 2014 को विज़िटर के प्रतिनिधि प्राप्त हुए और चयन समिति की बैठक 19 फरवरी से 27 मार्च 2014 तक, रविवार सहित, लगभग हर दिन हुई. 132 विज्ञापित पदों में से सिर्फ 90 पदों के लिए ही चयन समिति की बैठक आयोजित हो सकी. इसका कारण यह रहा कि प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के लिए या तो कोई आवेदन ही नहीं आया अथवा पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं हुए. 90 पदों के लिए लगभग 500 उम्मीदवारों का साक्षात्कार हुआ और अंत में 62 उन्नीद्वारों का चयन किया गया जिनमें से एक उम्मीदवार को कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण नियुक्ति प्रस्ताव नहीं दिया जा सका और दो उम्मीदवारों ने कार्यग्रहण नहीं किया.

इस बार की भर्ती प्रक्रिया के साथ ही पदों का भर्ती प्रतिशत 35 से बढ़कर 65 हो गया है और इससे 29 विभागों में से 15 विभागों को संकाय सदस्यों के मामले में सुचारू करने में मदद मिली. विश्वविद्यालय ने अतिथि एवं संयुक्त सदस्यों से सहायता लेना जारी रखा किन्तु इस समीक्षाधीन वर्ष में ऐसे संकायों पर निर्भरता काफी हद तक कम हुई.

यह रिपोर्ट इस बात के लिए भी प्रासंगिक है कि इस समय शिक्षकों का चयन 40 विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से हुआ है, जो सिक्किम विश्वविद्यालय में अपने संबन्धित विश्वविद्यालयों से बौद्धिक परंपरा भी साथ लाये. हमारे यहा अब भारत के 20 राज्यों से भी अधिक राज्यों से, विभिन्न धर्म, विभिन्न सांविधिक वर्गों और यहाँ तक विकलांग शिक्षक भी हैं

एनएएसी के लिए स्व-अध्ययन रिपोर्ट

एनएएसी के लिए आवेदन करते समय विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के छ : वर्ष पूरे नहीं किए थे किन्तु चूंकि स्नातकोत्तर के दो बैच उत्तीर्ण कर चुके थे, यह प्रत्यायन के लिए योग्य था. यद्यपि 19 विभाग नियमित सदस्य सहित या बिना किसी नियमित सदस्यों के 3-5 वर्ष पूरा कर चुके थे और 29 विभागों में से 10 विभागों की स्थापना हाल में ही हुई है, चूंकि भर्ती प्रक्रिया उपरोक्त कारणों से नियोजित समय से बहुत विलंब से शुरू हुई थी. विश्वविद्यालय कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं को चलाने से इतर अन्य उद्देश्य से निर्मित किराए की इमारतों में कार्य कर रहा था और अब भी कार्य रहा है.

हालांकि, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय ने स्व अध्ययन रिपोर्ट को तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया और प्रत्येक सात मापदण्डों पर रिपोर्ट, विभागीय विवरण एवं विश्वविद्यालय के विवरण तैयार करने के लिए उप समितियों का गठन कियाअनेक चुनौतियों के बावजूद . समिति ने सफलतापूर्वक एनएएसी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की और उसे नियत तिथि के भीतर हमारी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सका.

विश्वविद्यालय ने "एग्रेड प्राप्त कुछ पुराने विश्वविद्याल "यों के एसएसआर का अध्ययन किया और हमें सुखद आश्चर्य हुआ कि हमारा विश्वविद्यालय ने कुछ मानकों में उनमें से कुछ की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, हालांकि कुछ अन्य मापदंड, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे में बदतर प्रदर्शन किया. अपने परिसर के बिना बहुत नव स्थापित विश्वविद्यालय होने के कारण विश्वविद्यालय समर्थ होने पर भी बहुत कुछ करने के लिए सक्षम नहीं है, फिर भी जो कुछ भी किया गया है वह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है किराए .की इमारतों के स्थापित होने पर भी कक्षाओं और प्रयोगशालाओं का बुनियादी ढांचा देश के कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तुलना में बेहतर है. इसका पाठ्यक्रम बहुत समकालीन, गतिशील और प्रासंगिक हैंयहाँ के संकाय . सदस्य बहुत अनुभवी नहीं हैं, लेकिन वे युवा, ऊर्जावान, कल्पनाशील और अपने छात्रों के लिए एक अधिक से अधिक करने के लिए तत्पर हैं.

इस वर्ष के दौरान एस एस आर की तैयारी सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक थी. अब यह हमारी ताकत और कमजोरियों, अवसरों और चुनौतियों की पहचान के लिए एक वैध आधार हो सकता है और पूर्वोत्तर भारत में उत्कृष्टता का एक केन्द्र के रूप में उभरने की विश्वविद्यालय के विज़न को पूरा करने के लिए हमें कदम उठाने की आवश्यकता है.

विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह 9 मार्च 2014 को 2010, 2011, 2012 एवं 2013 में उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री, स्वर्ण एवं रजत मेडल प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की चान्सलर न्यायमूर्ति (श्रीमति) रुमा पाल ने की और पद्मभूषण प्रो. मृणाल मिरी, राज्य सभा सदस्य एवं चान्सलर, राजीव गांधी विश्वविद्यालय ने दीक्षांत व्याख्यान दिया. विश्वविद्यालय के मुख्य रेक्टर तथा माननीय राज्यपाल, सिक्किम ने भी अपनी उपस्थिति से समारोह को गरिमापूर्ण बनाया. समारोह सिक्किम सरकार के मनन भवन में आयोजित किया गया.

छठा स्थापना दिवस समारोह

विश्वविद्यालय का छठा स्थापना दिवस समारोह 2 जुलाई 2013 को मनाया गया. इस अवसर पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्येता प्रो. ए.सी. सिन्हा ने स्थापना दिवस के मुख्य व्याख्यान दिया. उनके व्याख्यान का शीर्षक था "20वीं सदी के मध्य में सिक्किम और सिक्किम के आस-पास में सामाजिक संरचना". समारोह में मानव संसाधन विकास, सिक्किम सरकार के तत्कालीन मंत्री श्री एन.के. प्रधान मुख्य अतिथि और श्री सी.डी. राय, पूर्व नौकरशाह तथा 1940 के लोकतान्त्रिक आंदोलन के नेता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.

समारोह में विश्वविद्यालय के छात्रों के सांगीत कार्यक्रम तथा कोलकाता के कलाकार द्वारा शास्त्रीय प्रदर्शन भी शामिल थे. समारोह सरमसा उद्यान के प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ.

शिलान्यास समारोह

16 अप्रैल 2013 को विश्वविद्यालय के विज़िटर श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा माननीय राज्यपाल, सिक्किम एवं विश्वविद्यालय के रेक्टर श्री बी.पी.सिंह तथा सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री पावन चामलिंग की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के विज़िटर श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय का शिलान्यास हुआ.

विज़िटर ने विश्वविद्यालय को स्थानीय प्रासंगिकता के साथ एक विश्वस्तरीय संस्थान बनाने में विश्वविद्यालय तथा राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की. समारोह में कुछ लोकनृत्यों का प्रदर्शन भी हुआ.

परिसर विकास

परिसर के संबंध में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :

i. विश्वविद्यालय द्वारा परिसर क्षेत्र के एक जैव विविधता सर्वेक्षण प्रायोजित किया गया और परिसर के जैव विविधता सूक्ष्म आकर्षण केंद्र की पहचान करनेवाली रिपोर्ट प्रस्तुत की गई.
ii. विश्वविद्यालय के परिसर की समोच्च मैपिंग हो गई और रिपोर्ट प्रस्तुत की गई.

iii. चारदीवारी के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है और लगभग एक-तिहाई कार्य पूरा हो चुका है.
iv. हितधारकों की प्रतिक्रियायों को शामिल करने के बाद परिसर की वैचारिक योजना तैयार की गई थी.
v. समीक्षाधीन अवधि के दौरान परिसर विकास की मास्टर योजना एवं डीपीआर तैयार करने के लिए वास्तु फ़र्म की चयन प्रक्रिया शुरू की गई.
vi. परिसर में पानी और बिजली उपलब्ध कराने की योजना प्रक्रियाधीन है, जबकि परिसर के लिए सड़क निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो गया है.
vii. विश्वविद्यालय को शीघ्र ही शेष 35 एकड़ जमीन मिलने की आशा है.

छात्र संख्या में लंबी छलांग

छात्रों की कुल संख्या 2012-13 के 350 से 2013-14 से बढ़कर 755 हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.16 गुना अधिक है. यह समीक्षाधीन वर्ष में 10 नए विभागों की शुरुआत एवं विश्वविद्यालय की प्रवेश नीतियों में परिवर्तन के कारण ही संभव हुआ है. विश्वविद्यालय की संवीक्षा समिति की सिफ़ारिशों का पालन करते हुए पूर्व की तरह प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर न होकर योग्यता डिग्री में प्राप्त अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिलाने का निर्णय लिया गया है. हालांकि कई विभागों में अभी भी प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है.

छात्रों की संख्या में 2.16 गुना की वृद्धि के कारण कक्षा और छात्रावास के लिए और अधिक इमारत किराए पर लेने के लिए प्रशासन पर काफी दबाव पड़ा. समीक्षाधीन वर्ष में मौजूदा दो छात्रावासों के साथ दो और नए छात्रावास खुले गए हैं जिससे अब दो छात्रावास और दो छात्रा-आवास हो गए हैं.

केंद्रीय पुस्तकालय

गत एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीय पुस्तकालय के 28 हजार पुस्तकों के संग्रह में लगभग 9000 पुस्तकें और जोड़ा गया है. विश्वविद्यालय ने उन पत्रिकाओं की आपूर्ति बंद कर दी है जिसे खुली पहुँच स्रोतो से इनफ्लिबनेट अथवा हमारी नीजी सदस्यता के द्वारा उपलब्ध कराया जा सकता है. विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय एक ई-पुस्तकालय बनने की दिशा में है जो प्रारम्भिक तौर पर कुलपति और कुछ संकाय सदस्यों द्वारा किए गए ई-बुक के दान से होगा.

बीएसएनएल द्वारा उपलब्ध कराये गए "लास्ट माइल कनैक्टिविटी" की खराब स्थिति के कारण केंद्रीय पुस्तकालय में 1 जीबीपीएस एनकेएन कनैक्टिविटी कभी भी 115 एमबीपीएस से अधिक दक्षतापूर्ण नहीं हुई, जिसकी वजह से समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ई-संसाधन का इस्तेमाल अधिक सीमित रहा.

विविध उपलब्धियां

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित प्रकोष्ठों की स्थापना हुई :

- आईक्यूएसी
- महिला प्रकोष्ठ
- व्यथा निवारण प्रकोष्ठ
- रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ
- परामर्श एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/ अल्पसंख्यक कोचिंग प्रकोष्ठ
- विश्वविद्यालय व्यायामशाला, और
- छात्र परिषद

अध्ययन विद्यापीठ

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

अर्थशास्त्र विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. मनेश चौबे
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251152
मोबाइल नंबर : 91-8670984192
ईमेल आईडी : mchoubey@cus.ac.in

संकाय विवरण

डॉ. मनेश चौबे, सह प्राध्यापक 01-05-2014 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2014 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से" रुरल क्रेडिट मार्केट और इंटरलिंक्ड ट्रैंज़ैक्शन इन राजस्थान" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे कृषि अर्थशास्त्र में शोध कर रहे हैं और कृषि अर्थशास्त्र और माइक्रोफाइनेंस उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं.

डॉ. रुमा कुंडू, सहायक प्राध्यापक 27-02-2012 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2008 में बर्द्धवान विश्वविद्यालय से" कम्पैरटिव इकनॉमिक एनालिसिस ऑफ इनलैंड एंड मरीन फिशरिज : अ केस स्टडी इन वेस्ट बेंगाल" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए-पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में अर्थशास्त्र, सांख्यिकी और अर्थमिति शामिल हैं.

डॉ. प्रद्युत गुहा, सहायक प्राध्यापक 06-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में मिज़ोरम विश्वविद्यालय से" परफॉर्मेंस ऑफ टी इंडस्ट्री इन द पोस्ट 1991 इकनॉमिक एनवायरनमेंट : अ केस स्टडी ऑफ असम" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए 2011 में पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में कृषि अर्थशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शामिल हैं.

डॉ. रंगलाल महापात्र, सहायक प्राध्यापक 13-08-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में उत्कल विश्वविद्यालय से शोध प्रबंध "इफैक्ट्स ऑफ एजुकेशन ऑन एफिसिएन्सी इन फार्म प्रॉडक्शन : एन एम्पिरिकल स्टडी" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे उत्पादकता क्षमता और डीईए तकनीक के अनुप्रयोग के माध्यम से डीएमयू के बेंच चिन्हित विश्लेषण पर शोध कार्य कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और कृषि अर्थशास्त्र और सूक्ष्म अर्थशास्त्र शामिल हैं.

प्रकाशन

डॉ. मनेश चौबे

- चौबे मनेश)2013) "बिहार में सक्रिय लघु वित्तीय संस्थाओं में मानव संसाधन के मुद्दे." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेव्लपमेंट एंड मैनेजमेंट* .(आईजेएचआरडीएम) खंड 6(4) (आईएसएसएन सं -1741-5160).
- चौबे मनेश)2013)"संयुक्त जिम्मेदार समूहों एवं लघु वित्तीय संस्थाओं की गुणवत्ता और स्थिरता : कैशपोर माइक्रोक्रेडिट सेवाओं के एक केस स्टडी". *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स, आईटी एंड मैनेजमेंट,* खंड 3 (4) (आईएसएसएन 2231-5756).

- चौबे, मनेश और अन्य)2013) "वित्तीय समावेशन के मद्देनजर भारत में वाणिज्यिक बैंकिंग," *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च,* 5 (11), 3513-3519.आईएसएसएन : 0975-833एक्स.

डॉ. रुमा कुंडू

- **कुंडू, रुमा**)2014) "स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तीकरण : सिक्किम का एक मामला." *पूर्वोत्तर भारत में पहचान, राजनीति और आर्थिक विकास-* संपादक. कोमल सिंह और एम अमरजीत सिंह. नई दिल्ली : कान्सैप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्रालिमिटेड . आईएसबीएन9789351250401.पृ. सं. 245-261.
- **कुंडू, रुमा**) 2013) "स्थिरता और लाभप्रदता के मुद्दों के बीच संघर्ष : दो मछली उत्पादन इकाइयों का एक अध्ययन." *संसाधनों का प्रयोग, विकास और पर्यावरण : इंटरफेस और निहितार्थ*नई दिल्ली.रवि एस सिंह -संपादक. : वाईएस बुक्स इंटरनेशनलआईएसबीएन. : 93-83793-16-3. पृ .सं.331-352.
- मंडल, इंद्रनील एवं **कुंडु, रुमा**) 2013) "सैंसेक्स और क्षेत्रीय सूचकांकों के बंबई स्टॉकों में अंतरसंबंधों का एक अध्ययन : एक समय श्रृंखला विश्लेषण." *कम्प्यूटेशनल और वित्तीय अर्थमिति पर एक अनुप्रयोग* संपादक .रुद्र पी प्रधान- नई दिल्ली : ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट इंडिया लिमिटेड आईएसबीएन : 978-93-82951-36-0. पृ.सं. 349-359.
- **कुंडू, रुमा** और मंडल, इंद्रनील)2014) "स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य : पूर्वी एवं पश्चिम सिक्किम, भारत में आजीविका, सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरण मुद्दों के एक मामले का तुलनात्मक अध्ययन" *भारत में ग्रामीण आजीविका : सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण के मुद्दे.* संपादक सौमेन्द्र किशोर दत्त -एवं प्रभात कुमारी कुरी. नई दिल्ली, भारत : सिरियल प्रकाशन, आईएसबीएन : 978-81-8387-613-1.पृ . .सं300-318.

डॉ. प्रद्युत गुहा

- **गुहा, प्रद्युत.** भारतीय और पश्चिमी कार्य संस्कृति पर आर्थिक मंडी के प्रभाव " *आत्मबोध, जर्नल ऑफ राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नालजी* स्प्रिंग)2013) पृ . .सं42-45. आईएसएसएन 0972-1398.
- **गुहा, प्रद्युत.**पूर्वोत्तर भारत में मलेरिया की चुनौतियां और स्वास्थ्य जागरूकता : पूर्वी . " सिक्किम का एक केस स्टडी*हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइन्स* 3.1 (अप्रैल 2013) : पृ सं .16-23.आईएसएसएन सं 2231-6639.

- **गुहा, प्रद्युत**. “पूर्वोत्तर भारत में सीमा पार विदेशी व्यापार तीव्रता "*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च* 5.8 (अगस्त, 2013) पृ.सं . 2368-2374 आईएसएसएन 0975-833X.
- **गुहा, प्रद्युत**. “असम में चाय की लघु-कृषि" केसिंह एवं एम ..ए.सिंह(संपादक), *पूर्वोत्तर भारत में पहचान, राजनीति एवं आर्थिक विकास,* कान्सैप्ट पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली)2014) पृ. सं .353-362 आईएसबीएन -13 : 978-93-5125-040-1.

डॉ. रंगलाल महापात्र

- **महापात्र, आर**धान की उत्पादकता में" **.** किसान, स्कूली शिक्षा और फार्म की दक्षता : एक स्टॉकेस्टिक फ्रंटियर कार्य दृष्टिकोण", *एशियन अकैडमिक जर्नल ऑफ सोशल साइन्स एंड ह्यूमनेटीज़,* 1 (21), (2014) पृ 598-608.आईएसएसएन 2278 -859एक्स.
- **महापात्र, आर**" बेल्जियम में मल्मकुईस्ट सूचकांक आधारित दक्षता एवं उत्पादकता परिवर्तन के अपघटन”, *एशियन अकैडमिक जर्नल ऑफ सोशल साइन्स एंड ह्यूमनेटीज़,* 1 (19), (2014), पृ. सं. 55-71. आईएसएसएन 2278 -859एक्स.
- **महापात्र, आर** और अन्य, "तेमी टी एस्टेट में कुल कारक उत्पादकता परिवर्तन के अपघटन : एक मल्म कुईस्ट उत्पादकता सूचकांक दृष्टिकोण", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट ट्रेंड एंड रिसर्च,* 2 (1), (2013), पृ सं. 236-244. आईएसएसएन : 2278-8042.
- **महापात्र, आर.** एवं सेन भबेश. "गन्ना के उत्पादन में तकनीकी, आवंटन और आर्थिक क्षमता : एक गैर पैरामीट्रिक दृष्टिकोण" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च*, 1(6), (2013), पृ .सं.366-374.आईएसएसएन 2320-5407.
- **महापात्र आर**न उत्पादन में फार्म स्तर की तकनीकी दक्षताधा" **.** : एक ट्रांसलॉग सीमांत उत्पादन कार्य दृष्टिकोण", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च* 1 (3), (2013), पृ.सं. 300-307.आईएसएसएन 2320-5407.

संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. मनेश चौबे

- 9 अप्रैल 2013 को चाय प्रबंधन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भारत से चाय के उत्पादन और निर्यात" : प्रवृत्ति और नीतिगत मुद्दे " शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 08 अगस्त से 09 अगस्त 2013 तक भूल भगत महिला विश्वविद्यालय द्वारा लघु वित्त एवं लघु उद्यमिता पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लघु वित्त संस्थानों " "में अपनाए गए प्रयद्योगिकीशीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 26 मार्च 2014 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला एवं एवं भूगोल विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में तीस्"ता नदी के सांस्कृतिक पारिस्थितिकी : याक हर्डिंग संप्रदाय पर एक केस स्टडी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. रुमा कुंडू ने 17 जनवरी से 18 जनवरी 2014 तक अर्थशास्त्र विभाग, बर्धमान विश्वविद्यालय द्वारा विकास, भलाई और आजीविका पर आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सिक्किम में" विवाहेतर संबंधों और विवाह पर उनके प्रभाव : एक तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. प्रद्युत गुहा

- 29-30 नवंबर 2013 को भारतीय अर्थमितीय सोसाइटी एवं मणिपुर आर्थिक संघ के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कायम आर्थिक विकास पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सार्वजनिक व्यय एवं सिक्किम के सकल घरेलू उत्पाद के साथ इसका संबंध : सिक्किम में वैगनर कानून का एक निहितार्थ "शीर्षक से पेपर.प्रस्तुत किया (लेखक-सह)
- 15 एवं 16 नवंबर 2013 को अर्थशास्त्र विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर आर्थिक संघ के 15वें वार्षिक सम्मेलन में "वित्तीय अपवर्जन का एक स्रोत के रूप में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के विकास में क्षेत्रीय असमानता शीर्षक से पेपर " .प्रस्तुत किया (लेखक-सह)

डॉ. रंगलाल महापात्र

- 26 मार्च 2014 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला एवं एवं भूगोल विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में तीस्ता नदी"की सांस्कृतिक पारिस्थितिकी : याक हर्डिंग संप्रदाय पर एक केस स्टडी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 29-30 नवंबर 2013 को भारतीय अर्थमितीय सोसाइटी (टीआईईएस) एवं मणिपुर आर्थिक संघ के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कायम आर्थिक विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सार्वजनिक व्यय एवं सिक्किम के सकल घरेलू उत्पाद के साथ इसका संबंध : सिक्किम में वैगनर कानून का एक निहितार्थ "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9 अप्रैल 2013 को बागान प्रबंधन अध्ययन, सिक्किम विश्वविद्यालय और चाय बोर्ड, भारत द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय चाय के फ़िलहाल परिदृश्य के विशेष संदर्भ में

चाय संस्कृति एवं विज्ञान पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सौ अरब उद्योगों" का अंधेरा पक्ष "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. मनेश चौबे

- 5 अक्टूबर 2013 को पत्र सूचना ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत निर्माण कार्यक्रम में रोंगली में भूमि अधिग्रहण एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम पर व्याख्यान दिया.
- 25 फरवरी 2014 को सिक्किम सरकार के सहयोग से एनईयूपीए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारियों के लिए वित्तीय योजना पर व्यख्यान दिया.
- 5 मार्च 2014 को गंगटोक में राष्ट्रीय जैव विविधता बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में परिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन पर व्याख्यान दिया.

डॉ. प्रद्युत गुहा

- 11 मई 2013 को बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग, छात्र महाविद्यालय, कोकराझार द्वारा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थसामाजिक परिवर्तन पर असम में मनरेगा और ग्रामीण रोजगार पर व्याख्यान दिया.

डॉ. रंगलाल महापात्र

- 22 नवंबर 2013 को प्रबंधन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय और बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप में आयोजित संगोष्ठी में पूर्वोत्तर भारत में निवेशक जागरूकता पर व्याख्यान दिया.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

डॉ. रुमा कुंडू ने 04.06.2013 से 01.07.2014 3 तक यूजीसी स्टाफ कॉलेज, बर्द्धमान विश्वविद्यालय में आयोजित 90वें अभिमुखी पाठ्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. प्रद्युत गुहा ने 16 दिसंबर 2013 से 12 जनवरी 2014 तक शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित 97वें अभिमुखी पाठ्यक्रम में भाग लिया.

फैलोशिपपुरस्कार/

एक छात्र ने स्लेट पास किया और दो छात्रों को राजीव गांधी फैलोशिप प्राप्त हुई.

परियोजनाएं

मनेश चौबे (प्रधान अन्वेषकस्थितिकी तंत्र सेवाओं और बांग्लादेश में तिस्ता की पारि भारत (
. का मूल्य9 महीने आईयूसीएन द्वारा वित्त पोषित राशि .19 लाख.

इतिहास विभाग

अध्यक्ष : डॉ. वीकृष्ण अनंत .
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251004
मोबाइल नंबर : 91-90467 11160
ईमेल आईडी : vkananth@cus.ac.in

संकाय विवरण

डॉ. वी कृष्ण अनंत, सह प्राध्यापक 01-07-2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1992 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "द वर्किंग क्लास एंड द नेशनल मूवमेंट : अ केस स्टडी ऑफ मद्रास प्रेसीडेंसी, 1937-47" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. वे अब आधुनिक और समकालीन भारत में जाति पर शोधकार्य कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में समकालीन राजनीतिक इतिहास, भारत के संवैधानिक इतिहास और भारत में सामाजिक आंदोलन के इतिहास शामिल हैं.

सुश्री सांगमु थेंडुप, सहायक प्राध्यापक ने 01-06-2013 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2009 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "डेपिक्शन ऑफ कास्ट एंड जेंडर रिलेशन इन द विनय पिटिका और डिघा निकाय" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए एमफिल प्राप्त की. फ़िलहाल वे प्रारंभिक बौद्ध धर्म में पर्यावरण दृष्टिकोण : पौराणिक ग्रन्थों के अध्ययन पर शोध कर रही है. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सामाजिक इतिहास, लिंग, पर्यावरण और बौद्ध धर्म शामिल हैं.

प्रकाशन

वी कृष्ण अनंत

- चारा घोटाला, लालू और विश्वास, *इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, XLVIII, सं .43, अक्तूबर 26, 2013 पृ .सं.12-14
- आम आदमी पार्टी के लिए एक संदेश, *इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड XLVIII, सं .50, दिसंबर 14, 2013 (वेब एक्सक्लूसिव(

http : //www.epw.in/web-exclusives/message-aam-aadmi-party.html-0?ip_login_no_cache=36eec350b678f8b45a5dcdf0e33a39fa

सुश्री सांगमु थेंडुप

"प्रारंभिक बौद्ध धर्म में पर्यावरण परिप्रेक्ष्य : पर्यावरण की चुनौतियों के लिए एक प्रतिक्रियामैथ्यू कोशी पुन्नाकाडु " (संपादक), *पर्यावरण की चुनौतियों के लिए एक प्रतिक्रिया :* नीलाकल में आयोजित *अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितिकी सम्मेलन* में पेपर प्रस्तुत किया, लैम्बर्ट अकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी, 2013.

संगोष्ठीसम्मेलन/

डॉ. वी कृष्ण अनंत ने 27 और 28 फरवरी 2014 को रजीनीति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में उदारीकरण के बाद लोकतान्त्रिक अनुभव पर आईसीएसएसआर एवं यूजीसी) आयोजित (द्वारा प्रायोजितराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एएपी के उद्भव के ऐतिहासिक संदर्भ एवं भारत में संवैधानिक लोकतन्त्र के लिए इसका निहितार्थ "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

सुश्री सांगमु थेंडुप

- 23 मई से 26 मई 2013 के बीच इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर, डबरोवनिक, क्रोएशिया में तीर्थयात्रा और अवशेष पर आयोजित पहली अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'बौद्ध धर्म में तीर्थयात्रा और अवशेष का महत्व' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 29 और 30 मार्च 2014 को महिला अध्ययन केंद्र, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग द्वारा भारत में महिलाओं की बदलती स्थिति" : आयाम एवं चिंताविषय " पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीयसंगोष्ठी में प्रारम्भिक" बौद्ध ग्रंथों में परिलक्षित लैंगिक संबंध' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. वीकृष्ण अनंत.

- 29 जुलाई 2013 को एशियाई पत्रकारिता कॉलेज में भारत में मीडिया का इतिहास : स्वतंत्रता संग्राम से आपातकालीन स्थिति तक विषय पर व्याख्यान.
- 20 जनवरी 2014 को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजा के अधिकार और पारदर्शिता पर एक टिप्पणी
- 10 फरवरी, 2014 को 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और संचार विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार, एएपी के उद्भव, सुशासन को सुविधाजनक बनाने में मीडिया की भूमिका' विषय पर व्याख्यान.

आयोजित संगोष्ठीव्याख्यान/सम्मेलन/

क्रम सं.	**विषय**	**तिथि और स्थान**	**आयोजकसंयोजक/ के नाम**
1	पूर्वोत्तर भारत में अल्पसंख्यकों के प्रक्रियारत समावेश और पूर्वोत्तर भारत के अल्पसंख्यकों का विकास	22-23 मार्च 2014, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक	सुश्री सांगमु थेंडुप, सह संयोजक, आईसीएसएसआर और अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय संगोष्ठी

विभाग में विशेष व्याख्यान

सुश्री विभा अय्यर, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संक्रमण बहस पर 10 व्याख्यानों की एक श्रृंखला)7 अक्तूबर से 9 अक्तूबर 2013)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग

अध्यक्ष : डॉ. मनीष
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251826
मोबाइल नंबर : 91-9733302681
ईमेल आईडी : msrivastava@cus.ac.in

संकाय विवरण

डॉ. मनीष, सह प्राध्यापक 14-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2001 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "नेगोसिएशन द कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट बेन ट्रीटी : 1994-1996" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे विदेश नीति और सुरक्षा अध्ययन से संबंधित मुद्दों पर शोध कर रहे हैं.

डॉ. सेबेस्टियन एन, सहायक प्राध्यापक 10-10-2008 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2009 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "ग्लोबलाइजेशन एंड सोशल डेव्लपमेंट : अ कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इजिप्त एंड इंडिया, 1991-2001" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की . फ़िलहाल वे भूमंडलीकरण और विकासात्मक नीतियों पर शोध कार्य कर रहें हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धांत, भूमंडलीकरण और विकास वाद-विवाद, वाना की राजनीति शामिल हैं.

डॉ. टेबोरलांग टी खर्सिंटीऊ, सहायक प्राध्यापक 03-09-2008 को विभाग से जुड़े. उन्होंने पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया था. उन्होंने वर्ष 2009 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "ब्रिटिश एट्टीट्यूड टूवर्ड्स कॉमन फ़ॉरेन एंड सिक्युरिटी पॉलिसी ऑफ द यूरोपियन यूनियन" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे भारत की विदेश नीति में सीमावर्ती राज्य और सीमांतवर्ती संप्रदाय पर शोध कार्य कर रहे है और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में यूरोपीय संघ की विदेश नीति और ब्रिटिश विदेश नीति शामिल हैं.

श्री फैरेंबाम न्यूटन सिंह, सहायक प्राध्यापक 10-01-2008 को विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक चिंतन शामिल हैं.

प्रकाशन

सेबेस्टियन एन., (2013) "इस्लामी आंदोलन और औपनिवेशिक अल्जीरिया में राष्ट्रवाद का उद्भव", कुमार, राजेश एवं नवाज़ निजाज (संपादक), *इस्लाम, इस्लामी आंदोलन और मध्य पूर्व में लोकतन्त्र : चुनौतियाँ, अवसर और प्रतिक्रियाएँ* ग्लोबेल विजन पब्लिशिंग हाउस), नई दिल्ली (.पृष्ठ सं209-228, आईएसबीएन 9788182205482.

संगोष्ठीसम्मेलन/

डॉ. मनीष

- 21 -22 दिसंबर 2013 को गोवा विश्वविद्यालय द्वारा संक्रमण में भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शासकीय सुरक्षा' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 19-21 फरवरी 2014 को रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "16वें एशियाई सुरक्षा सम्मेलन.में भाग लिया "

- 21-22 दिसंबर 2013 को गोवा विश्वविद्यालय द्वारा संक्रमण में भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शासकीय सुरक्षा' पर एक पेपर प्रस्तुत किया.

- 18-19 अक्टूबर 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (एमएकेएआईएएस), कोलकाता द्वारा पड़ोसी देशों के साथ भारत की सीमाओं पर व्यापार" : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "के सहसंयोजक- एवं प्रस्तुतकर्ता रहे.

- 13-14 अप्रैल 2013 को अंतरराष्ट्रीय संबंधराजनीति विभाग एवं अहिंसक विकल्प / (एफ़एनवीए)फ़ाउंडेशन, सिक्किम विश्वविद्यालय में हिमालय के साथ तिब्बत के " विषय पर दो दिवसीय "संबंध संगोष्ठी का आयोजन किया.

डॉ. सेबेस्टियन एन.

- 3 फरवरी 2014 को राजनीति विज्ञान विभाग, एम.ई.एसकॉलेज ., कोडूंगल्लूर, केरेला एवं संसदीय मामलों का संस्थान द्वारा ई-प्रशासन : डिजिटल लोकतंत्र की दिशा की ओर एक कदम विषय आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में लोकतांत्रिकता, शासन एव प्रयद्योगिकी पर मुख्य भाषण दिया.
- 20जनवरी 2014 को राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग, पीसरकारी कॉलेज .एम., चालकुडी, केरेला द्वारा भारत में संसदीय लोकतंत्र एवं चुनाव सुधार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संसदीय लोकतंत्र की ओर बढ़ती बाहरी चुनौतियां' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. टेबोर्लांग टीर्सिटीऊख . ने 4-6 जुलाई 2013 को सामाजिक मानव विज्ञान और फोनोग्रामर्चिव संस्थान, ऑस्ट्रिया विज्ञान अकादमी, साउथ एशियन विभाग, तिब्बटी और बौद्ध अध्ययन, वियना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फैशन उपसभ्यताएँ और " पूर्वोत्तर भारत में पहचान सृजन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

फैरेंबाम न्यूटन

- 16-17 मई 2013 को पाछूंगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइज़ोल, मिजोरम में सामाजिक परिवर्तन पर पुनर्विचार : हाल के रुझानों और उभरते परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सिक्किम में विचार", संस्थान एवं सामाजिक परिवर्तन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 18-19 अक्तूबर 2013 को गंगटोक में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (एमएकेएआईएएस), कोलकाता के सहयोग से "पड़ोसी देशों के साथ भारत की सीमाओं पर व्यापार : चुनौतियाँ एवं संभावनाएं पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में " ह व्यापारमोरे" : महिला, आजीविका एवं स्थिरता "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. सेबेस्टियन एन

- 20.07.2013 को यूजीसी शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज में भारतीय संदर्भ में भूमंडलीकरण " .विषय पर विशेष व्याख्यान दिया "की अवधारणा

- 26.07.2013 को एकता महिला कॉलेज में भूमंडलीकरण और भारत के राज्य : भारत में 1991 के बाद के अनुभव.विषय पर व्याख्यान दिया "
- 20.01.2014 को राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग, श्री केरला वर्मा कॉलेज, त्रिचूर, केरेला में "21वीं सदीं में भारत के लोकतंत्र के लिए चुनौतियाँख्यान विषय पर व्या " .दिया

पीएच न्यूटन ने 7 अगस्त 2013 को राजनीति विज्ञान विभाग, सलेसियान कॉलेज, सोनाडा में "भारतीय संसद : नई चुनौतियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ.विषय पर व्याख्यान दिया "

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलनव्याख्यान/

क्रम सं.	**विषय**	**तिथि और स्थान**	**आयोजकसंयोजक/ के नाम**
1	अहिंसा विकल्प फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से 'हिमालय के साथ तिब्बत के संबंध' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी.	13-14 अप्रैल 2013 गंगटोक	डॉ. मनीष डॉ. सेबेस्टियन
2	मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियन स्टडीज संस्थान (एमएकेएआईएएस) के सहयोग से "पड़ोसी देशों के साथ भारत की सीमाओं पर व्यापार : चुनौतियां एवं संभावनाएं- विषय पर दो " दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	18-19 अक्टूबर 2013 गंगटोक	डॉ. मनीष डॉ. टेबोर
3	अमेरिका में भारतीय छात्रों के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति के विषय पर अमेरिकी महावाणिज्य के साथ छात्रों की बातचीत	26 मार्च 2014 गंगटोक	डॉ. सेबेस्टियन एन पीएच न्यूटन सिंह

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी/ कार्यक्रम

डॉ. सेबेस्टियन एन. ने 28.06.2014 से 25.07.2014 तक यूजीसीशैक्षणिक- स्टाफ कॉलेज, कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अभिमुखी पाठ्यक्रम में भाग लिया. उन्होंने 06.02.2014 से 26.02.2014 तक सामाजिक विज्ञान, बैच सप्तम में (अंतर्विषयक) आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. टेबोरलांग टी. खर्सिंटीऊ ने 07 अप्रैल 2014 से 02 मई 2014 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में ग्लोबल स्टडीज में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम .में भाग लिया (अंतर्विषयक)

फैलोशिपपुरस्कार/

एक छात्र ने यूजीसी नेट पास किया.

वर्ष के दौरान प्रदान की गई एमफ़िल डिग्रियाँ

1. डॉ. मनीष के पर्यवेक्षण में श्री सुनील प्रधान को अफगानिस्तान में आईएसआई " की भूमिका : 11 सितंबर और इससे परे" विषय पर एमफ़िल डिग्री प्रदान
2. डॉ. मनीष के पर्यवेक्षण में सुश्री टीशेरिंग डोमा केलियन को "चीन के साथ सीमा व्यापार नीति और भारत और चीन के संबंधों पर इसके प्रभावविषय पर " एमफ़िल डिग्री प्रदान
3. डॉ. सेबेस्टियन एनके पर्यवेक्षण में . श्री विकास शर्मा को "सीमा, प्रवास और सुरक्षा : असम में आप्रवासन समझौताविषय पर एमफ़िल डिग्री प्रदान "
4. डॉ. सेबेस्टियन एन के पर्यवेक्षण में सुश्री रुक्मिणी काकती को प्रवासी सिनेमा " विषय पर एमफ़िल डिग्री प्रदान "में संकरता
5. डॉ. टेबोरलांग टी खर्स्यंटीऊ के पर्यवेक्षण में मणिपुर में आंतरिक रूप से " विस्थापितव्यक्तियों के संघर्ष : कानूनी और मानव सुरक्षा फ्रेमवर्क" विषय पर एमफ़िल डिग्री प्रदान
6. न्यूटन सिंह के पर्यवेक्षण में सुश्री दिव्या राय को "लोकतांत्रिकता और सिविल सोसायटी : म्यांमार में हुए राजनीतिक परिवर्तन का एक विश्लेषण" विषय पर एमफ़िल डिग्री प्रदान

वर्ष के दौरान विभाग से जुड़े हस्ताक्षरित सहयोगसमझौता ज्ञापन/

मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई संस्थान संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार(, कोलकाता के साथ पूर्वोत्तर में मौलाना आज़ाद अध्ययन केंद्र की स्थापना करने के लिए संयोजक के रूप में डॉ. मनीष, सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के साथ सहमति ज्ञापन

विधि विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : श्री वीर मयंक
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251549
मोबाइल नंबर : 91-8145894966
ईमेल आईडी : vmayank@cus.ac.in

संकाय विवरण

श्री वीर मयंक, सहायक प्राध्यापक 03-08-2010 को विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यापार कानून , अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून शामिल हैं.

सुश्री डेंकिला भूटिया, सहायक प्राध्यापक 01-05-2012 को विभाग से जुड़ीं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में मानवाधिकार, पर्यावरण कानून और परिवार कानून शामिल हैं.

डॉ. निधि सक्सेना, सहायक प्राध्यापक 28-01-2013 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2009 में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय)केंद्रीय विश्वविद्यालय साइबर अपराध" से (– इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग "मानवाधिकार के आलोक में एक विधिक अध्ययन - शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में साइबर कानून, वाणिज्यिक कानून और प्रशासनिक कानून शामिल हैं.

प्रकाशन

सक्सेना, निधि

- "भारतीय पुलिस की जांच (एलजीबीटी) लैंगिक अल्पसंख्यकों - के आधार पर मानवीय दृष्टिकोण के लिए एक आह्वान" *हिदयातुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ लॉ एंड सोशल साइन्स,* खंड 1 सं .1 (2013), आईएसएसएन-2347-839X '31-45.
- "व्यापार रहस्यों और गोपनीय जानकारियों का संरक्षण : भारतीय परिप्रेक्ष्य में ट्रिप्स समझौते का अवलोकन (टीआरआईपीएस), मार्च 2012" *इंडिया इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जुरिडीकल साइन्सेज़,* खंड 1, अंक 1(2013), आईएसएसएन सं 2278-3237.

संगोष्ठीसम्मेलन/

मयंक, वीर

- 29-30 मार्च, 2014 को उपभोक्ता अध्ययन केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन सस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं के कानूनी संरक्षण हाल के दृष्टिकोण एवं बढ़ते कदम विषय पर - आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में"भारतीय वित्तीय संहिता के मसौदे के तहत उपभोक्ता संरक्षण" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 8 मार्च एवं 9 मार्च 2014 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम के सहयोग से सिक्किम सरकारी कॉलेज द्वारा सिक्किम में परिस्थितिकी पर्यटन (स्थायी) : एक कानूनी परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जैव विविधता और पर्यावरण पर्यटन : संरक्षण और विकास पर कानूनी वार्तालाप " शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 21-23 मार्च 2014 को गंगटोक में सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत में " अल्पसंख्यकों के समावेशन और विकास की प्रक्रियाविषय पर आयोजित दो " भाषिक" गोष्ठी मेंदिवसीय सं और धार्मिक अल्पसंख्यकों द्वारा शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन के मौलिक अधिकारों के संदर्भ में अलपसंख्यक शैक्षिक संस्थान अधिनियम, 2004 के लिए राष्ट्रीय आयोग के घटक "एक ढांचागत विश्लेषण -शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

भूटिया, डेंकिला

- 8 मार्च एवं 9 मार्च 2014 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम के सहयोग से सिक्किम सरकारी कॉलेज द्वारा सिक्किम में परिस्थितिकी पर्यटन (स्थायी) : एक कानूनी परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिक्किम में पारिस्थितिकी पर्यटन (स्थायी) : एक कानूनी परिप्रेक्ष्य "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

सक्सेना, निधि

- 6-10 अगस्त 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ हियालय हेरिटेज अनुसंधान एवं विकास सोसाइटी, सिक्किम, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार द्वारा आयजित "हिमालय अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव 2013" (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और हिमालय की सांस्कृतिक परम्पराओं का उत्सवमें ("भारतीय लोग और लोकगीत : एक विधिक परिप्रेक्ष्य "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 26-27 अप्रैल 2013 को विधिक अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकार विश्वविद्यालय, लखनऊ में "मानवाधिकार कानून, न्याय और शासनविषय पर " इलेक्ट्रॉनिक शासन और सेवा" आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में : मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य में एक मूल्यांकन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 8 मार्च एवं 9 मार्च 2014 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम के सहयोग से सिक्किम सरकारी विधि कॉलेज द्वारा सिक्किम में पारिस्थितिकी पर्यटन (स्थायी) : एक कानूनी परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिक्किम की परिस्थितिकी पर्यटन की नीति : पारिस्थितिकी पर्यटन के लिए सरकार के उत्तरदायित्व के आलोक में एक मूल्यांकन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

सक्सेना, निधि ने 7 जून 2014 को सिक्किम सरकारी कॉलेज के प्रेक्ष्यागृह में सिक्किम विश्वविद्यालय महिला प्रकोष्ठ द्वारा "महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध का मुकाबला" विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सूचना प्रौद्योगिकी कानून और " .दिया विषय पर व्याख्यान "महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलनव्याख्यान/

क्रम सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजक संयोजक/के नाम
1.	"एक न्यायपूर्ण समाज की संवैधानिक दृष्टि .प्रो - " सिंह द्वारा .पी.एम	शनिवार, 18 मई, 2013 नामग्याल तिब्बतीय संस्थान	विधि विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय
2.	"भारत में कानूनी शिक्षा के भविष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन"	सोमवार और मंगलवार 10 -11 जून 2013 नामग्याल तिब्बतीय संस्थान	विधि विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय
3.	अंतरमूट कोर्ट - प्रतियोगिता	27 अक्टूबर 2013.	विधि विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

मयंक, वीर ने 4 जनवरी से 31 जनवरी 2014 तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

सक्सेना, निधि ने 4 जनवरी से 31 जनवरी 2014 तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. नवल केपासवान .
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251441
मोबाइल नंबर : 91-9775996279
ईमेल आईडी : nkpaswan@cus.ac.in

संकाय विवरण

डॉ. नवल कुमार पासवान, सह प्राध्यापक 05-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2003 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "1900 से 1995 तक दक्षिण एशियाई देशों के साथ कृषि खाद्य उत्पादों में भारत का व्यापार शीर्षक शोध प्रबंध के लिए "पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे सिक्किम में खाद्य सुरक्षा एवं पूर्वोत्तर भारत में विवाद सुलझने की पारंपरिक तरीके पर शोध कार्य कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में दक्षिण एशिया और मध्य एशिया में प्राकृतिक संसाधन संघर्ष एवं प्रबंधन, संघर्ष और सहयोग और पूर्वोत्तर भारत में रणनीतिक और विकास के मुद्दे शामिल हैं.

डॉ. सेल्विन पॉल, सहायक प्राध्यापक ने 05-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2010 में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरलविकासशील समाजों/ के अध्ययन केंद्र (सीएसडीएस), नई दिल्ली से "बौद्धिक संपदा अधिकार की राजनीति : केरल के विशेष संदर्भ में जैव विविधता के एकस्वकरण, पारंपरिक ज्ञान और भौगोलिक संकेतों का अध्ययनशीर्षक " शोध प्रबंध के लिएपीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में शांति और संघर्ष के सिद्धांत एवं कानून, पारंपरिक सुरक्षा प्रवचन, और शांति के निर्माण और संघर्ष परिवर्तन शामिल हैं.

डॉ. संघमित्रा चौधरी, सहायक प्राध्यापक ने 09-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2009 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से "संघर्ष स्थितियों में महिलाएं : असम के नलबाड़ी जिले का एक अध्ययन" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लिंग और शांति निर्माण, प्रवास और तीसरी पीढ़ी के अधिकारों पर ध्यान केंद्रित मानव अधिकार शामिल हैं.

प्रकाशन

नवल केपासवान .

- **पासवान, नवल के**. एवं कैदीरोव एसमुकादिरोविच ., *आंतरिक दहन इंजन,* एपीएच पब्लिशिंग कार्पोरेशन, नई दिल्ली आईएसबीएन) : 978-93-313-1937-1; XVII + 459 पृष्ठ.(
- "भारत और श्रीलंका के बीच निवेश संबंधमुखर्जी ", इंद्र एन और कविता आयंगर द्वारा संपादित *भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक सहयोग के मजबूटिकरण में,* मंडलूयोंग

शहर : एशियाई विकास बैंक, 2013 पृष्ठ 167-218. आईएसबीएन 978-92-9254-169-9 (प्रिंट और (978-92-9254-170-5 (पीडीएफ.(

- मध्य एशिया में निवेश सहयोग : संभावनाएँ और चुनौतियां, *इंडिया क्वार्टर्ली*, जनवरी-मार्च2013 (69.1) पृष्ठ .13-33, सेज पब्लिकेशन

चौधरी, संघमित्रा

- *चीन में फालुन गोंग : अनुक्रियाएँ और प्रतिक्रियाएँ*, लैम्बर्ट अकैडमिक पब्लिशिंग, आईएसबीएन 978-3-659-33397-2, 2013.
- चौधरी संघमित्रा, "संघर्ष पाठ और प्रसंग : साहित्यिक कृतियों के माध्यम से संघर्ष का अध्ययन "*हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइंस*, खंड -3 अंक सं .1 जून 2013, पृष्ठ 24-20 (आईएसएसएन 2231-6639).
- उद्यमिता के माध्यम से सशक्तिकरण : गंगटोक, सिक्किम की महिला विक्रेताओं का एक केस स्टडी, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकनॉमिक एंड मैनेजरियल थॉट्स* (आईजेईएमटी), खंड -3 अंक सं .2, अक्तूबर - मार्च 2013, पृष्ठ 152-159 (आईएसएसएन 2229-3736).
- लैंगिक भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार : असम के अनुभव, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलॉपमेंट स्टडीज़* "2013, पृष्ठ .40-45 (आईएसएसएन .0975-5799).
- सीमांतवर्ती समाज की आवाज के रूप में लोकसंगीत : असम के गोआलपरिया लोकगीत और थाईलैंड के फ्लेंग फुए चिवित का एक तुलनात्मक अध्ययन, *द ईस्टर्न एंथ्रोपोलोजिस्ट*, सिरियल पब्लिकेशन्स, खंड 66 सं .2-3. 2013। पृष्ठ 279-291 (आईएसएसएन-0012-8686).
- असम और उत्तर बंगाल के छोटे चाय उत्पादक : एक नीति विश्लेषण, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकनॉमिक एंड मैनेजरियल थॉट्स* (आईजेईएमटी), खंड-4, अंक सं .1, अप्रैल 2013-सितंबर 2013, पृष्ठ 28-36 (आईएसएसएन 2229-3737)
- प्रहरी के माध्यम से असम के संघर्षपूर्ण क्षेत्रों में पुलिस सामुदायिक संबंध, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेव्लपमेंट स्टडीज*, पृष्ठ 32-38, 2013 (आईएसएसएन .0975-5799).
- लोककथाओं के माध्यम से नीतिवचन सीखना : 'बूढ़ी आईर साधु' - असम से दादी की कहानियाँ, भारत, पृष्ठ 61-72 . में : सोरेस, रुई जोआओ बप्तिस्ता; लौहकांगस, क्वार्टर्ली) (संपादक)2013). *6º कोलोक्यूओ इंटेर्डीसिपोलिनर सोबर प्रोवर्बिओसकहावतों / पर 6ठा अंतर्विषयक संवर्धन : एक्टस* आईसीपी 12 कार्यवाहीपोर्तुगल ., तावीरा : एआईपी-.आईएपी650 पी; 21,0 सेमी डीएल].366127/13; आईएसबीएन 978-989-96592-8-2].

- 'फकरा योजना' - भारत के पूर्वोत्तर के असमिया कहावतों के माध्यम से ग्रामीण मूल्यों का प्रतिबिम्बन, पृष्ठ 555-560 . में : सोरेस, रुई जोआओ बप्तिस्ता; लौहकांगस, क्वार्टर्ली) (संपादक)2013). *6º कोलोक्यूओ इंटेर्डीसिपोलिनर सोबर प्रोवर्बिओस /कहावतों पर 6ठा अंतर्विषयक संवर्धन : एक्टस* आईसीपी 12 कार्यवाहीपोर्तुगल ., तावीरा : एआईपी-.आईएपी650 पी; 21,0 सेमी डीएल].366127/13; आईएसबीएन 978-989-96592-8-2].

अश्वन्त कटवाल, पीएचडी स्कॉलर

"गोरखालैंड संघर्ष : सूत्र और खतरे की अनुभूति का एक विश्लेषण" 'एम सिंह (संपादक (*पूर्वोत्तर भारत में संघर्ष परिवर्तन, शांति एवं जातीय विभाजन में,* मई 2013, गुवाहाटी : कामाख्या पब्लिशिंग हाउस.

"दार्जिलिंग क्षेत्र का इतिहास : गोरखालैंड आंदोलन के आलोक के माध्यम से पुनरावलोकन " *एसकेडबल्यूसी जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेज़,* विंटर अंक, 2013-2014.

भूटिया, डिकी, पीएचडी स्कॉलर

"दार्जिलिंग जिला में लैंगिक भेदभाव और मानव तस्करी", *ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल,* खंड 2, अंक 1, आईएमआरएफ़ प्रकाशन, आंध्र प्रदेश, 2014; आईएसएसएन 2320-6942, आईएसबीएन 978-93-84124-01-4.

जयंत तामूली, पीएचडी स्कॉलर

"संघर्ष पाठ और प्रसंग : साहित्यिक कृतियों के माध्यम से संघर्षों का अध्ययन", *हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेज़,* आईएसएसएन 2231-6639, खंड 3. नंबर 1 अप्रैल 2013.

सनीता राई, पीएचडी स्कॉलर

"सिक्किम में विवाहित महिलाओं के लिए प्रथागत कानून एवं संपत्ति के अधिकार", आईसीडबल्यूई-2014 के कार्यवाही में, मार्च 07-08-2014; आईएमआरएफ़ पब्लिशिंग हाउस, आंध्र प्रदेश, भारत, 2014; आईएसबीएन 978-93-84124-00-7. संपादक.रत्नाकर विजयावाड़ा -

टिकेन्द्र छेत्री, पीएचडी स्कॉलर

- "असम के गोरखाओं पर बोडोलैंड आंदोलन का प्रभाव : चिरांग जिले का एक केस स्टडी." *पूर्वोत्तर भारत में जातीय एकीकरण : मुद्दे एवं चुनौतियाँ* में, बिन्दु रंजन चाकमा

एवं राजश्री दत्त द्वारा संपादित, एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन : 978-93-82880-64-6. दिल्ली.

- "सिक्किम के लोक संगीत समुदायों को समझना : पूर्वी सिक्किम के डामाई का अध्ययन", *जर्नल ऑफ नॉर्थईस्ट रिजन-*, (2013) खंड : 1 सं : 1, आईएसएसएन : 2321-0583.
- "अकुशल प्रवासी श्रमिक एवं श्रम क़ानूनों का उल्लंघन (आधारित श्रमिक) के साथ मानव अधिकार : पाक्योंग हवाई अड्डे के निर्माण स्थल, सिक्किम का एक केस स्टडी. *पूर्वोत्तर भारत में मानव अधिकार की स्थिति* में, ज्योतिराज पाठक द्वारा संपादित, ग्लोबल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 9789381563342.

तूलिका चक्रवर्ती, पीएचडी स्कॉलर "भारत में महिलाओं के बहिष्करण और समावेशन के बीच हिन्दू संहिता बिल की भूमिका" संशोधन, खंड 3, 2013-2014, आईएसएसएन 2245-8567.

संगोष्ठीसम्मेलन/

नवल केनपासवा . ने 6-8 मार्च 2014 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक न्यास, असम शाखा द्वारा मातृशक्ति - शांतिनिर्माण के लिए महिला शक्ति- की आवाज पर आयोजित वार्ता में महिला एव लड़कियों द्वारा शांति निर्माण के लिए" सुविधा प्रदान करने में शिक्षा एवं संस्कृति की भूमिका "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डिकी भूटिया, पीएचडी स्कॉलर ने 7-8 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय बहु विषयक शोध फाउंडेशन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा महिला सशक्तिकरण-2014 विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दार्जिलिंग जि"ले में लैंगिक भेदभाव और मानव तस्करी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

बिटू सुब्बा, पीएचडी स्कॉलर

- 12-13 मार्च 2014 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा अल्पसंख्यक एवं पूर्वोत्तर भारत पर पूर्वोत्तर भारत में अल्पसंख्यकों के समावेशन एवं विकास शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ग्रामीण सिक्किम में हकदारी योजना का विश्लेषण एवं अल्पसंख्यक संप्रदायों की महिलाएं : बौद्ध एवं ईसाई समुदाय से संबन्धित अनुसूचित जाति की महिलाओं की एक केस स्टडी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 19-21 जनवरी, 2014 को तिरुवनंतपुरम, केरल में स्थानीय स्वयं शासी (केरल सरकार) एवं केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान स्थानीय शासन के माध्यम " द्वारा (केआईएलए)

से लोकतन्त्र का मजबूतीकरणविषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " "सिक्किम में मनरेगा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

गंगा माया तामङ, एमफ़िल स्कॉलर

- 28-29 मार्च 2014 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई और जनजातीय बौद्धिक सामूहिक भारत के सहयोग से बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय राज्य और स्वदेशीजनजाति लोग/ : संवैधानिक गारंटी के दार्शनिक आधारों का पुनरावलोकनविषय " डीजोंगु के आदिम जनजाति द्वारा सिक्किम में " पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वैश्वीकरण के प्रतिरोधशीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 3-4 मार्च 2014 को राजनीति विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा पूर्वोत्तर बहरत में लिंग एव लोकतन्त्र विषय पर आयोजित और यूजीसीएसएपी द्वारा - प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिक्किम के आदिवासी समाज में महिलाओं की स्थिति" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

जमसीद जमील मीर, एमफ़िल स्कॉलर ने 21-23 फरवरी 2014 को बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण प्रौद्योगिकी और सतत विकास : चुनौतियाँ और निवारण विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण प्रदूषण और अमरनाथ तीर्थयात्रा कश्मीर के प्रबंधन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

जयंत तामूली, पीएचडी स्कॉलर

- 6-8 फरवरी 2014 को आईडीएसके एवं भारतीय मानवविज्ञान सोसाइटी, कोलकाता द्वारा समकालीन भारत में जनजाति को संकल्पना एवं संदर्भ प्रदान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में तीस्ता के योद्धा" : बांध विरोधी आंदोलन और सिक्किम की लेपचा जनजाति की पहचान पथ का अध्ययन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 21-22 नवंबर 2013 को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारत में मानव अधिकार : दलितों, जनजाति लोगों एवं अल्पसंख्यकों विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "असमिया उपन्यासों में बोडोलैंड आंदोलन के अधिकार मानव अधिकार के मुद्दे पर लेखन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9-10 अगस्त 2013 को सिक्किम विश्वविद्याल्य के साथ संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा हिमालय के जातीय समूहों के सांस्कृतिक परम्पराएँ एवं स्वदेशी ज्ञान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लोकगीत "

परंपरा एवं लिंग : असमिया लोककथाओं में महिलाओं का चित्रण "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 29-30 अप्रैल 2013 को हर्कमाया कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, गंगटोक, सिक्किम द्वारा उच्च शिक्षा विषय पर आयोजित और एनएएसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में उच्च शिक्षा : शांति एवं द्वंद्व अध्ययन पर विशेष ध्यान देते हुए : गुणवत्ता के मुद्दे और शिक्षा शास्त्र को विकसित करने की आवश्यकता "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 28 सितंबर 2013 को इतिहास एवं शांति एवं द्वंद्व अध्ययन विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा 'भारत में संघवाद, लोकतन्त्र एवं छोटे राज्यों की आकांक्षाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गोरखालैंड आंदोलन में मीडिया की भूमिका" : गोरखालैंड आंदोलन के हाल के चरणों का अध्ययन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 3-4 मई 2013 को अंग्रेजी विभाग, जेकॉलेज द्वारा पूर्वोत्तर भारत के समकालीन .बी. महिला लेखकों को पढ़ना और पुन : पठन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में द " डोर नॉट येट ओपेंड रत्न भारली तालुकदार के साहित्यिक कृतियों में विभिन्न स्तरों - पर दरकिनार किए गए महिलाओं की प्रतिनिधित्व का अध्ययनशीर्षक एक पेपर " .प्रस्तुत किया
- 31 मार्च से 1 अप्रैल 2014 तक सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय एवं भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद द्वारा संस्कृति के दर्शन विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में असम म - मौन शांतिनिर्माता"ेे शांति बनाए रखने में नामघरों की भूमिका "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

महिमा राई, एन फिल स्कॉलर ने.12 सितंबर 2013 को रजीनीति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में लन में गोरखालैंड आंदो" "महिलाओं की भागीदारीशीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

निशा राई, एम.फिल.. स्कॉलर ने 21 सितंबर 2013 को राजनीति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "गोरखालैंड आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

रेशमी लिम्बू, एम.फिल. स्कॉलर

- 3 - 4 मार्च 2014 तक राजनीति विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत में लिंग और लोकतन्त्र विषय पर आयोजित और यूजीसीएसएपी द्वारा - हिंसा के सिक्किम की महिलाओं के खिलाफ घरेलू" प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वरूपशीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 28-29 मार्च 2014 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई एवं जनजातीय बौद्धिक सामूहिक भारत के सहयोग से बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार द्वारा भारतीय राज्य और स्वदेशीजनजाति/ लोग : बोडोलैंड विश्वविद्यालय में संवैधानिक गारंटी का दार्शनिक आधारों का पुनरावलोकन विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिक्किम के लिम्बू समुदायों के बीच जातीय पहचानों का पुनरोद्धार"शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

सनीता राई, पीएचडी स्कॉलर.

- 28 मार्च एवं 29 मार्च 2014 को बोडोलैंड विश्वविद्यालय, टीआईएसएस और जनजातीय बौद्धिक सामूहिक भारत द्वारा भारतीय राज्य और स्वदेशीजनजाति/ लोग : बोडोलैंड विश्वविद्यालय में संवैधानिक गारंटी के दार्शनिक आधारों का पुनरावलोकन विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महिलाओं" के संपत्ति उत्तराधिकार की पहेली को समझने के लिए जनजातिय संस्कृति में प्रथाओं एवं परम्पराओं का एक विश्लेषण : सिक्किम की एक केस स्टडी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 07-08 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय बहु विषयक शोध फाउंडेशन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रथागत कानून और सिक्किम में विवाहित महिलाओं के संपत्ति के अधिकार"शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

सीमन्ता छेत्री, एम.फिल. स्कॉलर ने 12 सितंबर 2013 को राजनीति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार में न में मीडिया कीगोर्खालैंड आंदोल"भूमिका" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

टिकेन्द्र छेत्री, पीएचडी स्कॉलर

- 6-7 दिसंबर 2013 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र शिलांग (एनईआरसी-आईसीएसएसआर), मेघालय द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर भारत में लोकतन्त्र और विकास विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बुफर एथेनीक ग्रुप" : अंडरस्टैंडिंग एक्सजिसटेंशियलिटी ऑफ गोर्खा आइडेंटिटी इन स्पेस ऑफ एथेनीक-इन बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (एस) कॉन्टेस्टेशन, असम "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 10-11अप्रैल 2013 को पूर्वोत्तर भारत राजनीति विज्ञान संघ एवं (एनईआईपीएसए) राजनीति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम द्वारा पूर्वोत्तर

भारत में मानव अधिकारों की स्थिति विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में लॉज एंड वाइओलेशन ऑफ लेबर्स (कांट्रैक्ट्चुअल लेबर्स) अनस्किल्ड माइग्रेंट लेबर्स" व-अ-विजिज ह्यूमन राइट्स : अ केस स्टडी ऑफ पाक्योंग एयरपोर्ट कन्स्ट्रकशन साइट, सिक्किम "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

तन्मय दास, एम.फिल. स्कॉलर ने 11 मई 2014 को संस्कृति अध्ययन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित और संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रोल ऑफ ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशन इन पीस बिल्डिंग : अ स्टडी ऑफ नामघर इन असम "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

तूलिका चक्रवर्ती, पीएचस्कॉलर .डी ., ने 17 एवं 18 जनवरी 2014 को सीबेरर एवं .पी. कॉलेज.एस.ई, नागपुर द्वारा महिला, सशक्तिकरण एवं वैश्वीकरण विषय पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक्सक्लूशन ऑफ वुमेन इन हैल्थ पर्सपेक्टिव : अ केस स्टडी ऑफ वेस्ट बंगाल "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. नवल के. पासवान

- 5 सितंबर 2013 को ताशकंद) के गणराज्य प्रबंधन केंद्र "रोड ट्रेफिक सेफटि" (मार्ग संस्थान के अधीन-आटोमोबाइल, ताशकंद, उज्बेकिस्तान गणराज्य में स्टेटस " प्रस्तुति-सह-पर व्याख्यान " ऑफ ट्रेड एंड लॉजिस्टिक्स इन सेंट्रल एशियन रिपब्लिक्स .दी
- 3 सितंबर 2013 को "रोड ट्रेफिक सेफटि के "गणराज्य प्रबंधन केंद्र ताशकंद) (मार्ग संस्थान के अधीन-आटोमोबाइल, ताशकंद, उज्बेकिस्तान गणराज्य में "रीजनल ट्रांसपोर्ट कनैक्टिविटी एंड स्ट्रेटेजिस इन सेंट्रल एशिया.प्रस्तुति दी-सह-पर व्याख्यान "
- 2 अप्रैल 2013 को अर्थशास्त्र विभाग, नॉर्थवेस्ट नॉर्मल यूनिवर्सिटी, लान्सो, गांसु, प्रोविन्स, चीन में इंडियाज इकनॉमिक फ़ॉरेन पॉलिसी"एंड ट्रेड कोओपरेशन विद चाइनापर " व्याख्यान दिया जो (http : //jjxy.nwnu.edu.cn/html/ "पर उपलब्ध है.
- 3 अप्रैल 2013 को सामाजिक कार्य विद्यापीठ, सामाजिक विकास और लोक प्रशासन महाविद्यालय, नॉर्थवेस्ट नॉर्मल यूनिवर्सिटी, लान्चो, गांसु, चीन में सोशल रिलेशन एंड " .विषय पर व्याख्यान दिया "कास्ट कॉन्फ़्लिक्ट्स इन इंडिया

- 15 अप्रैल 2013 को यून्नान सामाजिक विज्ञान अकादमी, कुनमिंग, चीन में इंडियस ट्रेड " एंड इनवेस्टमेंट पॉलिसीज एंड इंडियाचाइना इक-नॉमिक रिलेशन्सविषय पर व्याख्यान " .दिया
- 15 अप्रैल 2013 को यून्नान सामाजिक विज्ञान अकादेमी, कुनमिंग, चीन में -अफगान" पाकिस्तान ट्रेंजित ट्रेड एग्रीमंट एंड इट्स इंप्लीकेशन फॉर साउथ एशियन ट्रेड कोओपरेशन.प्रस्तुति दी-विषय पर व्याख्यान सह "
- 17 अप्रैल 2013 को अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ, यून्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन में "रोल ऑफ बार्डर ट्रेड इन प्रमोटिंग इंडियाविषय "चाइना इकनॉमिक रिलेशन्स- .स्तुति दी-सह-पर व्याख्यान
- 20 अप्रैल 2013 को दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान, सिचुआन विश्वविद्यालय, चेंगदू, चीन में पाकिस्तान-नअफगा" ट्रांजिट ट्रेड एग्रीमंट एंड इट्स इंप्लीकेशन फॉर साउथ एंड सेंट्रल एशियन.प्रस्तुति दी-सह-विषय पर व्याख्यान "
- 19 अप्रैल 2013 को दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान, सिचुआन विश्वविद्यालय, चेंगदू, चीन में चाइना ट्रेड कोओपरेशन-इंडिया" : मल्टी लेवेल अप्रोचेस-विषय पर व्याख्यान " .प्रस्तुति दी-सह
- 20 अप्रैल 2013 को सिचुआन सामाजिक विज्ञान अकादमी, चेंगदू, चीन में कास्ट्स एंड " विषय पर व्याख्या "कॉन्फ़्लिक्ट्स इन इंडियास.प्रस्तुति दी-सह-
- 29 दिसम्बर 2013 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, आईआईटी पटना में र्च मेथडोलॉजीरिस" : मेथड्स ऑफ डेटा कलेक्शन" विषय पर व्याख्यान दिया.
- 23 फ़रवरी 2014 को मेफेयर रिज़ॉर्ट और स्पा, गंगटोक में रोटरी क्लब, गंगटोक द्वारा घर और पड़ोस में शांति विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "ग्लोबल पीस इंडेक्स एंड कोस्ट ऑफ वाइओलेंसशीर्षक पर मुख "्य व्याख्यान दिया.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

डॉ. सेल्विन पॉल ने अगस्त से सितंबर 2013 के दौरान अकादमिक स्टाफ कॉलेज, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 86वें अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. संघमित्रा चौधरी ने अप्रैल से मई 2013 के दौरान जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

फैलोशिपपुरस्कार/

एक छात्र ने यूजीसी जेआरएफ और दो छात्रों ने यूजीसी.नेट पास किया-

वर्ष के दौरान प्रदान की गई एमफिल डिग्रियाँ

- तेनजिन कुङ्गफेल)2011-13), "हाइड्रो पॉलिटिक्स ऑफ चाइना इन साउथ एशिया : एमर्जिंग चैलेंजेस टू इंडियापर्यवेक्षक) " : डॉ. नवल के(पासवान .
- टिकेन्द्र के) छेत्री .2011-13), "द बफरींग एथनिक आइटिटि इन असम : अ कसे स्टडी ऑफ गोर्खास इन चिराग डिस्ट्रिक्ट, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी)असम " पर्यवेक्षक बिधान गोले एवं)डॉ. नवल के.(पासवान .
- जाफेथ डारंगवान)2011-13), "एन एनालिसिस ऑफ सिक्स्थ शैड्यूल ऑटोनॉमी इन मल्टीपर्यवेक्षक) "एथेनीक नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट- : डॉ. सेल्विन पॉल.(

परियोजनाएं

- डॉ. नवल केपासवान ., सह प्राध्यापक *रोल"एंड इफेक्टिवनेस्स ऑफ पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम इन एनश्योरिंग फूड सिक्यूरिटी इन सिक्किम*) "2013-15), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित.
- डॉ. नवल केपासवान ., सह प्राध्यापक, *"इंडियासेंट्रल एशिया- : प्रोस्पेक्ट्स ऑफ स्ट्रेन्थेनिंग ट्रेड एंड इकनॉमिक पार्टनरशिप*) "2011-2013), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान : परियोजना की रिपोर्ट 24 जनवरी 2014 को जमा की गई.

राजनीति विज्ञान विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : डॉ. ओमप्रसाद गड्डे
कार्यालय फोन नंबर : 03592-227018
मोबाइल नंबर : 91-9474979304
ईमेल आईडी : opgadde@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. ओम प्रसाद गड्डे, सहायक प्रोफेसर 25-05-2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2008 में जवाहरलाल विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से "पावर सैक्टर रिफॉर्म्स इन इंडिया एंड बांग्लादेश " शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे राजनीतिक अर्थव्यवस्था और दक्षिण

एशिया क्षेत्रों में प्रवसन पर शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में ऊर्जा खंड, दक्षिण एशिया और राजनीतिक अर्थव्यवस्था शामिल हैं.

बिधान गोले, सहायक प्रोफेसर 01-07-2013 को विभाग से जुड़े. वे जवाहरलाल विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कन्स्ट्रक्शन्स ऑफ गोर्खा आइडेंटिटी" : अ केस स्टडी ऑफ द डिस्कोर्स ऑन नेशनलिटी एंड सिटिज़नशिप इन इंडिया विषय पर पीएचडी का "शोध कर रहे हैं. फ़िलहाल वे दार्जिलिंग में औपनिवेशिक शासन के इतिहास पर शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में राजनीतिक सिधान्त, सांस्कृतिक अध्ययन शामिल हैं.

संगोष्ठीसम्मेलन/

डॉ. ओम प्रसाद गड्डे ने 18-19 अक्टूबर 2013 को भूगोल विभाग, सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, तादोंग, गंगटोक द्वारा दक्षिण एशिया में मानव संसाधन की गतिशीलता : निहितार्थ, शोषण एवं उपचार विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में माइग्रेशन", रेमिटेन्स एंड पोवर्टी इन साउथ एशिया : अ कम्पैरटिव एनालिसिस "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

बिधान गोले

- 7 दिसंबर 2013 को अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग, सैंट जोसफ कॉलेज द्वारा इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण एवं विकास : भारतीय अनुभव विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हिस्टरी एंड गवर्नमेंटालिटी इन कोलोनियल दार्जिलिंग : सम थ्योरैटिकल एक्सप्लोरशन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 10 नवंबर 2013 को नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से साहित्य अकादेमी द्वारा नेपाली में उत्तर औपनिवेशिक"लेखनविषय पर आयोजित राष्ट्रीय " पोस्टकोलोनियल थ्योरी एंड सबेलटर्न स्टडीज़" संगोष्ठी में : सम थ्योरटिकल एक्सप्लोरेशन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन व्याख्यान/

क्रम सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजकसंयोजक के नाम/
1	साम्राज्यवाद के समय में कट्टरपंथी राजनीति : चुनौतियाँ और संभावनाएं	29 अगस्त 2013, सम्मेलन कक्ष, बराद सदन, सिक्किम विश्वविद्यालय	बिधान गोले जक आयो) (सचिव ओम प्रसाद गड्डे (आयोजक अध्यक्ष)
2	भारत में राष्ट्रीयता का प्रश्न	30 अगस्त, 2013 सम्मेलन कक्ष, बराद सदन, सिक्किम विश्वविद्यालय	बिधान गोले (आयोजक सचिव(ओम प्रसाद गड्डे (आयोजक अध्यक्ष)

समाजशास्त्र विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. स्वाति अक्षय सचदेवा
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251228
मोबाइल नंबर : 91-9434144111
ईमेल आईडी : sasachdeva @ cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. स्वाति अक्षय सचदेवा, सहायक प्रोफेसर 20-10-2008 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने 2006 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से "अ स्ट्रक्चरल एनालिसिस ऑफ़ भूटिया सोसाइटी एंड पोज़ीशन ऑफ भूटिया वीमेन इन सोसाइटी ऑफ सिक्किमशीर्षक शोध प्रबंध के लिए " पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लैंगिक अध्ययन, राजनीतिक समाजशास्त्र, पूर्वी हिमालय, सांस्कृतिक अध्ययन शामिल हैं.

डॉ. खङ्गेंबम इंदिरा, सहायक प्रोफेसर 29-03-2012 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2004 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से सोशल ऑर्गनाइज़ेशन एंड रिलीजन"अमंग द लोइस ऑफ मणिपुरशीर्षक शोध प्रबंध के लिए " पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में मणिपुर

के लोइस के मानव वैज्ञानिक अध्ययन (अनुसूचित जाति), शिक्षा के समाजशास्त्र, जाति एवं सामाजिक स्तरीकरण शामिल हैं.

डॉ. बीनू सुनदास, सहायक प्रोफेसर 01-10-2008 को विभाग से जुड़े. उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एड्स इन/एचआईवी"दार्जिलिंग हिल्स : एन एनालिसिस ऑफ पॉप्युलेशन डाइनैमिक्स एंड इंस्टीट्यूशनल रिस्पोंस शीर्षक शोध प्रबंध "के लिए पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में स्वास्थ्य का समाजशास्त्र, अनुसंधान प्रणाली, और विकास के समाजशास्त्र शामिल हैं.

प्रकाशन

सचदेवा, एस. ए.

- कल्चरल अण्डरस्टैंडिंग ऑफ सामखलुंग अमंग द राई कम्यूनिटी ऑफ सिक्किम. *वॉइस ऑफ इंटेलेक्चुवल मैन,* खंड 3. सं. 2 जुलाई दिसंबर-, 2013, आईएसएसएन : 2231-6914, पृष्ठ सं. 19-34.
- जेंडर्ड पार्टीसीपेशन इन द बुद्धिस्ट हिमालयाज़, सिक्किम एंड भूटान : अ कॉम्पैरेटिव स्टडी ऑन विजन्स ऑफ फीमेल पार्टीसीपेशन. *द ईस्टर्न अंथ्रोपोलोजिस्ट,* 66 (2) अप्रैल- सितंबर2913, आईएसएसएन 0012-8686, पृष्ठ -293-314.
- एजुकेशन ट्रांसफोर्मेशन एंड क्वालिटी : अ सिक्किम एक्सपिरियन्स. क्वेस्ट : *द जर्नल ऑफ विवेकानंद केंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर,* खंड. VII, सं. 1, जुलाई 2013, आईएसएसएन -0976-0040, पृष्ठ 97-113.
- वर्मा, एस. , सचदेवा, एस. ए. , एवं पांडे, वी.)2013). सुसाइड अमंग सिक्किम्स यूथ : एन एक्स्प्लोरेशन. शोर्यभूमि, *एन इंटरनेशनल मल्टीलिंगुयलरिसर्च जर्नल फॉर लैड्ग्वेज, सोश्ल साइन्स एंड कॉमर्स,* खंड 1, फरवरीअप्रैल-, आईएसएसएन : 2319-720 X. 2013

इंदिरा, खड्गेंबम

- "मॉडर्न एजुकेशन इन मणिपुर : चेलेंजेस इन प्रोवाइडिंग क्वालिटी एजुकेशन इन अ क्राइसिस सोसाइटी", *क्वेस्ट,* 7 (1) (2013) : 114-129. आईएसएसएन 0976-0040.
- "सोशल प्रॉब्लम्स अमंग द एडॉल्सेंट्स ऑफ मणिपुर : रोल ऑफ पैरेंट्स एंड टीचर्स", *जर्नल ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज़,* 4 (1) (2014) : 13-21, ओपन जर्नल सिस्टम, आईएसएसएन : 2277-6869.

सुनदास, बी.

- "अलकोहल कन्जम्पशन एंड हैल्थ कन्सिक्यून्सेस : अ स्टडी इन दार्जिलिंग हिल्स", *पब्लिक हैल्थ : डाइमेंशन्स ऑफ डेव्लपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया* में, संपादक. एस. एस. आचार्य एवं हेमखोथाँग लूंगडीम. नई दिल्ली, अकैडमिक पब्लिकेशन्स, 2013, पृष्ठ. 180-207
- "एचआईवी एड्स / स्प्रेड एंड केयर मेकैनिज़्म फॉर पीएलडबल्यूएचए इन दार्जिलिंग : हिस्टॉरिकल कांटेक्स्ट एंड रिसेंट सिनेरिओ", *पब्लिक हैल्थ : डाइमेंशन्स ऑफ डेव्लपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया* में, संपादक एस -. एस. आचार्य एवं हेमखोथाँग लूंगडीम. नई दिल्ली, अकैडमिक पब्लिकेशन्स, 2013, पृष्ठ. 298-325.
- 'ह्यूमन राइट्स कंसर्न ऑफ पीपल लिविंग विद एचआईवी"एड्स इन दार्जिलिंग/. *ह्यूमन राइट इन इंडिया : प्रॉब्लेम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स,* संपादक. पी. के. बर्मन एवं अ रजक, नई दिल्ली : न्यू अकैडमिक पब्लिशर्स, 2013, पृष्ठ 74-86.

संगोष्ठियाँ एवं सम्मेलन

डॉ. स्वाति ए. सचदेवा ने 12-16 अप्रैल 2013 को अंतर्राष्ट्रीय संबंधराजनीति विभाग/, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक के सहयोग से अहिंसक विकल्प फ़ाउंडेशनद्वारा हिमालय (एफ़एनवीए) के साथ तिब्बत के संबंध, भाग -2 विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. विन्नी बोथे के साथ संयुक्त रूप से जेंडर्ड पार्टीसिपेशन इन द बुद्धिस्ट" हिमालयाज़, सिक्किम एंड भूटान : अ कम्पैरेटिव स्टडी ऑन विजन्स ऑफ फिमेल पार्टीसिपेशन "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. खड्गेंबम इंदिरा

- 18-19 अंतुबर 2013 को बोधचंद्र कॉलेज, इम्फ़ाल में उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता : चुनौतियाँ एवं निवारण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जेंडर एंड ए"जूकेशन इन मणिपुर" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9 अगस्त 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से हिमालय हेरिटेज अनुसंधान एवं विकास सोसाइटी, सिक्किम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कल्चर एंड ट्रेडीशन : अ स्टडी ऑन शेर्पा मैरीज " शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा पड़ोसी देशों के साथ भारत की सीमाओं पर व्यापार : चुनौतियाँ एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मोरह ट्रेड" : वीमेन, लाइवलिहुड एंड सस्टनेबिलिटी "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. खड्गेंबम इंदिरा ने 20. 04. 2013 को संगाई हायर सेकेन्डरी स्कूल, मंत्रीपुखरी, इम्फ़ाल में एनसीएफ़ 2005 के संदर्भ में विद्यालयों में सामाजिक विज्ञान के शिक्षण एवं मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान दिया.

एमफिल डिग्री प्रदान

1 पीटर राई अण्डरस्टैंडिंग सब्स"टान्स एब्युज एंड इट्स कोरिलेशन विद सोशल चेंज इन सिक्किमपर्यवेक्षक) " : डॉ. बीनू सुनदास(.

2. मारिया एन लेपचा, "अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द ट्रेडीशनल हैल्थ प्रैक्टिसेस अमंग द लेपचा कम्यूनिटी इन कलिमपोंग" (पर्यवेक्षक : डॉ. बीनू सुनदास).

जीवन विज्ञान विद्यापीठ

बॉटनी विभाग

अध्यक्ष का नाम : एन सत्यनारायण

कार्यालय फोन नंबर : 03592-231270
मोबाइल नंबर : 91-8348566069
ईमेल आईडी : nsathyanarayana@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. एन. सत्यनारायण, सह प्राध्यापक 12. 04. 2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2001 में मैसूर विश्वविद्यालय से मोरस एसपी) म्यूटेशन ब्रीडिंग एंड टिशू कल्चर स्टडीज इन मूलबेरी". शीर्षक शोध प्रबंध के लिए "(पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे उपयोगाधीनऔषधीय लेज्यूम / पीएस. के प्रजनन में सहायक जीनोमिक्स पर शोध कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में पादप आण्विक जीवविज्ञान और जीनोमिक्स शामिल हैं.

डॉ. धनी राज छेत्री, सह प्राध्यापक 07-05-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2004 में बर्द्धमान विश्वविद्यालय से -इनोसिटोल-म्यो-रिफिकेशन ऑफ एलपारशल प्यू"1-फॉस्फेट सिन्थेज फ्रॉम डाईप्लोप्टेरीजियम ग्लौकम थौंब). शीर्षक शोध प्रबंध "नकई (के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे औषधीय पौधों और पादप जैव रसायन पर शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में पादप जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय पौधों और संयंत्र अजैव तनाव शामिल हैं.

डॉ. संतोष कुमार राई, सहायक प्रोफेसर ने 29-05-2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2004 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से स्टडीज ऑन द एथ्नोबॉटनी ऑफ"दार्जिलिंग हिमालया " शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में एथ्नोबॉटनी एवं दार्जिलिंग सिक्किम हिमालय की औषधीय पौधे शामिल हैं.

डॉ. सुश्री एन. बिजयालक्ष्मी, सहायक प्रोफेसर 02-07-2012 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने 2006 में मणिपुर विश्वविद्यालय से लिटरफल", लिटर डीकॉम्पोजीशन एंड सॉइल माइक्रोबियल बायोमास डाइनैमिक्स इन द मिक्स्ड ओक फॉरेस्ट एट लंगोल हिल रेंज, मणिपुरशीर्षक शोध प्रबंध के " लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे पारिस्थितिकी के क्षेत्रों में शोध कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में वन पारिस्थितिकी और पादप मिट्टी का संबंध शामिल हैं.

प्रकाशन

शिवकामेश्वरी, एम. एन. , **सत्यनारायण, एन**. , लीलाम्बिका. एम, हरिणी एस एस, गीथा, एच. एल. जिनैटिक डाइवर्सिटी इन पॉप्युलेशन्स ऑफ *अर्जेनिया इंडिका* कूंथ लिलिय)ाकेईयूजिंग (साइटोलॉजिकल एंडमोलीक्युलर मार्कर्स. *एशियन अकैडमिक जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लिनरी,* 19 (1), 2013 : 85-115

छेत्री, धनी राज और लामा सुजान. "चिलिंग एंड सेलिनिटी इनड्यूस्ड मेटाबॉलिक रेस्पोंसेस इन डिफ़्रेंट कल्टीवर्स ऑफ *विग्ना अंबेल्लता टी*". *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड सोशल साइन्स रिसर्च.* 2 (2013) : 1-8

छेत्री, धनी राज. "हू इज़ वोरिड एबाउट द लॉस ऑफ बायोडाइवर्सिटी एंड मेडिसिनल प्लांट्स इन दार्जिलिंग हिमालया?" *प्रबुद्ध* में, संपादक. के. सुब्बा, एसपीएसएनएस, दार्जिलिंग)2013)

राई, एस. के और भुजेल, सर्वे ऑन एथ्नोवेटेरिनरी प्लांट्स ऑफ दार्जिलिंग हिमालया, इंडिया. *प्लेओन,* 7 (2), 2013 : 508-513.

देवी, एन. बिजयालक्ष्मी

- रिचुअल प्लांट्स यूज्ड बाय द मैटेई कम्यूनिटी ऑफ मणिपुर, नॉर्थ ईस्ट इंडिया. एनईबायो, 4 (3), 2013 : 32-35.
- वैल्यूइंग इकोसिस्टम सर्विसेस ऑफ सिक्किम हिमालयाज़. *इकोलॉजी एनवायरनमेंट कॉन्जर्वेशन*, 19(4), 2013 : 1089-1091
- *इकोलॉजिकल डाईनेमिक्स ऑफ अ मिक्स्ड ओक फॉरेस्ट ऑफ नॉर्थईस्ट इंडिया.* लैम्बर्ट अकैडमिक पब्लिशिंग जर्मनी, 2013, आईएसबीएन सं. 9783659395048.

संगोष्ठी/ सम्मेलन

एन सत्यनारायण ने 3-5 अक्टूबर 2013 को नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक में 'औषधीय पादप अनुसंधान में नई सीमाएं' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए आयोजित विशेष बैठक में एरियाज " रिक्यूयरिंग आर एंडडी इंटर्वेन्शन फॉर हाइ यील्ड एंड क्वालिटी रॉ मैटेरियल प्रॉडक्शन फ्रॉम मेडिसिनल प्लांट्स" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

बिमल कुमार घिमिरे, एन. बिजयालक्षमी एवं **संतोष कुमार राई** ने 3-5 अक्टूबर 2013 को नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक में औषधीय पादप अनुसंधान में नई सीमाएं पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए आयोजित विशेष बैठक में "एडवेंटियस शूट रिजेनेरेशन वाया डाइरैक्ट अर्गेनोजेनेसिस फ्रॉम द लीफ़ एक्सप्लांट ऑफ मेलस्टोमा मेलबेट्रीकम लिनशीर्षक से एक " पोस्टर प्रस्तुत किया.

पूरन छेत्री और **एन. बिजयालक्ष्मी देवी** ने 3-5 अक्टूबर 2013 को नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक में औषधीय पादप अनुसंधान में नई सीमाएं पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए आयोजित विशेष बैठक में ट्रेडीशनल रिमेडी एज़" अ रिमेडी टु ट्रीट कॉमन ऐलमेंट्स बाइ द सिक्किमीज़ पीपलशीर्षक " से एक पोस्टरप्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. एन सत्यनारायण

- बौद्धिक संपदा अधिकार, सिक्किम सरकारी कॉलेज, तादोंग, 13 मार्च 2014.

- डीएनए अनुक्रमण तकनीक, विज्ञान केन्द्र, सिक्किम राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, मरचक, सिक्किम, 19 सितम्बर 2013.

आयोजित संगोष्ठीनव्याख्या/सम्मेलन/

क्रम सं. बेच	विषय	तिथि और स्थान	आयोजकसंयोजक के नाम/
1	औषधीय पौधे शीर्षक : औषधीय पौधों का अनुसंधान राष्ट्रीय संगोष्ठी और एवं पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण पर विशेष बैठक	03-05 अक्टूबर, 2013 नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक	आयोजक सचिव : एन सत्यनारायण संयोजक : धनी राज छेत्री आयोजन समिति के सदस्य : संतोष कुमार राई, एन बिजयालक्ष्मी देवी और अरुण छेत्री
2.	जैविक विज्ञान में फ्रंटियर्स	15 नवम्बर 2013 चिंतन इमारत, गंगटोक	संयोजक : एन सत्यनारायण सहायक संयोजक : संतोष के. राई सदस्य : धनी राज छेत्री, एन. बिजयालक्ष्मी देवी

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

i. **डॉ. संतोष कुमार राई** ने 10 जून से 6 जुलाई 2013 तक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला एच). पी. द्वारा आयोजित (अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

ii. **डॉ. एन बिजयालक्ष्मी देवी** ने 10 से 30 जनवरी 2014 तक मणिपुर विश्वविद्यालय में "जीवन विज्ञान के क्षेत्र में हाल के रुझानविषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में " भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

क. थर्मो डबल बीम यूवी वीज-स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

ख. पेक स्टार पीसीआर थर्मल साइक्लर
ग. थर्मो -200सी डीप फ्रीजर
घ. हरमल कूलिंग सेंटरीफ्यूज

वर्ष के दौरान विभाग से जुड़े हस्ताक्षरित सहयोगसमझौता ज्ञापन/

21 जनवरी 2014 को वैज्ञानिक सहयोगिता एवं बॉटनी विभाग की पहल से प्रशिक्षण के लिए सिक्किम विश्वविद्यालय और सर एम. विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी संस्थान के बीज एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया.

उद्यानिकी विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. एस. मनिवन्णन
कार्यालय फोन नंबर : 03592- 250060
मोबाइल नंबर : 91- 7602878189
ईमेल आईडी : horticulture@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. एस. मनिवन्णन, सह प्राध्यापक 30-04-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2002 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से "वेरिएशन इन लीफ नुट्रींट्स स्टैंडर्डस एज़ अफेक्टेड बाइ वेरिंग लेवेल्स ऑफ एन, पी,के. मेथड एंड टाइम ऑफ एप्लिकेशन एंड सैंपलिंग टैक्नीक्स इन किन्नोव" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे पारंपरिक एवं जैविक दोनों रूपों से विकसित उद्यानिकी फसलों के आईनोमिक और मेटाबोलोमीक रूपरेखा बनाने का कार्य कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में फल, मसाले और बागानी फसलों का अनुसंधान शामिल हैं.

डॉ. सुजाता उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर 20-07-2010 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2009 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी उ). प्र. (से माइक्रोप्रोपोगेशन ऑफ स्वीट ऑरेंज" सिट्रस स)ीनेनसिस एल. ओस्बेकयानि मोसम् (मी शीर्षक शोध प्रबंध के लिए "पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे सिक्किम के देशी फसलों के प्रचार, पोषण एवं पोस्टहार्वेस्ट के अध्ययन कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में फल विज्ञान और प्लान्ट टिशू कल्चर शामिल हैं.

डॉ. मंजू राणा, सहायक प्रोफेसर 03-08-2009 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2009 में जी. बी. पंत कृषि एवं प्रद्यौगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर से इफैक्ट ऑफ बायोस्टिमुलेंट्स" एंड बायोफर्टिलाइजर्स ऑन ग्रोथ, फ्लावरिंग एंड फिजियोकेमिकल प्रोपर्टीज़ ऑफ रोज- सीवी. लहर " शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की.

डॉ. डी. प्रताप, सहायक प्रोफेसर 30-04-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2010 में लखनऊ विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ से "मौलीक्युलर कैरक्टराईजेशन ऑफ अ कुकुमोवाइरस कजिंग फर्न लीफशोस्ट्रिंग इन टोमॅटो एंड डेव्लपमेंट / ऑफ रेजिस्टेंस इन टोमॅटो प्लांट्स यूटिलाईजिंग वाइरल केप्सिड प्रोटीन जीनशीर्षक शोध " प्रबंध के लिए पी. एचडी की उपाधि प्राप्त की. फ़िलहाल वे पूर्वोत्तर भारत में उद्यानिकी फसलों को प्रभावित करनेवाले आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वायरस के आणविक लक्षणों के वर्णन एवं वायरल रोगों के प्रबंधन के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल और लागत प्रभावी निदान कीट के विकास पर शोध कर रहे हैं.

डॉ. नीलाद्री बाग, सहायक प्रोफेसर 04-07-2011 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2002 में एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड से मास प्रोपगेशन ऑफ टी", मग्गर बैम्बू एंड देव"रिंजल- शीर्षक शोध प्रबंध के लिए डी. फिल की उपाधि प्राप्त की. फ़िलहाल वे महत्वपूर्ण उद्यानिकी पौधों के इन विट्रो प्रोटोकॉल के मानकीकरण के कार्य में व्यस्त हैं.

डॉ. अरुण छेत्री, सहायक प्रोफेसर 04-07-2011 को विश्वविद्यालय से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय से इफैक्ट ऑफ फॉरेस्ट फ्रेग्मेंटेशन ऑन वसक्यूलर प्लांट " डाइवर्सिटी इनकंचनजंघा बायोस्फेयर रिजर्व, सिक्किम विद एम्फेसिस ऑन रिजेनेरेशन ऑफ इंपोर्टेंट टेक्सा" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे पादप विविधता आध्यान, पादप वितरणात्मक मॉडेलिंग एवं लुप्तप्राय पौधों के संरक्षण पहलुओं का आध्यान कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आवृत्तबीजी वर्गीकरण, पारिस्थितिकी और जैव संरक्षण शामिल है.

प्रकाशन

बाग ए, **बाग एन.** 2014. ए, बाग, एन 2014. ह्यूमन मैंगनीज सुपरऑक्साइड दिसम्यूटेस टार्गेट सिक्यूएन्स पॉलीमोर्फिम एंड ओवेरियन कैंसर. *अनल्स ऑफ मेडिकल एंड हैल्थ साइन्सेज़ रिसर्च,* 4 : 69-70.

बाग ए. , पंत एन. के. , जीना, एल. एम. , **बाग एन. ,** ज्याला एन. एस. 2013. जीएसटीटी 1 नल, एमपीओ -463 जी>*ए पॉलीमोर्फिज्म्स एंड कार्बोप्लेटिन टॉक्सिसिटी इन एन इंडियन*

पॉप्युलेशन. एशियन पीएसी जे कैंसर प्रिव्यू, 14 4739-42. एशियाई पीएसी जम्मू कैंसर प्रि. , 14 : 4739-42.

बाग एन. और पालनी एल. एम. एस. 2013. सीड जर्मिनेशन स्टडीज ऑफ देव रिंजल- *थेम्नोकेलामस स्पेथीफ्लोरस*)ट्रिन. मुनरो (: अ टेम्परेट बाम्बू. इंडियन फोरेस्टर 139 (7) : 610 -614 भारतीय वनपाल 139 (7) : 610-614.

छेत्री, अरुण और बारिक, एसके. असेसिंग एथ्नोबॉटनीकल वैल्यू एंड थ्रिट स्टेटस ऑफ *टेट्रास्टिग्मा रियूमीसीस्पेराम* प्लांच (लॉसन), अ लेसर नोन लियाना स्पेसिस ऑफ कंचनजंघा बायोस्फेयर रिजर्व, सिक्किम", *इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज,* 12 (2), (2013) : 339-341.

ईटू हमीलदुल्लाह, श्यामल एम एम. , **उपाध्याय सुजाता,** आहूजा प्रीति एवं मिर एच.)2013) *इन विट्रो* प्लांट रिजेनेरेशन ऑफ ग्रेप सीवी. पर्लेट्टे थ्रू अक्जिलेरी बड एंड शूट टिप एक्सप्लांट्स. *इंडियन जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर.* , 70 (2) : . जून 2013, पृष्ठ 185-189.

मंडल, डी, पांडा ए. के. और **राणा एम**. , 2013. मेडिसिनल प्लांट्स यूज्ड इन फोक मेडिसिनल प्रैक्टिस अवैलेबल इन रिच बायोडाइवर्सिटी ऑफ सिक्किम. *एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी,* 31 (3) : 1445-1449.

महापात्र आर. , बिरतिया एस. , **बाग एन. ,**एवं छेत्री ए.)2013) डीकॉम्पोजीशन ऑफ टोटल फेक्टर प्रोडक्टिविटी चेंज इन टेमी टी इस्टेट : अ मल्मकुईस्ट प्रोडक्टिविटी इंडेक्स अप्रोच, *इंटरनेशनल जर्नल. सीयूआर. टीआर. आरईएस.* , 2(1) : 236-244

पांडे एस. के. हेमंतरंजन ए. , श्रीवास्तव जे. पी. और **उपाध्याय सुजाता**) 2013) इफैक्ट ऑफ ज़िंक कंटैंट एंड एंटिऑक्सीडेंट सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस लेवल इन मूंगबीन अंडर इनड्यूस्ड सेलिनिटी कंडिशन्स. नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन प्लांट फिजीओलॉजी ऑन "करेंट ट्रेंड्स इन प्लांट बयोलॉजी रिसर्च", *जुंगढ़,* दिसंबर 13-16, 2013, पृष्ठ 703-704.

उपाध्याय सुजाता)2013). सजेस्शन्स ऑन इम्प्रूव्ड प्लांट प्रोटेक्टशन मिजर्स अंडर ओर्गेनिक फ़ार्मिंग कंडिशन्स. *आईएमआई सस्टेनेबल माउंटेन डेव्लपमेंट समिट -3,* कोहिमा,के *कार्यवाही में* प्रकाशित शोध लेख सितंबर 25-27,2013.

संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. अरुण छेत्री

- 16-17 जनवरी 2014 को कोलकाता में जैव विविधता पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में " फॉरेस्ट रिसोर्सेज़, विलेज लाइवलीहूड एंड डॉक्यूमेंटेशन ऑफ इंपोर्टेंट प्लेसेस इन द फ्रिंज एरियाज ऑफ पांगोंलखा वाइल्डलाइफ सेंचुरी, सिक्किम, इंडियाविषय पर " मौखिक प्रस्तुति दी.
- 3-4 अक्तूबर 2013 सिक्किम विश्वविद्यालय में 'औषधीय पादप अनुसंधान की नई सीमाएं' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन तथा पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए औषधीय पौधों पर आयोजित विशेष बैठक में "प्रेडिक्टिव डिस्ट्रिब्यूशनल मॉडलिंग ऑफ पिक्रोर्हिजा कुरोआ, अ थ्रीटेंड मेडिसिनल प्लांट स्पेसिज इन सिक्किम हिमालयाविषय पर मौखिक प्रस्तुति दी ".
- 9 अप्रैल 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय में भारतीय चाय के वर्तमान परिदृश्य के संदर्भ में चाय संस्कृति और विज्ञान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में डाइवर्सिटी एंड मेनेजमेंट" ऑफ वीड्स इन टेमी टी गार्डेन, साउथ सिक्किमविषय पर " मौखित प्रस्तुति दी.

बाग एन. और छेत्री अरुण)2013) , "माइक्रोप्रोपागेशन ऑफ टी टूवर्ड्स सप्लाइ ऑफ लार्ज नंबर ऑफ प्लांट्स टु द इंडस्ट्री. भारतीय चाय के वर्तमान परिदृश्य के संदर्भ में चाय संस्कृति और विज्ञान विषय पर 9 अप्रैल 2013, उद्यानिकी प्रबंधन एवं अध्ययन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में,

पांडे ए, पालनी एल. एम. एस, **बाग एन.** और सिंह शिप्रा)2013), "ओर्गेनिक टी इन इंडिया : द स्कोप एंड पॉसीबीलिटीज", भारतीय चाय के वर्तमान परिदृश्य के संदर्भ में चाय संस्कृति और विज्ञान विषय पर 9 अप्रैल 2013, उद्यानिकी प्रबंधन एवं अध्ययन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में,

डॉ. डी. प्रताप ने 3-5 अक्तूबर 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा औषधीय पादप अनुसंधान में नई सीमाओं पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में स्टडी ऑफ वाइरसेस " रिस्पंसिबल फॉर द फूर्की एंड छिर्के डिजिज़ऑफ लार्ज कार्डामोम इन नॉर्थईस्ट इंडियाविषय " पर एक मौखित प्रस्तुति दी.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. एस. मनिवन्णन

- 26 और 27 नवंबर 2013 को एफ़एस एवं एएसएस, सिक्किम एवं मैनेज, हैदराबाद द्वारा एसआईआरडी, कर्फ़ेक्टर में "प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इन एग्रिकल्चरल रिसर्च एंड मोटिवेशन

फॉर द वुमेन एक्सिक्यूटिव ऑफ एग्रिकल्चर एंड अलाइड सैक्टर्सविषय पर व्याख्यान " दिया.

- 18 मार्च 2014 को गंगटोक में भारत के राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा उपयोग और लाभ साझा करने के लिए जैव संसाधनों का आर्थिक मूल्यांकन पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यशाला में रिसर्च इनिशिएटिव्स इन इंडिजेनस जर्मप्लाज्म ऑफ " सिक्किम टूवर्ड्स नॉलेज जेनेरेशन एंड कॉमर्सियलाईजेशन विषय पर एक "व्याख्यान दिया.

डॉ. एस. उपाध्याय ने 16 जुलाई 2013 को "वाणिज्यिक फ्लोरीकल्चरपर आयोजित एक " सप्ताह के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रेजेंट सिनेरिओ एंड एक्सपोर्ट पोटैन्श्यल ऑफ फ्लॉरिकल्चर इन इंडिया; ज्योग्राफीकल डिस्ट्रिब्यूशन, डेस्क्रिप्शन ऑफ मेजर फ्लावर क्रॉप्स; जनरल प्रैक्टिसेज ऑफ मेजर फ्लावर क्रॉप्स ; और जनरल प्रैक्टिसेज ऑफ कल्टीवेशन ऑफ मेजर फोलिएज एंड अर्नामेंटल प्लांट्स शीर्षक से व्याख्यानों की एक श्रृंखला (चार व्याख्यान) दी.

आयोजित सेमिनारव्याख्यान/सम्मेलन/

क्रम सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजकसंयोजक के नाम/
1	चाय संस्कृति और विज्ञान : भारतीय चाय के वर्तमान परिदृश्य के विशेष संदर्भ में विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन	9 अप्रैल 2013	बागान प्रबंधन और अध्ययन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय आयोजन समिति के सदस्य : अरुण छेत्री
2.	किवीफ्रूट पूर्वोत्तर -की एक उम्दा फसल और पॉली हाउस की शर्त के तहत स्ट्रॉबेरी की खेती.	13/09/2013 उद्यानिकी विभाग	डॉ. एस. मनिवन्णन और डॉ. एस. उपाध्याय
3.	औषधीय पौधों अनुसंधान की नई सीमाएं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पूर्वी हिमालय में आजीविका सुरक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए औषधीय पौधों विषय पपर विशेष बैठक	03-05 अक्टूबर, 2013 नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक	आयोजन समिति के सदस्य : अरुण छेत्री

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

डॉ. मंजू राणा ने जुलाई 3 से 30 जुलाई 2013 तक यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. मंजू राणा ने 10 दिसंबर से 30 दिसंबर 2013 तक उद्यानिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय, जी. बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा "हाईटेक टेक्नालजीज फॉर - एनहेनसिंगप्रोडक्टिविटी, न्यूट्रिशनल क्वालिटी एंड वैल्यू एडिशन इन फ्रूइट्स एंड फ्लावर प्रॉडक्शन" विषय पर आयोजित विंटर स्कूल में भाग लिया.

डॉ. एस. उपाध्याय ने 05 फरवरी से 25 फ़रवरी 2014 तक अकैडमिक स्टाफ कॉलेज, बी. एच. यू. , वाराणसी में कृषि विज्ञान में आयोजित 11वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

फ्लो इंजेक्शन एनालाइजर, डेटा प्रबंधन प्रणाली के साथ ट्रिनोंकूलर माइक्रोस्कोप.

परियोजनाएं

डॉ. एस. मनिवन्णन, सह प्राध्यापक और प्रधान अन्वेषक

शीर्षक : सिक्किम, भारत में हेडाइचिउम गार्डेनेरीयनम, एच. फ्लेवसिंस और एच. कोरनेरियाम आक्रामक प्रजातियों के संभावित जैव नियंत्रण.
परियोजना अवधि : जुलाई 2013 से दिसंबर 2014 तक
धन के स्रोत : सीएबी इंटरनेशनल

डॉ. डी. प्रताप, सहायक प्रोफेसर और प्रधान अन्वेषक

शीर्षक : पूर्वोत्तर भारत में बड़ी इलायची के छिर्के और फूर्की रोग से संबन्धित वायरस के आण्विक लक्षणों का वर्णन "
परियोजना अवधि : 2013-16
धन के स्रोत : विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (सर्ब), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. हरे कृष्ण तिवारी
कार्यालय फोन नंबर : 03592-232085
मोबाइल नंबर : 91-9734445746
ईमेल आईडी : hktiwari@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. ज्योति प्रकाश तामङ, प्राध्यापक 14-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1992 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से "स्टडीज़ ऑन द माइक्रोफ्लोरा ऑफ सम ट्रेडीशनल फरमेंटेड फूड्स ऑफ द दार्जिलिंग हिल्स अँड सिक्किम शीर्षक शोध प्रबंध एक लिए "पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे माइक्रोबियल विविधता की संस्कृति आधारित और संस्कृति स्वतंत्र तकनीकों के माध्यम से हिमालय के किण्वित खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों के सूक्ष्म जीव विज्ञान के अध्ययन में व्यस्त है और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान और माइक्रोबियल विविधता शामिल हैं.

डॉ. हरे कृष्ण तिवारी, सह प्राध्यापक 12-03-2012 में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2007 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से "स्टडीज़ ऑन स्टेफ्यलोकोकी : जिनोटाइपिक एंड फेनोटाइपिक कैरक्टराईजेशन शीर्षक शोध प्रबंध के लिए " पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे ग्रेस्ट्रोइंटेस्टीनल ट्रैक्ट और यूरिनरी ट्रैक्ट रोगजनकों के अध्ययन से जुड़े हुए हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में नैदानिक सूक्ष्म जीव विज्ञान और नैदानिक आण्विक जीवविज्ञान शामिल हैं.

डॉ. बिमला सिंह, सहायक प्रोफेसर 01-10-2008 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2008 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से केमोमोड्यूलेटोरी पोटैन्श्यल ऑफ"ट्रेचीस्पेर्मम अम्मी एंड फोनिक्यूलम वल्जर ऑन म्युरिन स्किन एंड फोरेस्टमक पेपिल्लोमेजेनेसिस शीर्षक शोध " प्रबंध के लिए वह पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे हर्बल पौधों के रोगाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों का अध्ययन कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में हर्बल पौधों के रोगाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण, पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान और कैंसर केमोप्रिवेंशन शामिल हैं.

डॉ. बुद्धिमान तामङ, सहायक प्रोफेसर 01-10-2008 में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2007 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से रोल ऑफ लैक्टिक एसिड"बैक्टीरिया इन फ़र्मेंटेशन एंड बायो- बंध के लिएशीर्षक शोध प्र "प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रेडीशनल वेजीटेबल प्रॉडक्ट्सपीएचडी प्राप्त की.

फ़िलहाल वे लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों पर शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान शामिल हैं.

डॉ. नागेन्द्र ठाकुर, सहायक प्रोफेसर 13-10-2008 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2006 में लुडविग मैक्समिलियन विश्वविद्यालय, म्यूनिख, जर्मनी से फंकशनल कैरक्टराईजेशन ऑफ द"40 बीपी इंटर्नल रिपीट ऑफ म्युरिन गममा हर्पेसवाइरस-69" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे सिक्किम के एक्सट्रेमोफिल्स थर्मो)फिल्स और साइक्रोफिल्स के (अध्ययन कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी और विषाणु विज्ञान शामिल हैं.

प्रकाशन

गजमेर, वी. आर. , नजर, आई. एन. , हेमंत. , पी. और **ठाकुर, एन.** प्रिवेलेंस ऑफ लिवर डिजिसेज इन सिक्किम एंड इट्स असोशिएटेड रिस्क फेक्तर्स. *द जर्नल ऑफ पब्लिक हैल्थ, फोटोन* 115 : (2013) : 140-146 .

ठाकुर, एन. , दास, एस. , शेरपा, एम. टी और रंजन, आर. जीपीएस मैपिंग एंड डेस्क्रिप्शन ऑफ पोलोक, बोरोंग एंड रेशी टाटोपानी - हॉट स्प्रिंग्स ऑफ सिक्किम. *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अकैडमिक रिसर्च फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी* (जेआईएआरएम) 1(10), (2013), 637-648. आईएसएसएन 23205083.

नजर, आई. एन. , सचदेवा, एस और **ठाकुर, एन.** प्रिवेलेंस एंड रिस्क फेक्टर्स असोशिएटेड -विद वैरियस टाइप्स पीएफ़ डीजीजेस इन सिक्कि. *जर्नल ऑफ कम्यूनिटी एंड हैल्थ एजूकेशन,* 3 (245). (2013).

खरेल, एन. , पालनी, यू. और **तामङ, जे. पी.**)2013) एथनिक स्ट्रीट फूड्स सोल्ड इन गंगटोक एंड नैनीताल टाउन्स ऑफ इंडिया, *जर्नल ऑफ हिल रिसर्च,* 26 (1 और 2) : 64-87

योनजन. एच. और **तामङ, जे. पी.**)2013) ऑप्टिमाइजेशन ऑफ ट्रेडीशनल प्रोसैसिंग ऑफ सेलरोटी, अ पॉप्युलर केरियलफूड बेस्ड फ़र्मेंटेड-. *जर्नल ऑफ साईंटिफ़िक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च,* 72 : 43-47.

तामङ, जे. पी.)2014). बायोकेमिकल और मॉडर्न आईडेंटिफिकेशन टैक्नीक्स माइक्रोफ्लोरस - ऑफ फ़र्मेंटेड फूड्स : एनसाईक्लोपीडिया ऑफ फूड माइक्रोबायोलॉजी, द्वितीय संस्करण संपादक) : सी. एवं टोर्टोरेलो, एम. ए. (एलसिविएर लिमिटेड, ऑक्सफोर्ड, पृष्ठ 250-258.

घोष, ए. एन. , भट्ट, डी. आर. , अंसारी, एम. टी. **तिवारी, एच. के. ,** मथुरिया, जे. पी. , गौर, ए. , सुप्रम, एच. एस. , और गोखले, एस. एप्लिकेशन ऑफ डबल्यूएचओएनईटी इन एंटिमाइक्रोबियल " सरेजिस्टेंस सर्वेलेंस ऑफ यूरोपेथोजें : अ फ़र्स्ट यूजर एक्सपिरियन्स फ्रॉम नेपाल". *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डाएग्नोस्टिक रिसर्च*, 2013, 7 (5) : 845-848.

भट्टाचार्य , ए. , चन्द्र , ए. के. ,**तिवारी, एच. के. ,** मलिक, टी. और चिरंजीत. एम. "सीरम थाइरोग्लोबुलिन एंटिबॉडी लेवेल्स (टीपीओ-एंटी) एंड थाइरोपेरॉक्साइदेस एंटीबॉडी (टीजी-एंटि) इन स्कूल चिल्ड्रेन फ्रॉम गोइटर एंडेमिक सब हिमालयन तराई-रिजन ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश, इंडिया "*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड हैल्थ साइन्सेज़*, 2013, 2(1) : 149-153.

संगोष्ठी / सम्मेलन

डॉ. हरे कृष्ण तिवारी

- 14 मार्च 2014 को सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी" माइक्रोबियल वर्ल्ड 2014" पर आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर सत्र में "प्रिवेलेंस ऑफ ह्यूमन बैक्टीरियल गेस्ट्रोइंटेस्टीनल पैथोजेंस फ्रॉम सिक्किम एंड नॉर्थ बंगाल "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

प्रो. ज्योति प्रकाश तामङ

- 15-16 अप्रैल 2013 को के छात्रों सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित यूजीसीन में विशेष व्याख्या- पीएचडी के छात्रों को "फ़र्मेंटेड फूड्सविषय पर व्याख्यान दिया ".
- 17 अप्रैल 2013 को भारतीय कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित व्याख्यान में "मौलीक्युलर टूल्स एंड फंकशनेलिटी इन फ़र्मेंटेड फूड्स " विषय पर व्याख्यान दिया औरपीएचडी के छात्रों के साथ वार्तालाप किया.
- 14 मार्च 2014 को सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा सूक्ष्मजीव विज्ञान पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में फ़र्मेंटेड फूड्स"ऐज़ हब फॉर माइक्रोबायोटा एंड माइकोबायोटापर विस्तृत व्याख्यान दिया ".

आयोजित संगोष्ठीव्याख्यान/सम्मेलन/

क्रम सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजकसंयोजक के नाम/
1	"विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सीमाएं : एकीकृत जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीवविज्ञान"	24 -25 मई 2014, सिक्किम विश्वविद्यालय, तादोंग	प्रो. जे. पी. तामङ

फैलोशिपपुरस्कार/

दो छात्रों ने आईसीएआरनेट- पास किया, एक ने राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप, एक ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप प्राप्त किया, एक ने गेट परीक्षा और एक ने स्लेट परीक्षा पास की.

वर्ष के दौरान प्रदान की गई एमफिल डिग्रियाँ

- सुश्री रंजीता राई, "एप्लिकेशन ऑफ हेजर्द एनालिसिस एंड क्रिटिकल कंट्रोल पॉइंट सिस्टम इन प्रॉडक्शन ऑफ (एचएसीसीपी)सिनेमा, फ़र्मेंटेड सोयाबीन फूड". प्रो ज्योति प्रकाश तामङ (पर्यवेक्षक(.
- सुश्री वर्षा रानी गजमेर द स्टडी ऑफ ह्यूमन गेस्ट्रोइंटेस्टीनल पैथोगेन्स" फ्रॉम सिक्किम अँड नॉर्थ बंगाल". और उत्तर बंगाल से मानव गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगज़नक़ों का अध्ययन". डॉ. हरे कृष्ण तिवारी (पर्यवेक्षक).
- श्री रंजन कौशल तिर्वा "अ स्टडी ऑन द इफैक्ट एंटीबीओटिक एक्सपोजर ऑन गुट- "माइक्रोबायोटा ऑफ हेल्डी इंडिविज्यूएल्स डॉ. बुद्धिमान तामङ (पर्यवेक्षक(.
- सुश्री भूमिका पौड्याली इवैल्यूएशन ऑफ एंटीबैक्टीरियल एंड एंटीऑक्"सीडेंट प्रॉपर्टिज ऑफ त्रिपुरा न्यूटन्स, टेक्टेरिया मैक्रोडोनिटा एंड लैपोर्टि टर्मिनल्स" डॉ. बिमला सिंह (पर्यवेक्षक).
- श्री इश्फ़ाक नबी नजर माइक्रोबायोलॉजिकल एंड फिजियोकेमिकल स्टडी ऑफ यूमटांग " (टाटोपानी) गहॉटस्प्रिं ऑफ सिक्किम", डॉ. नागेन्द्र ठाकुर (पर्यवेक्षक).

पोस्ट-डॉक्टोरल फैलो

- डॉ. रक्षक आचार्य : यूजीसी - डॉ. प्रो ज्योति प्रकाश तामङ के अधीन तीन वर्ष)2013-2016) के लिए डी एस कोठारी पोस्ट-डॉक्टोरल फैलोशिप. पोस्ट-डॉक शोध कार्य का शीर्षक ऑफ बैक्टीरियल डाइवर्सिटी स्टडी" - फ्रॉम ईस्ट राठोंग ग्लैसियर ऑफ सिक्किम एंड बायोप्रोस्पेक्टिंग- फॉर कोल्ड एक्टिव एंजाइम फ्रॉम द असोशिएटेड कल्चरेबल बैक्टीरिया".
- डॉ. रंजन छेत्री : प्रो ज्योति प्रकाश तामङ के अधीन तीन वर्षीय (2013-2016) के लिए जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान में डीबीटी रिसर्च एसोसिएटशिप कार्यक्रम. पोस्ट-डॉक शोध कार्य का शीर्षक : ऑप्टिम"ाइजेशन ऑफ द कल्चर कंडिशन्स फॉर द प्रॉडक्शन ऑफ पोलीबायोपॉलीमर बाइ बैसिलस एस (पीजीए) ग्लूटामेट-वाई-पेज आइसोलेटेड फ्रॉम सिनेमाए ट्रेडीशनल फ़र्मेंटेड सोयाबीन फूड) फ्रॉम नॉर्थईस्टर्न पार्ट - "(ऑफ इंडिया.

परियोजनाएँ

- डॉ. बुद्धिमान तामङ (प्रधान अन्वेषक और (डॉ. नागेन्द्र ठाकुर (प्रधान अन्वेषक-सह). सहायक प्रोफेसर "डाइजेस्टीव एनजाइम्स)α-ग्लूकोसिडेज एंड αएमिलेसइंहिबिटोरी (प्रोबायोटिक लैक्टोबेसाईली फॉर कंट्रोलिंग पोस्टप्रेंडियल हाईपर ग्लिसेमिया "2012-17, वर्ष दिसंबर 2012 में डीबीटी द्वारा स्वीकृत
- डॉ. उत्तम लाल, डॉ. नागेंद्र ठाकुर, डॉ. राकेश रंजन और डॉ. सोहेल फिरदौस, "कंसोर्टियम परियोजना : हिमालयन क्रायोस्फ़ेयर प्रोजेक्ट : साइन्स एंड सोसाइटीवर्ष " 2013 में डीएसटी द्वारा स्वीकृत

प्राणिविज्ञान विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : डॉ. बसुंधरा छेत्री
मोबाइल नंबर : 91-9475009134
ईमेल आईडी : zoology@cus. ac. in bkacharya@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. बसुंधरा छेत्री, सहायक प्रोफेसर 27-05-2013 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2008 में भरथिअर विश्वविद्यालय, तमिलनाडू से डिस्ट्रिब्यूशन एंड रिसोर्स यूज पैटर्न्स ऑफ रेपटाइल्स " एलोंग द तीस्ता वैलि, ईस्टर्न हिमालय, सिक्किम, इंडियाशीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी " डिग्री प्राप्त की. फ़िलहाल वे क्सोनोमिक आईडेंटिफिकेशन ऑफकन्फ़र्मेशन ऑफ टै" अ फ़्यू अनआईडेंटिफ़ाइड स्पेसिज ऑफ एम्फिबियन एंड रेपटाइल्स ऑफ सिक्किम हिमालय, इंडिया " पर शोध कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में हर्पेटोलॉजी और टैक्सोनोमी शामिल हैं.

डॉ. भोज कुमार आचार्य, सहायक प्रोफेसर 2014 में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2008 में भरथिअर विश्वविद्यालय, तमिलनाडू से "बर्ड कम्यूनिटीज एंड देयर डिस्ट्रिब्यूशन पैटर्न एलोंग द एलिवेशन ग्राडिएंट ऑफ तीस्ता वैलि, सिक्किमशीर्षक शोध प्रबंध के लिए " पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे वेटेड सिस्टम्स इन द एसेस्मेंट ऑफ द पोटैन्श्यलिटी ऑफ कल्टी" बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशनविद रिफ्रेन्स टू बर्ड्स एंड बटरफ्लाइज इन द सिक्किम हिमालयाज़ " विषय परशोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में इकोलॉजी और ओर्निथोलॉजी शामिल है.

डॉ. एम. पी. थापा फ़रवरी 2014 में अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1982 में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग से लिम्नोलॉजिकल स्टडीज" एंड देयर इकोलॉजिकल सिग्निफिकेन्स ऑफ लेक्यूस्ट्राइन सिस्टम्स इन एन अराउंड शिलांग, मेघालयाशीर्षक शोध " प्रबंध के लिएपीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लिम्नोलॉजी, इकोलॉजी और बायो सिस्टमेटिक्स शामिल हैं.

प्रो. टी. के. चौधरी मार्च 2014 में अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1984 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से सेल्स -माइटोजेन मेडियटेड एक्टिवेशन ऑफ म्यूरिन टी" इन_विवो शीर्षक शोध प्रबंध के लिए "नोलॉजिकल फंकशनफॉर इम्यू -पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे मॉड्यूलेटरी प्रॉपर्टीज़ ऑफ सम लोकल प्लांट्स-इम्यूनो",पॉप्युलेशन्स जिनैटिक्स विद रिफ्रेन्स टू टीएलआर एंड केआईआर पर "शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में साइटोजिनैटिक्स, कैंसर बायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी शामिल हैं.

डॉ. नमता थापा मार्च 2014 में अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2002 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी से स्टडीज ऑफ माइकोबियल डाइवर्सिटी असोशिएटेड" विद द सम फिश प्रॉडक्ट्स ऑफ द ईस्टर्न हिमालयाज़ शीर्षक शोध प्रबंध के लिए "पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे "असेस्मेंट ऑफ माइकोबायोलॉजिकल सेफटि ऑफ कॉमन स्ट्रीट फूड्स

ऑफ सिक्किम एंड एप्लिकेशन ऑफ एचएसीसीपी सिस्टम विषय पर "शोध कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में फिश माइक्रोबायोलॉजी और पेरासीटोलॉजी शामिल हैं.

डॉ. मिन बहादुर सितंबर 2013 को अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1995 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्टडी ऑन इवोल्यूशनरी डाइवरजेंस इन द"इंडियन पिग्मी फील्ड माइस" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे क्रोमैटिन हेट्रो" वेरिएशन अमंग द पॉप्युलेशन ऑफ म्यूस टेरीकलर विषय पर "शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में साइटोलॉजी और जिनैटिक्स शामिल हैं.

प्रकाशन

देबनाथ एम, मित्रा बी, बेरा एन के, **चौधरी टी के**, और झांग वाई पी.)2013) (2013) लैक ऑफ असोशिएशन ऑफ टीआई-6 (-174 जी> सीएंड (टीबीएफ़-A (-238 जी> ए वेरिएंट्स (विद पेरानोइड सीजोफेर्निया इन एन इंडियन बेंगली पॉप्युलेशन. *साइटोकाइन,* 61 : 455-458.

डे पी और **चौधुरी टी के**) 2013) असेस्मेंट ऑफ एरिथ्रोसाइट मेम्ब्रेन स्टेबिलाइजिंग एक्टिविटी, हेमोलाइटिक एक्टिविटी एंड साइटोटॉक्सिक इफैक्ट ऑफ *डिओकोरिया एलाटा. एशियन जर्नल ऑफ फार्मेस्यूटिकल एंड बायोलॉजिकल रिसर्च,* 3 : 8-12.

डे पी और **चौधुरी टी के**) 2013) एंटीऑक्सीडेंट कैपासिटी ऑफ *एन. इंडिकम* : अ कोरिलेशन स्टडी यूजिंग प्रिन्सिपल कॉम्पोनेंट एनालिसिस एंड मल्टीवैराइट स्टेटिस्टिकल अप्रोच. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी और फार्मेस्यूटिकल साइन्स,* 5 (3) : 931-937.

डे पी, दत्ता एस, और **चौधरी टी के**) 2013) इवैल्यूएशन ऑफ एरिथ्रोसाइट मेम्ब्रेन स्टेबिलाइजिंग एक्टिविटी, हेमोलाइटिक एक्टिविटी एंड साइटोटॉक्सिक इफैक्ट ऑफ द एरियल ट्यूबर्स *डिओकोरिया एलाटा* एल ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न रिजन. *जर्नल ऑफ फार्मेस्यूटिकल एंड साईंटिफ़िक इनोवेशन,* 2 : 1-4.

डे पी, रॉय एस और **चौधुरी टी के**) 2013) स्तिमूलेशन इफ म्यूरिन इम्यून रिस्पंस बी द ट्यूबर्स ऑफ *डिओकोरिया एलाटा* एल. ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न रिजन ऑफ इंडिया. *प्रोसीडिंग्स ऑफ जूलॉजिकल सोसायटी,* 66 : 8-13.

दत्ता एस, डे पी और **चौधुरी टी के**) 2013) एसेस्मेंट ऑफ बायोएक्टिव फिटोकेमिकल्स प्रिसेंट इन द रूट ऑफ क्रोटोन *बोनप्लेंडियानम अवैलेबल* इन द सबहिमालयन रिजन ऑफ वेस्ट - बेंगल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी और फार्मेस्यूटिकल साइन्स,* 5 : 540-545.

दत्ता एस, डे पी, और **चौधुरी टी के**) 2013)क्वांटीफिकेशन एंड कोरिलेशन ऑफ द बायोएक्टिव फिटोकेमिकल्स ऑफ *क्रोटोन बोनप्लेंडियानम* लीव्स ऑफ सबहिमालयन- रिजन ऑफ वेस्ट बेंगल. *एशियन जर्नल ऑफ फार्मेस्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च,* 6 : 142-147.

गुहा पी, श्रीवास्तव एस के, दास ए, भट्टाचार्जी एस, हलदर बी और **चौधरी टी के**) 2013) कम्पैरटिव एनालिसिस ऑफ द एबीओ, केआईआर एंड एचएलए लोकि अमंग द राजबंशीस ऑफ नॉर्थ बेंगाल रीजन, इंडिया. *एनल्स ऑफ फार्मा रिसर्च* 1 : 18-24.

गुहा पी, श्रीवास्तव एस के, भट्टाचारजी एस, **चौधुरी टी के**) 2013) ह्यूमन माइग्रेशन, डाइवर्सिटी एंड डीजीज एसोशिएशन : अ कॉन्वर्जेंट रोल ऑफ एस्टाब्लिश्ड एंड एमर्जिंग डीएनए मार्कर्स. *फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स,* 4 : 1-8.

गुहा पी, भट्टाचार्य एस और **चौधरी टी के**) 2013) स्टडी ऑफ द कीर प्रोफ़ाइल एंड एनालिसिस ऑफ द फाइलोजिनैटिक रिलेशनशिप्स ऑफ राजबंशी पॉप्युलेशन ऑफ वेस्ट बेंगाल, इंडिया. *ह्यूमन इम्यूनोलॉजी,* 74 : 673-780.

लामा एम, चटर्जी एम और **चौधरी टी के**) 2013) टोटल सिरम इम्यूनोग्लोबुलिन ई इन चिल्ड्रेन विद अस्थमा. *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्रि* 28 : 197 - 200.

मियाओ यूडबल्यू, पेंग एमएस, डबल्यूयू, जीएस, ओयंग वाईएन, यंग ज़ेडवाई, लियांग जेपी, पियाञ्चो जी, पेरेरा एबी, मित्रा बी, पलानीकेमि एमजी, बेग एम, **चौधुरी टी के,** शेन वाईवाई, कोंग क्यूपी, मर्फी आरडबल्यू, याओ वाईजी एंड झंग वाईपी)2013) चिकेन डोमेस्टिकेशन : ऐन अपडेटेड पर्सपेक्टिव बेस्ड ऑन माइटोकोंड्रीअल जीनोमिज. *हेरिडेटि,* 110 : 277-281.

पैन, एच. , **छेत्री, बी. ,** यांग डी. , जियांग, के. , वांग, के. , एल. और वोगेल, जी.)2013) अ न्यू स्पेसिज ऑफ द जीनस प्रोटोबोथप्स स्कुयामटा) : वाईपेरिडे(फ्रॉम साउडर्न टीबेट, चाइना एंड सिक्किम, इंडिया. *एशियन हर्पेटोंलॉजिकल रिसर्च,* 4 : 109-115.

रॉय एस, हाजरा बी, मंडल एन, और **चौधरी टी के**)2013) एसेस्मेंट ऑफ द एंटीऑक्सीडेंट एंड फ्री रैडिकल स्केवेंजिंग एक्टिविटीज ऑफ मेथनोलिक एक्सट्रेक्ट ऑफ डाइप्लेजियम एस्क्यूलेंटम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड प्रोपर्टीज़,* 16 : 1351-1370.

रॉय एस, हाजरा बी, मंडल एन, और ***चौधरी टी के***) 2013) एसेस्मेंट ऑफ द एंटीऑक्सीडेंट एंड फ्री रैडिकल स्केवेंजिंग एक्टिविटीज ऑफ मेथनोलिक एक्सट्रेक्ट ऑफ डाइप्लेजियम एस्क्यूलेंटम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड प्रोपर्टीज़,* 16 : 1351-1370.

रॉय एस, तामङ एस, एंड **चौधुरी टी के**)2013) स्पर्म वाइएबिलिटी एसेमेंट यूजिंग 3-(4,5-डाइमिथेलथिएज़ोल-2-वाईएल-(2,5- डाइफिनाइलटेट्रेज़ोलियाम ब्रोमाइड रिडक्टशन एसे ऑफ स्विस एलबीनों माइस डाइप्लेजियम एस्क्यूलेंटम. *एशियन जर्नल ऑफ फार्मेस्युटिकल एंड हैल्थ साइन्स*, 13 : 684-689.

रॉय एस, तामङ एस, एंड **चौधुरी टी के**) 2013) एसेस्मेंट ऑफ द इम्यूनो सप्रेसिव एंड हेमोलाइटिक एक्टिविटीज ऑफ एन एडिबल फर्न, *डाइप्लेजियम एस्क्यूलेंटम. इम्यूनोफार्मेकोलॉजी एंड इम्यूनोटॉक्सिकोलॉजी*, 35 : 365-372.

रुद्र, एम और **बहादुर, एम.**)2013) 139-151 : हेट्रोक्रोमैटिन वेरिएशन अमंग द पॉप्युलेशन मस टेरीकलर ब्लिथ, 1871 (रोडेन्शिया, म्यूरिडेक्रोमो (सौम टाइप आई. *कम्पैरटिव साइटोजिनैटिक्स*, 7 : 139 -151.

सिंह, बी और **चौधरी, टी. के.**)2014) रोल ऑफ सीरिएक्टिव प्रोटीन इन सिजोफ्रेनिया- : *एन ओवरव्यू. साईक्याट्री रिसर्च*, 216 : 277-285.

सिंह, बी. , बेरा, एन. के. और **चौधुरी, टी. के.**)2013) रिस्क ऑफ बिकमिंग सिजोफ्रेनिक : बर्थ ऑर्डर एंड एचएलए प्रोफ़ाइल. *प्रोसीडिंग्स ऑफ ज़ूलॉजिकल सोसायटी*, 66 : 8-13.

आचार्य, बी. के. और शर्मा, जी.)2013) फॉरेस्ट्स एंड बायोडाइवर्सिटी. में : **सिक्किम गैजेट,** गृह विभाग, सिक्किम सरकार, गंगटोक, इंडिया. 42-72 42-72.

शर्मा, जी. और **आचार्य, बी. के**. (2013) एग्रिकल्चर सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट डाइवर्सिटी में : कृषि प्रणालियों और प्रबंधन विविधता. **सिक्किम गैजेट**, गृह विभाग, सिक्किम सरकार, गंगटोक, इंडिया. 225-259. 225-259.

संगोष्ठीसम्मेलन/

डॉ. भोज कुमार आचार्य

- 8 नवंबर 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में हिमालय में जलवायु परिवर्तन के सामने जैव विविधता संरक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इफैक्टस ऑफ " क्लाइमेट चेंज ऑन इको लॉजीकेली सेनसिटिव फ़ौनल एलिमेंट्स इन द सिक्किम हिमालयाज़, इंडिया "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 18-23 अगस्त 2013 को एक्सेल, लंदन में ब्रिटिश इकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉंग्रेस ऑफ इकोलॉजी आईएनटीईसीओएल)2013) में फ़ौनल "

डाइवेर्सिटी एलोंग एन ईस्टर्न हिमालयन एलिवेशन ग्रेडिएंट : एन एनालिसिस ऑफ पैटर्न्स एंड कॉजेस "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. बसुंधरा छेत्री ने 18-23 अगस्त 2013 को एक्सेल, लंदन में ब्रिटिश इकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉंग्रेस ऑफ इकोलॉजी)आईएनटीईसीओएल 2013) में हिमालयन एलिवेशनल डिस्ट्रिब्यूशन एंड कंजेर्वेशन ऑफ एम्फिवियन्स इन द" ईस्टर्न हिमालया, इंडिया "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आयोजित संगोष्ठीव्याख्यान/सम्मेलन /

विषय	**तिथि और स्थान**	**आयोजकसंयोजक के नाम/**
राष्ट्रीय संगोष्ठी हिमालय में जलवायु परिवर्तन का सामना करने में जैव विविधता संरक्षण	8 नवंबर 2013 सम्मेलन कक्ष, वन पर्यावरण और वन्य पशु प्रबंधन विभाग, देवराली, सिक्किम	संयोजक : डॉ. बसुंधरा छेत्री

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

(कसीएक्स- ऑलिंपस) बाइनोकूलर कम्पाउण्ड माइक्रोस्कोप (31) -5
(ख - (ऑलिंपस) साधारण माइक्रोस्कोप (10

परियोजनाएं

प्रधान अन्वेषक का नाम	**पदनाम**	**परियोजना का शीर्षक**	**परियोजना की अवधि**	**धन के स्रोत**
डॉ. बसुंधरा छेत्री	सहायक प्रोफेसर	सिक्किम हिमालय, भारत की कुछ अज्ञात उभयचर और सरीसृपों की प्रजातियों की वर्गीकृत पहचान की पुष्टि	2013-2015	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

रसायन विज्ञान विभाग

प्रभारी का नाम : डॉ सुदर्शन तामङ
कार्यालय फोन नंबर : 03592-232067
मोबाइल नंबर : 91-9733388916
ईमेल आईडी : chemistry@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ सोमेन्द्र नाथ चक्रवर्ती सहायक प्रोफेसर 02/04/2012 को विभाग से जुड़े उन्होंने वर्ष 2007 में आईआईटी दिल्ली से अपने शोध 'पिघलती बर्फ़ीली और संभावित ऊर्जा परिदृश्य' के लिए पीएचडी प्राप्त की. वे वर्तमान समय में मॉलिक्यूलर सिमुलेशन में काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र स्टैटिस्टिकल थर्मोडायनामिक्स ऑफ़ फेस ट्रांसफॉर्मेशन एवं क्लाथरेट हैं.

डॉ सुदर्शन तामङ, सहायक प्रोफेसर 07/03/2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में फ़्रांस के ग्रेनोबल विश्वविद्यालय से अपने शोध 'सिंथेसिस एंड फंक्शनलाईजेशन ऑफ़ नियर इन्फ्रारेड एमिटिंग नानोक्रिस्टल्स फॉर बायोलॉजिकल इमेजिंग' पर पीएचडी डिग्री प्राप्त की.

प्रकाशन

ग्रीम जे स्तेसुइक, सुदर्शन तामङ, डैनियल इम्बर्ट, क्रिस्टेल गेटू, पीटर रीज़,पास्कल फ्राइज और मरिनेला मजान्ति "ऑप्टिमाइजिंग थे रेलाक्सिविटी ऑफ़ जीडी)III) कोम्प्लेक्सेस अपेंदेड तो इनप "जेडएनएस क्वांटम डॉट्स बी लिंकर ट्यूनिंग/*डेल्टन ट्रांस,* 42(2013) 8197-8200

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ सुदर्शन तामङ ने उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में 'रसायन विज्ञान की सीमाएँ–2014' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 12 मार्च 2014 को जैविक इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए आईएनपी क्वांटम डॉट्स : चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान दिया.

कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग

प्रभारी का नाम : श्रीमती चुन्नू खवास
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251788
मोबाइल नंबर : 91- 9635767123
ईमेल आईडी : ckhawas@cus. ac. in

संकाय विवरण

श्रीमती चुन्नू खवास, सहायक प्रोफेसर 07/02/2011को विभाग से जुड़ी. उन्हें वर्ष 2011 में सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में एमटेक की डिग्री प्राप्त हुई. वह फ़िलहाल सैटेलाइट इमेज प्रोसेसिंग में काम कर रही हैं और रिमोट सेंसिंग और जीआईएस उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र है.

श्री पार्थ प्रतिम राय, सहायक प्रोफेसर 07/02/2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में एमटेक की डिग्री प्राप्त की. वह फ़िलहाल इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स पर काम कर रहे हैं और सिस्टम एम्बेडेड उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र है.

सुश्री रेबिका राय, सहायक प्रोफेसर 07/03/2012 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने वर्ष 2009 में सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में एमटेक की डिग्री प्राप्त की. फ़िलहाल वे स्वार्म इंटेलिजेंसइमेज प्रोसेसिंग पर काम कर रही हैं और उनकी / विशेषज्ञता का क्षेत्र स्वार्म कंप्यूटिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग है.

प्रकाशन

श्री पार्थ प्रतिम राय, सुश्री रेबिका राय : "ओपन सोर्स हार्डवेयर : एन इंट्रोडक्टरी अप्प्रोच", लैप लैबर्ट पब्लिशिंग हाउस, जर्मनी, पेज 187, आईएसबीएन : 978-3-659-46591-8, जुलाई 2013.

रे, पेज, राय, आर, वेलिडेशन ऑफ़ रेंज ऑफ़ रेजिस्टेंस ऑफ़ सेंसर थ्रू सेंसर डाटा एक्वीजीशन उसिंग सिमप्लोट : अ केस स्टडी, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च इन कंप्यूटर साइंस एंड सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग*) आईजेएआरसीएसएसई), आईएसएसएन : 2277-128एक्स, वॉल्यूम, पृ. 1251-1255, 2014. ऑनलाइन.

रे, पी पी, चैनल मॉडलिंग ऑफ़ ह्यूमन सोमातोसेंसोरी ननोंनेटवर्क बॉडी डिसक्रिमीनेटिव टच एंड प्रोप्रिओसेप्शन, *कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल* (आईजेसीएसई), आईएसएसएन : 0975-3397, वॉल्यूम. 5 (10), पृ. 874-884, 2013. ऑनलाइन.

रे, पी पी. , ऑटोमेटा मोडेलींग ऑफ़ हार्मोनल मॉलिक्यूलर कम्युनिकेशन चैनल इन ह्यूमन बॉडी, *इंटरनेशनल जर्नल ऑन रीसेंट ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी* (आईजेआरटीईटी), खंड 8 (1), आईएसएसएन : 2158-5563,पृ . 8-12, डीओआई : 01. आईजेआरटीईटी. 8. 1. 35, 2013. ऑनलाइन.

रे, पी पी. , कम्युनिकेशन चैनल मॉडलिंग एंड ऑटोमेटा डिजाइनिंग ऑफ़ ह्यूमन औडिटरी सिस्टम, *इंटरनेशनल जर्नल ऑन रीसेंट ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी* (आईजेआरटीईटी), खंड 8 (1), आईएसएसएन : 2158-5563, पृ. . 13-17, डीओआई : 01. आईजेआरटीईटी. 8. 1. 49, 2013. ऑनलाइन.

रेबिका राय, रतिका प्रधान, एम के घोष, "एएएससी : कल्पना में किनारों का पता लगाने के लिए उन्नत चींटी आधारित झुंड कम्प्यूटिंग", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड इंजीनियरिंग* (आईजेईटीएई), आईएसएसएन 2250-2459, खंड 3, अंक 12 दिसम्बर 2013.

रेबिका राय, रतिका प्रधान, एम. के. घोस, "एंड बेस्ड स्वार्म कंप्यूटिंग टेक्निक्स फॉर एज डिटेक्शन ऑफ़ इमेजेज अ ब्रीफ - सर्वे "*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड इंजीनियरिंग* में, आईएसएसएन 2250-2459, खंड 3, अंक 4/43, अप्रैल 2013.

संगोष्ठीसम्मेलन/

रे, पी पी शर्मा, ए, राय, आर, एमडीटीआरएम : अब्सट्रैक्शन टू मॉडल ड्रिवेन ट्री रेफेरेंस मॉडल ऑफ़ इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स, इन *प्रोसीडिंग्स ऑफ़ नेशनल कांफ्रेंस ऑन एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स*)एनसीएई), एआईटी कोलकाता, पृ. सं. 61-642013

राय, आर, लेपचा, सी, रे, पी पी, छेत्री, पी, जीडीएमए : जेनरलाइज्ड डोमेन मॉडल आर्कीटेक्चर ऑफ़ इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स, इन *प्रोसीडिंग्स ऑफ़ नेशनल कांफ्रेंस ऑन एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स*)एनसीएई), एआईटी कोलकाता, पृ. सं. . 65-68, 2013

आमंत्रण पर व्याख्यान

सुश्री रेबिका राय 18 से 22 नवम्बर 2013 के दौरान भारतीय भाषाओं के लिए भाषाई डेटा कंसोर्टियम, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के सहयोग से आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर एक व "प्राकृतिक भाषा संसाधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस"ियाख्यान दिया

आयोजित सेमिनारव्याख्यान/सम्मेलन/

क्रम सं.	थीम	तारीख और स्थान	आयोजकसंयोजक के नाम/
1	थ्योरी एंड टूल्स फॉर लैंग्वेज एंड डॉक्यूमेंट एनालिसिस एंड रिसर्च (टीटीएलडीएआर)	सिक्किम विश्वविद्यालय में 24 से 28 मार्च, 2014	भारतीय सांख्यिकी संस्थान और कम्प्यूटर (आईएसआई) अनुप्रयोग विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय.

कार्यशालाओं में भागीदारी

श्रीमती चुन्नू खवास

- 21 से 22 फरवरी 2014 के दौरान कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय सिलचर के सहयोग से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर दो दिवसीय पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया.
- नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के सहयोग से भारतीय भाषाओं के लिए भाषाई डेटा कंसोर्टियम, भारतीय भाषाओं, मैसूर के केन्द्रीय संस्थान द्वारा 18 से 22 नवंबर 2013 के दौरान आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राकृतिक भाषा " पर भाग लिया "संसाधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस.

भूविज्ञान विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : डॉ. राकेश कुमार रंजन
कार्यालय फोन नंबर : +91-3592-231151
मोबाइल नंबर : +91-8100420032
ईमेल आईडी : rkranjan@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ राकेश कुमार रंजन, सहायक प्रोफेसर 04/07/2011 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2010 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से इफ़ेक्ट ऑफ़ क्रॉप रेसिदुस बर्निंग ऑफ़ द एम्बिएंट " एरोसोल्स कैरेक्टरिस्टिकस इन रूरल एरिया : अ केस स्टडी ऑफ़ शाहबाद रीजन ऑफ़ बिहार " शीर्षक पर अपने शोध के लिए पीएचडी डिग्री प्राप्त की. वे फ़िलहाल एयरोसौल्ज़ और जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता पर्यावरण निगरानी, जलवायु परिवर्तन और रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस के क्षेत्र में है.

डॉ निश्चल वंजरी, सहायक प्रोफेसर 30/04/2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने सितंबर 2008 में भूविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से "जिओकेमिस्ट्री ऑफ़ अम्गाँव जेनेसिस काम्प्लेक्स, सेंट्रल इंडियाविषय पर अपने शोध के लिए " पीएचडीडिग्री प्राप्त की. वह फ़िलहाल जिओकेमिकल करैक्टरस्टिक्स ऑफ़ ग्रेनाइट काम्प्लेक्स एसोसिएटेड विद मुंगेर राजगीर ऑफ़ रॉक्स पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र पेट्रोलोजी, जिओकेमिस्ट्री और जिओक्रोनोलॉजी हैं.

डॉ मोहम्मद. अब्दुल्ला खान, सहायक प्रोफेसर 09/04/2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2010 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश से अप्प्रैसल ऑफ़ जिओएनवायर्नमेंटल " इन पार्ट्स ऑफ़ इम्फाल वैली पैरामीटर्स एंड देअर इम्प्लिकेशन, मणिपुर स्टेट, एनई हिमालयन रीजनशीर्षक पर अपने शोध पर पीएचडी प्राप्त की ". वे फ़िलहाल हाइड्रोकेमिकल एनालिसिस ऑफ़ सरफेस वाटर एंड इम्प्लिकेशन ऑन हेल्थ पर काम कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हाइड्रोकेमिस्ट्री एंड एनवायरनमेंट इम्पैक्ट एनालिसिस हैं.

प्रकाशन

ठाकुर एनटी, दास एस, थापा एम और **रंजन, आर. के.** (2013). "जीपीएस मैपिंग एंड फिजिकल डिस्क्रिप्शन ऑफ़ पोलोक, बोरोंग एंड रेशी तातोपानी हॉट स्प्रिंग्स ऑफ़ सिक्किम -, *जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल अकेडमिक रिसर्च फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी,* आईएसएसएन : 2320-5083, खंड 1, अंक 10, नवंबर 2013.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमअभिमुखी कार्यक्रम/

राकेश कुमार रंजन ने 10/12/12 से 30/12/12 तक यूजीसीएएससी इलाहाबाद विश्वविद्यालय में - पर्यावरण जागरूकता पर रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया.

मोहम्मद. अब्दुल्ला खान ने 01/02/14 से 28/02/14 तक यूजीसीएएससी-, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर में अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

निश्चल वंजरी ने 24/03/14 से 30/03/14 तक जीएसआई प्रशिक्षण संस्थान, शिलांग में ' लैंडस्लाइड हजार्ड ज़ोनेशन एंड डिजास्टर मैनेजमेंट पर एक कोर्स में भाग लिया.

आयोजित विशेष व्याख्यान

प्रो लूसी ताजमनोवा, इटीएच ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड ने 27 मार्च, 2014 को 'इनवर्टेड मेतामोर्फिक सीक्वेंस' विषय पर एक व्याख्यान दिया.

वर्ष के दौरान लिए गए प्रमुख उपकरण

क. प्लेनेटरी बॉल मिल
ख. एडवांस्ड पेट्रोकेमिकल माइक्रोस्कोप
ग. पेट्रोकेमिकल सेक्शन प्रिपरेशन सिस्टम
घ. टोटल स्टेशन एंड थ्योडलाइट
ङ. जिओकम्प्यूटेशन लैब विद नेटवर्किंग एंड जीआईएस-

परियोजनाएँ

नाम	पद	परियोजना का शीर्षक	परियोजना की अवधि	वित्तपोषण एजेंसी
डॉ राकेश कुमार. रंजन,	सह अन्वेषक	"द हिमालयन क्रायोस्फीयर : साइंस एंड सोसाइटी"	5 वर्ष	डी. एस. टी.
डॉ राकेश कुमार. रंजन,	सह अन्वेषक	"भारत और बांग्लादेश के ऊपरी और निचले नदी तट क्षेत्र में तिस्ता नदी प्रणाली द्वारा प्रदान की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्य"	1 वर्ष	आईयूसीएन

गणित विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : प्रो पीके शर्मा, अनुबंध पर प्रोफेसर.

संकाय विवरण

प्रो पीके शर्मा (अनुबंध पर प्रोफेसर)
डॉ डी पुरोहित (गेस्ट फैकल्टी)
श्री क्षितिज छेत्री (गेस्ट फैकल्टी)
श्री रिन्किला भूटिया (गेस्ट फैकल्टी)
श्री अमरजीत तामङ (गेस्ट फैकल्टी)

भौतिकी विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ सुबीर मुखोपाध्याय
कार्यालय फोन नंबर : 03592-232080
मोबाइल नंबर : 91-9547605900
ईमेल आईडी : physics@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ सुबीर मुखोपाध्याय, सह प्राध्यापक 29-07-2009 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1998 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से अपने शोध स्टडीज" ऑफ़ सम टू डायमेंशनल फील्ड थ्योरीज़"के लिए पीएचडी प्राप्त की. फ़िलहाल वे 'थ्योरेटिकल हाई एनर्जी फिजिक्स' पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र पार्टिकल फिजिक्स, क्वांटम फील्ड थ्योरी एंड स्ट्रिंग थ्योरी हैं.

डॉ अमिताभ भट्टाचार्य, सह प्राध्यापक 30-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 1999 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से अपने शोध स्टडीज ऑन थे फेज ट्रांजीशन एंड " पर "क्रिस्टल मोलीक्युल्स मॉलिक्यूलर कांफिर्मेशन ऑफ़ लन्ग्मुइर मोनोलेयर ऑफ़ लिक्विड पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल 'सॉफ्ट कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स' पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स और लिक्विड क्रिस्टल्स हैं.

डॉ अजय त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर 09-11-2009 को विभाग से जुड़े. उन्होंने पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया था. वर्ष 2006 में फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा 'एक ऑप्टिकल जाल में बोस आइंस्टीन संघनन और बाष्पीकरणीय शीतलक की प्रायोगिक अध्ययन' अपने शोध के लिए डी की डिग्री. वे फ़िलहाल लेजर भौतिकी पर काम कर रहे हैं और विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी, और बोस आइंस्टीन संघनन हैं.

डॉ अर्चना तिवारी, सहायक प्रोफेसर 09-11-2009 को विभाग से जुड़े. वह अपने शोध के लिए डीफिल उपाधि से सम्मानित किया गया था वर्ष 2009 में ऑक्सफोर्ड, ब्रिटेन के माल विभाग, विश्वविद्यालय द्वारा 'ईआर3 + के चुंबकीय और ऑप्टिकल गुण एन्दोहेद्रल फुलरीन –डोप्ड'. वह फ़िलहाल कार्बन नैनो सामग्री काम कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र जैव ऊर्जा संसाधन है.

डॉ हेमेन दिनेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, / 2009 29-07- को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2009 में आईआईटी दिल्ली से "सोलर एंड मैग्नेटोस्फेरिक प्लास्मआज़ में नॉनलीनेअर अल्फ्वेन तरगों का अध्ययन करने के लिए संख्यात्मक सिमुलेशन' पर शोध के लिए पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल कम्प्यूटेशनल भौतिकी पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र अंतरिक्ष प्लाज्मा भौतिकी है.

प्रकाशन

अमिताभ भट्टाचार्य

सुर, उज्जल कुमार और भट्टाचार्य, अमिताभ (2013), 'इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन मटेरियल साइंस', एलएपी लैम्बर्ट अकेडमिक पब्लिशिंग -, सारबकन.

अर्चना तिवारी

- ए. तिवारी, साईकिरन वी, अ त्रिपाठी, एपी पाठक : इफ़ेक्ट ऑफ़ एसएचआई इरेडिएशन ऑन माइका एंड कोल बेस्ड रॉक्स ओफ लोअर हिमालयाज इन सिक्किम, इंडिया, इंडियाज़ रेडिएशन इफेक्ट्स एंड डिफेक्ट इन सोलिड्स, (2013) डीओआई : 10. 1080 / 10420150. 2013. 804825.

- डी ढकाल, अ तिवारी, एस तांबे, यूके सिन्हा, एमएल अरावाटिया,आइसोटोप स्टडीज टू आईडेंटीफाई द ओरिजिन एंड रिचार्ज एरिया ऑफ़ हिमालयन स्प्रिंग्स ऐज़ अ क्लाइमेट चेंज एडाप्टेशन इनिशिएटिव : अ केस स्टडी फ्रॉम सिक्किम, ईस्टर्न हिमालय, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ अर्थ साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, 7 (1), 135 (2014).
- ए. बज़्राचार्ज, एम राणा, बी रॉय, ए तिवारी, ए त्रिपाठी, मधुमेह के इलाज के लिए इस्तेमाल औषधीय पौधों 'जर्नल ऑफ़ हर्ब्स, स्पिसस एंड मेडिसिनल प्लांट्स, 21 (1), पृ. सं. 86-101 (2014)

संगोष्ठी सम्मेलन /

अमिताभ भट्टाचार्य

- ए प्रधान और ए भट्टाचार्य, शैंपू तब और अब : सिंथेटिक बनाम प्राकृतिक, फिफ्थ एशियन कांफ्रेंस ऑन कोल्लोइड्स एंड इंटरफ़ेस साइंसेज, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, नवंबर 2013.
- एस भट्टाचार्जी और ए भट्टाचार्य, रेवेर्सिंग ऑर्डर्स टू मेट्रोपोलिस : लेप्चास ऑफ़ इंडिया एंड इग्बोस ऑफ़ नाइजीरिया", कॉन्टेक्स्चुअल डेवलपमेंट : डेवलपिंग इंडिजेनस थ्योरिज़ एंड प्रैक्टिसेज पर राष्ट्रीय सम्मेलन सेलेसियन कॉलेज, सिलीगुड़ी, 5-6 अक्टूबर 2013.
- एस भट्टाचार्जी और ए भट्टाचार्य, "ट्रांसलेशन अक्रॉस डिसिप्लिन्स : बोडानिस एंड गामो अनकन्वेंशनल फिजिक्स नैरेटिव्स, "ट्रांसलेशन, कोम्पराटिस्म एंड द ग्लोबल साउथपर " XVI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मैसूर, 16-18 दिसम्बर 2013, होटल रेगालिस, मैसूर, कर्नाटक में.

अर्चना तिवारी

- तिवारी, साईकिरन वी, ए त्रिपाठी, एपी पाठक रमन एंड ईडीएस /एसईएम" करैक्टराईजेशन ऑफ़ मीका, क्वार्ट्ज एंड कोल बेस्ड रॉक्स ऑफ़ लोअर हिमालयाज़ इन सिक्किम, इंडिया, *इलेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं केमिस्ट्री एंड इट्स रोल इन डेवलपमेंट,* मंसौरा विश्वविद्यालय, शर्म अल शेख, मिस्र, 11-15 मार्च. 2013
- त्रिशा मंडल, अजय त्रिपाठी और अर्चना तिवारी, मैगनेटाइजेशन रेवेर्सल इन टीएमडोप्ड - जेडएनओ नानोसिस्टम, *स्ट्रक्चर एंड फिजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ सोलिड्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,* इंडियन स्कूल ऑफ़ माइंस, धनबाद, भारत 18-20 नवम्बर 2013.
- त्रिशा मंडल, अजय त्रिपाठी और अर्चना तिवारी, मैगनेटाइजेशन रेवेर्सल इन टीएमडोप्ड - जेडएनओ नानोसिस्टम मेग्मा 2013, आईआईटी गुवाहाटी, दिसंबर 2013.

- तिवारी, साईकिरन वी, अ त्रिपाठी, एपी पाठक रमन एंड ईडीएस /एसईएम" करैक्टराईजेशन ऑफ़ मीका, क्वार्ट्ज एंड कोल बेस्ड रॉक्स ऑफ़ लोअर हिमालयाज़ इन सिक्किम, इंडिया, *इमर्जिंग ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी* इन बिराटनगर, नेपाल 22-23 मार्च, 2014.

आमंत्रण पर व्याख्यान

अमिताभ भट्टाचार्य

- फोम स्टेबिलिटी ऑफ़ पोलीइलेक्ट्रोलाइट सर्फैक्टेंट सोलूशंस : रिलेशन टू सरफेस रेओलोजी एंड माइक्रोएनकेपसुलेशन, भौतिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय , 20 दिसंबर 2013.
- मिक्स्ड सर्फैक्टेंट पोलीइलेक्ट्रोलाइट सिस्टम्स : सरफेस रेओलोजी, फोमिंग एंड माइक्रोएनकेपसुलेशन" इंडियन स्कूल ऑफ़ माइंस, धनबाद, झारखंड, 22. 01. 2014.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम /अभिमुखी कार्यक्रम

अर्चना तिवारी

64 वाँ अभिमुखी कार्यक्रम, एएससी यूजीसी, बीएचयू, वाराणसी, 3-30 जुलाई 2013

भौतिक विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एएससी, यूजीसी, उबवि, सिलीगुड़ी,. 11 फरवरी से 3 मार्च 2014

हेमम दिनेश सिंह

88 वाँ अभिमुखी कार्यक्रम, यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, जेएनयू नई दिल्ली)13. 01. 2014 से 07. 02. 2014)

वर्ष के दौरान प्रदान की गई एमफिल डिग्रियाँ

1. अंबिका प्रधान, स्टडी ऑन फोम एंड फोम ड्रेनेज ऑफ़ डिफरेंट केमिकल एंड बायोकेमिकल डिटर्जेंट-, 2013. पर्यवेक्षक : डॉ अमिताभ भट्टाचार्य.
2. त्रिशा मंडल, मैगनेटाईजेशन रेवेर्सल इन टीएमडोप्ड जेडएनओ - नोनोसिस्टम,2013.

3. अभिजीत बाजराचार्ज़ा, स्पेक्ट्रोस्कोपी करैक्टराईजेशन ऑफ़ मेडिकल प्लांट्स विद एंटीहाइपरजीसेमिक प्रॉपर्टीज-, 2013 पर्यवेक्षक : डॉ अजय त्रिपाठी और डॉ अर्चना तिवारी.
4. सताब्दी मुखर्जी, न्यूमेरिकल स्टडी ऑफ़ नेमटीकोंस : स्पेसियल ऑप्टिकल सोलिटोंस इन नेमटिक लिक्विड क्रिस्टल, 2013. पर्यवेक्षक : डॉ हेमम दिनेश सिंह

परियोजनाएँ

अर्चना तिवारी, सहायक प्रोफेसर, सिंथेसिस एंड ओप्टिकल रीडआउट ऑफ़ पोटेंशियल फुल्लर्नेस फॉर क्यूआईपी, 3 साल, यूजीसी सीएसआर-डीएई-इंदौर.

डॉ एस तांबे (पीआई), विशेष सचिव, आरएमडीडी,जीओएस और **अर्चना तिवारी** (सी(पीआई-, सहायक प्रोफेसर, आइसोटोप फिंगरप्रिंटिंग ऑफ़ सिक्किम स्प्रिंग्स, 3 साल, यूजीसी-डीएई-सीएसआर इंदौर.

अर्चना तिवारी, सहायक प्रोफेसर, स्पेक्ट्रोस्कोपी करैक्टराईजेशन ऑफ़ मीका एंड क्वार्ट्ज बेस्ड रॉक्स ऑफ़ सिक्किम हिमालयाज़, 2 साल, यूजीसीसीएसआर कोलकाता-डीएई-

भाषा और साहित्य विद्यापीठ

चीनी विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : डॉ सुश्री धृति रॉय
कार्यालय फोन नंबर : 03592-232462
मोबाइल नंबर : 91-9932861528
ईमेल आईडी : droy@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ धृति रॉय, सहायक प्रोफेसर, 24-02-2012 को विभाग से जुड़े. वह पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया था. वर्ष 2013 में चीनी भाषा विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय,और संस्कृति, चीन भवन द्वारा अपने शोध के लिए पीएचडी डिग्री ई एफओ गुओ जी की एक न"

(एफए जियान की यात्रा कार्यक्रम) एनोटेट अनुवादपर आधारित पांचवीं शताब्दी सीई में भारत और चीन के मठ संबंध का एक गंभीर अध्ययन",. अनुसंधान की उसकी क्षेत्रों शास्त्रीय चीनी, पूर्व आधुनिक भारत और चीन के संबंधों, और चीनी बौद्ध धर्म हैं.

सुश्री अमृता जश, गेस्ट फैकल्टी, 01/02/2014 को विभाग से जुड़े. उन्होंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से 2013 में कॉग्निशन एंड परसेप्शन ऑफ़ माओ ज़ेदोंग इन शेपिंग चाइनाज़ " फॉरेन पालिसी टुवर्ड्स वियतनाम, 1949-1976" पर एमफिल की डिग्री प्राप्त की. उनकी रूचि के क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और चीन की राजनीति है.

प्रकाशन

जश, अमृता

- "कॉग्निशन एंड परसेप्शन ऑफ़ माओ ज़ेदोंग इन शेपिंग चाइनाज़ फॉरेन पालिसी", 6 वें चीनी अध्ययन संस्थान द्वारा 12-14 दिसम्बर पर आईआईएम कोझिकोड में चीन अध्ययन पर आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में प्रकाशित, पृ सं. 499 -511, 2013 (आईएसबीएन : 978-81-926239-3-1).
- "ज़ी जिन्पिंग्स 'चाइनीज़ ड्रीम' एंड इट्स इम्प्लीकेशंस फॉर इंडिया", वर्ल्ड फोकस, वॉल्यूम. XXXV, नंबर 3, मार्च 2014, पेज. 7-11, अमेरिकी लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस सं : 80910345 (आईएसएसएन 2230-8458).
- "इंटरप्रेटिंग द ग्रेट 'चाइनीज़ ड्रीम'" (कवर स्टोरी(, इंडियाचाइना क्रॉनिकल-, इंडिया चाइना इकॉनोमिक एंड कल्चरल कौंसिल, खंड 1, अंक 8 जनवरी, 2014, पृ. सं. 22-29 www. icec-council. org पर उपलब्ध

रॉय, धृति

- "फिफ्थ सेंचुरी कॉमन एरा. रिओरिएंटिंग चाइनीज़ बुद्धिष्ट मोनास्टिक ट्रेडिशन. . . रिडिफाइनिंग सीनों "अ क्रिटिकल स्टडी - इंडियन बुद्धिस्ट मोनास्टिक रिलेशंस-*वर्किंग पेपर श्रृंखला* में इंडिया चाइना इंस्टिट्यूट, न्यू स्कूल, न्यूयॉर्क)2014)
- "चाइनीज़ ह्यूमनिस्ट थॉट ऑन स्टेट एंड सोसाइटी. इस देअर समथिंग तो लर्न फ्रॉम एन्शिएंट चाईनीज़ फिलोसोफिकल राइटिंग्स फॉर मॉडर्न गोवेन्मेंट्स", खंड : 1, नंबर 1, आईएसएसएन 2374-8850 (प्रिंट(
- "चीनी बौद्ध धर्म : उत्तम स्वदेशी शिल्प कौशल का एक अच्छा उदाहरण", *विश्वभारती त्रैमासिक*, खंड 21, नंबर 3 व 4, खंड 22, नंबर 1 और 2, अक्टूबर 2012 से सितंबर 2013, आईएसएसएन : . 0972-043X, पृ. सं. 73-82.

सम्मेलनसेमिनार/

मोरोमती बरुआ ने 1 मार्च, 2013 को शांति और प्रतिद्वन्द्व अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 'चीन और इसकी आंतरिक परिधि' पर आयोजित एक संगोष्ठी में "पर्सपेक्टिव्स ऑन गुअंग्क्सी ज़्हुंग "शीर्षक से पेपर प्रस्तुत प्रस्तुत किया. .

जश, अमृता

- 7 मार्च, 2013 को स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज और उन्नत अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के स्कूल जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय (एसएआईएस), वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, "इकनोमिक इंटरडिपेंडेंस इन इंडियाशीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया "चाइना रिलेशंस-. .
- 12-14 दिसंबर तक इंस्टिट्यूट ऑफ़ चाइनीज स्टडीज, नई दिल्ली और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, कोज्हिकोड़ द्वारा आईआईएम कोझीकोड, केरल में 6 वें सुधार, प्रबंधन और सामाजिक परिवर्तन 'पर चीन अध्ययन के अखिल भारतीय सम्मेलन में, 14 दिसंबर, 2013 को "कॉग्निशन एंड परसेप्शन ऑफ़ माओ ज़ेडोंग इन शेपिंग चाइनाज़ फॉरेन पालिसी" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया.
- 21-22 जनवरी 2014 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित सबसे पहले भारत और ताइवान रिसर्च छात्र सम्मेलन भारत में : नई बढ़ती शक्तियों की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 21 जनवरी, 2014 को सहयोग, संघर्ष और सुरक्षा के मुद्दों पर पैनल में "इंडिया रिलेशंस-द डायनामिक्स ऑफ़ कांगाजमेंट इन चाइना" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया.

रॉय, धृति

- 7-9 फ़रवरी 2014 को विश्वभारती, शांति निकेतन में बिकसुनीसंघा पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "रिट्राइविंग द फूटस्टेप ऑफ़ द फर्स्ट चाइनीज बुद्धिस्ट नन्स : सम रेफ्लेक्शंस ऑन द इंट्रोडक्शन ऑन द बिकसुनीसंघा इन चाइना इन द फिफ्थ सेंचुरी सीईशीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया ".
- 05-06 मार्च 2014 को भारतीय वायु सेना, बागडोगरा द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में : चाइनीज़ लैंग्वे"ज लर्निंग : ब्लेंडिंग ट्रेडिशनल क्लासरूम टीचिंग विद मॉडर्न ईशीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया "लर्निंग टेक्निक-.
- 12-14 दिसंबर, 2013 तक चीनी अध्ययन संस्थान, आईसीएस, नई दिल्ली द्वारा आईआईएम, कोझीकोड, केरल, में आयोजित चीनी अध्ययन पर 6ठे अखिल भारतीय

सम्मेलन में, " चाइनीज़ ह्यूमनिस्ट थॉट ऑन स्टेट एंड सोसाइटी : इज देअर समथिंग तो लर्न फ्रॉम चाइनीज़ फिलोसोफिकल राइटिंगस फॉर मॉडर्न गोवेन्मेंट्सशीर्षक से " एक पत्र प्रस्तुत किया.

- 9 अप्रैल 2013 को बागान प्रबंधन और अध्ययन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय और चाय बोर्ड, भारत द्वारा संयुक्त रूप से - विशेष संदर्भ में भारतीय चाय के परिदृश्य पेश करने के लिए आयोजित चाय संस्कृति और विज्ञान पर 9 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्राचीन चाय घोड़ा व्यापार मार्ग" (茶马古道) : सांस्कृतिक आदानप्रदान के चौराहे पर - "तसिक्किम का अती शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

अंग्रेजी विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : प्रोफेसर वासुदेव चक्रवर्ती (अनुबंध पर प्रोफेसर)
कार्यालय फोन नंबर : 03592-231551
ईमेल आईडी : english@cus. ac. in

संकाय विवरण

प्रोफेसर वासुदेव चक्रवर्ती 01-08-13 को अनुबंध पर प्रोफेसर के रूप में विभाग से जुड़े. . उन्होंने वर्ष 1995 में कल्याणी विश्वविद्यालय से अपने शोध थॉमस हार्डीज़ व्यू ऑफ़ हैप्पीनेस" : अ स्टडी ऑफ़ हार्डीज़ फिक्शनपर पीएचडी प्राप्त की ". उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र अंग्रेजी में दलित लेखन, भाषा विज्ञान, अनुवाद अध्ययन, अंग्रेजी और अंग्रेजी अनुवाद में भारतीय विभाजन गल्प और अंग्रेजी में विक्टोरियन उपन्यास हैं.

पी. एस. थापा, असोसिएट प्रोफेसर 01-08-13 को गेस्ट फैकल्टी के रूप में विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र अंग्रेजी में पूर्वोत्तर भारतीय लेखन है.

बिकाश शर्मा, सहायक प्रोफेसर 13-02-2014 को गेस्ट फैकल्टी के रूप में विभाग से जुड़े.

शोभा शर्मा, सहायक प्रोफेसर 2013/01/08 को गेस्ट फैकल्टी के रूप में विभाग से जुड़ीं. वह गुवाहाटी विश्वविद्यालय में पीएचडी कर रही हैं और उनके शोध का विषय है अ"कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ थे सोसिओ कल्चरल डीग्रेडेशन इन सिलेक्टेड पोयम्स ऑफ़ राजेन्द्र भंडारी एंड जयंता महापात्र" : और उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र पूर्वोत्तर भारतीय अंग्रेजी लेखन हैं.

चंपा छेत्री 07/08/2013 को गेस्ट फैकल्टी के रूप में विभाग से जुड़ीं

आयोजित सेमिनारव्याख्यान/सम्मेलन/

24 मार्च 2014 को कार्यक्रम के तहत "लेखक से मिलिए", 'द किंग्स हार्वेस्ट' के लेखक चेतन श्रेष्ठ को संकाय सदस्यों और विभाग के छात्रों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था.

हिंदी विभाग

अध्यक्षप्रभारी का नाम/ : श्री दिनेश शाहू
कार्यालय फोन नंबर : 03592 -
मोबाइल नंबर : 91-7864878427
ईमेल आईडी : dshahu@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ विक्रम थापा 01/08/2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2010 में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग से सबिस्नुदा"और गोस्वामी तुलसीदास की विचारधाराओं का तुलनात्मक अध्ययनविषय के शोध पर पीएचडी प्राप्त की ". उनकी विशेषज्ञता क्षेत्र आधुनिक उपन्यास साहित्य और हिंदी साहित्य का भक्तिकाल है.

श्री शैलेश शुक्ला, फरवरी 2014 में सहायक संकाय के रूप में विभाग में जुड़े. उन्होंने इग्नू से हिंदी और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से जनसंचार में एमए किया है. फ़िलहाल वे महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से न्यू मीडिया में"हिंदी साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ : एक आलोचनात्मक अध्ययनविषय पर पीएचडी कर रहे हैं ".

श्री दिनेश शाहू 23/04/2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग से 2012 में अपने शोध समकालीन"हिंदी और असमिया कहानियों में सामाजिक यथार्थपर " एमफिल की डिग्री प्राप्त की. वे फ़िलहाल पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय से अपने शोध "हिंदी के छायावाद और असमिया के रमण्यसवाद का तुलनात्मक अध्ययनपर पीएचडी कर " रहे है. उनकी रूचि के क्षेत्र अनुवाद, तुलनात्मक साहित्य और समसामयिक गल्प हैं.

प्रकाशन

शाहू, दिनेश "भूमंडलीकरण और भारती लोक संस्कृतिसमन्वय पूर्वोत्तर ", 19वाँ संस्करण,आईएसएसएन न. -2231-6132, पृ. सं. 12-16. . अप्रैल जून-2013.

नेपाली विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ कबिता लामा
कार्यालय फ़ोन न. : 03592-251342
मोबाइल न. : 9775841185/9832066182
ईमेल आईडी : klama@cus. ac. in

संकाय विवरण

प्रताप चंद्र प्रधान, प्राध्यापक, 24-06-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2006 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय से “आधुनिक नेपाली उपन्यासको प्रवर्तन मा भ्रमर” पर पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में पश्चिमी साहित्यिक आलोचना, आधुनिक कथा साहित्य और मोनोग्राफ हैं.

डॉ कबिता लामा, एसोसिएट प्रोफेसर, 2012/04/04 को विभाग से जुड़ीं. उन्होंने 1998 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से “भानुभक्त आचार्य काव्यकृतिको भाषिक अध्ययन” पर पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र आलोचना और बाल साहित्य हैं.

श्री बलराम पांडेय, सहायक प्रोफेसर, 2012/01/05 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2002 में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से अपने शोध "हेमंदास राई 'किरातका कथाहरुको विश्लेष्णात्मक अध्ययन” के लिए एमफिल प्राप्त की. वे उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के नेपाली विभाग में, "एक समाजभाषिक अध्ययन सिक्किमका लेपचाहरुको भाषिक ब्यवहार” शीर्षक से अपनी पीएचडी थीसिस पर काम कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञताओं के क्षेत्र सामाजिक-भाषाविज्ञान, नाटक और फोकलोरिसटिक्स हैं.

डॉ समर सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, 29-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से 2013 में अपने शोध तीय संकेत भाषा काभार" व्याकरण" पर पीएचडी प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र भाषा विज्ञान है.

श्री देवचन्द्र सुब्बा, सहायक प्रोफेसर, 2012/05/04 को विभाग से जुड़े. वे "नेपाली रितु काव्यहरुको परिवेशपरक अध्ययन" शीर्षक से अपनी पीएचडी के लिए शोध में लगे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र आलोचना और साहित्यिक सिद्धांत हैं.

प्रकाशन

प्रधान, प्रताप. "उषा र वचन उपन्यासमा पत्र निर्माण र प्रतुस्तिका मूल स्रोत र प्रणाली", काशी बहादुर श्रेष्ठ : व्यक्तित्व र कृतित्व)2013), नई दिल्ली : साहित्य अकादमी आईएसबीएन - 978-81-260-267-8.

लामा, कबिता

- भारतीय नेपाली बालसाहित्यमा नारी स्रष्टा, दार्जिलिंग : गामा प्रकाशन, 2014, आईएसबीएन 9789383405060.
- "समयका विम्बहरुमा समयका प्रतिध्वनि', कंका, आईएसएसएन - 2091-007X, खंड -21, (2013), 46-49.
- "नेपाली साहित्यको ऐतिहासिक यात्रामा महानंदा पौड्याल", बिकाश कार्की, संपा. परदेशी सालुवा, पश्चिम मेदिनापुर गिरि संस्थान, 2013, 135-145.

पांडेय, बलराम

- "कीरतका कथाहरुको शिल्पा", प्रदीप गुरुंग संपा). (हैमनदास राई 'कीरत' अभिनंदन ग्रंथ. दार्जिलिंग : श्याम ब्रदर्स प्रकाशन, 2014. 69-75.
- "नेपाली लोकवार्ता : अध्ययनका केही पक्ष", नेपाली अकादमी जर्नल, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 9 (9), (2013) 99-107.

सुब्बा, देवचन्द्र

- "उत्तराधुनिकतामा परिवेश बिमर्श", कंका, 1 आईएसएसएन - 2091-007X, खंड 21, (2013), 22-24.
- "परिवेश बिमर्श एक पठन", चरित्र, आईएसएसएन- 231, 9-3727, (2014), 207-222.
- "कविता र बिचार", समकालीन साहित्य, 2013, वेब. 2 अगस्त 2013.

- "महानंदा पौड्यालको समलोचकीय दृष्टिकोण", बिकाश कार्की संपा). परदेशी सालुवा (, पश्चिम मेदिनापुर गिरि संस्थान 2013, 227-236.

संगोष्ठीसम्मेलन/

प्रताप चंद्र प्रधान

- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 16 फ़रवरी 2013 को सुपा हॉल-धा-, साहित्य सम्मेलन भवन में आयोजित सेमिनार में पर "नेपाली गल्प में उभरती प्रवृत्तियों" पेपर प्रस्तुत किया.
- 16- 01-2014 को फिरोजशाह मेहता भवन, मुंबई विश्वविद्यालय में समकालीन नेपाली " पर "साहित्यपेपर प्रस्तुत किया.

बलराम पांडे

- 6-10 अगस्त 2013 के दौरान हिमालयन हेरिटेज रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी, सिक्किम, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिमालय संस्कृति, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेपचा लोकगीत और सामुदायिक पहचान का " पर "पुनर्निर्माणपेपर प्रस्तुत किया.
- 09-10 नवम्बर, 2013 को गंगटोक में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित नेपाली में उत्तर-औपनिवेशिक लेखन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, में "उत्तरऔपनिवेशिक नेपाली कवितामा - पर "प्रतिबिंबित आदिमता अनि देशीयता पेपर प्रस्तुत किया.

समर सिन्हा

- 26 मई से 14 जून, 2013 को कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में भारतीय पहाड़ों में 7 वें भाषाविज्ञान ग्रीष्म स्कूल)LISSIM) में पर "में दोहरीकरण भारतीय सांकेतिक भाषा" पेपर प्रस्तुत किया.
- 18-22 नवंबर 2013 को नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा लिंगविस्टिक डाटा कंसोर्टियम फॉर इंडियन लैंग्वेजेज (एलडीसी आईएलऔर सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ़ (इंडियन लैंग्वेजेज, मैसूर, कर्नाटक के सहयोग से आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर एक पांच दिन परिचयात्मक कार्यक्रम में भाषा प्रौद्योगिकी" : एक परिचय","पीओएस : एक परिचय 'और' नेपाली वर्णमालापर पेपर प्रस्तुत क "िया.

आमंत्रण पर व्याख्यान दिया

कबिता लामा

- 21/09/2013 को प्रेस क्लब, सिक्किम भवन में "सिक्किमको नेपाली साहित्यिक इतिहास : परम्परा, स्वरूप रा प्रवृत्तिपर एक व्याख्यान दिया ".
- 22 फरवरी 2014 को कम्प्यूटर साइंस विभाग, एसएमआईटी और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्राकृतिक भाषा संसाधन, पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में नेपाली आकृति विज्ञान पर एक व्याख्यान दिया

बलराम पांडे ने 5 सितंबर, 2013 को ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ओरिएंट ब्लैकस्वैन और भाषा अनुसंधान और प्रकाशन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से साहित्य अकादमी सभागार, नई दिल्ली में आयोजित भाषा, कला और संस्कृति, पर राष्ट्रीय परामर्श - भाषा प्रभा में, "पीपल्स लिंगविस्टिक सर्वे ऑफ़ इंडिया, सिक्किम, एक्सपीरियंस एंड फाइंडिंग्सपर एक व्याख्यान दिया ".

देवचन्द्र सुब्बा ने 24/11/2013 को सिलीगुड़ी नेपाली साहित्य संस्थान में सादकवि मनप्र" सुब्बा और उनके कविता संकलन भुइफुत्ता सब्दाहरूपर एक व्याख्यान दिया ".

समर सिन्हा ने 21-22 फ़रवरी 2014 को, कम्प्यूटर साइंस, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम विभाग के साथ सहयोग. से कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग, सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में "स्पीच टैगिंग-ऑफ़-पार्ट" और "ओरिजिंस ऑफ़ लैंग्वेज" पर एक व्याख्यान दिया

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

बलराम पांडे ने 20 दिसंबर, 2013 से 9 जनवरी 2014 तक यूजीसी एएससी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में नेपाली में दूसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनारव्याख्यान/सम्मेलन/

क्रम सं.	विषय	तिथि स्थान /	आयोजकों संयोजकों का नाम /

1	"प्राकृतिक भाषा संसाधनपर एक " कार्यशाला	18-22 नवंबर 2013 नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय में.	आयोजकएलडीसीआईएल-, सीआईआईएल, मैसूर, और सि. वि. का नेपाली विभाग. संयोजक डॉ समर सिन्हा -, सहायक. प्रोफेसर, नेपाली विभाग, सि. वि.
2	"नेपाली में उत्तर-औपनिवेशिक लेखन'विषय पर संगोष्ठी	9 और 10 नवंबर 2013, बराद सदन, 5 माइल,तादोंग, सिक्किम विश्वविद्यालय	आयोजक साहित्य अकादमी -, नई दिल्ली, नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से, संयोजक डॉ कबिता लामा -, एसोसिएट प्रोफेसर, नेपाली विभाग
3	"प्राकृतिक भाषा संसाधनपर एक " कार्यशाला	18-22 नवंबर 2013 नेपाली विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय में .	आयोजकएलडीसीआईएल-, सीआईआईएल, मैसूर, और सि. वि. का नेपाली विभाग. संयोजक डॉ समर सिन्हा -, सहायक. प्रोफेसर, नेपाली विभाग, सि. वि.

मानव विज्ञान विद्यापीठ

मानव विज्ञान विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : श्री जेल्ले जेपी वाउटर्स
मोबाइल नंबर : 91- 9609888787
ईमेल आईडी : anthropology@cus. ac. in

संकाय विवरण

श्री जेल्ले जेपी वाउटर्स जुलाई 2013 में गेस्ट फैकल्टी के रूप में विभाग में जुड़े. वे पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग में पीएचडी कर रहे हैं. वे फ़िलहाल नागालैंड के पहाड़ी समुदायों पर शोध कर रहे हैं जिसमे उनका फोकस वहाँ की राजनीतिक संस्कृतियों और भूमि और विकास के लिए राज्य और गैर राज्य दृष्टिकोण पर केंद्रित है. उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र सांस्कृतिक नृविज्ञान है.

डॉ मैबम सैमसन सिंह 01-08- 2013 को अतिथि संकाय के रूप में विभाग में जुड़े. उन्होंने वर्ष 2014 में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय द्वारा मणिपुर के" मेइती के बीच जीवन शैली और आहार के संबंध में मोटापा और स्वयं रिपोर्ट रुग्णताशीर्षक के शोध के लिए पीएचडी प्राप्त " की. उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र शारीरिक नृविज्ञान है.

प्रकाशन

- वाउटर्स, जेल्ले जेपी, 2014. "नगालैंड में लोकतंत्र प्रदर्शन : विगत राजनीति और वर्तमान राजनीति", इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, एक्सएलआईएक्स (16) : 59-66.
- वाउटर्स, जेल्ले जेपी और टंका बी सुब्बा. 2013 "भारतीय चेहरा, भारत का पूर्वोत्तर, और 'भारत का विचार", एशियन एंथ्रोपोलॉजी, 12 (2) : 126-140.
- टंका बी सुब्बा और जेल्ले जेपी वाउटर्स, 2013 "पूर्वोत्तर भारत : नृवंशविज्ञान और पहचान की राजनीतिबर्गर ", पी और एफ हेइदेमन संपा). में (द मॉडर्न एंथ्रोपोलॉजी ऑफ़ इंडिया एथनोग्राफी, थीम्स एंड थ्योरी. लंदन : रूटलेड्ज.
- जेल्ले जेपी वाउटर्स, 2013. "पुस्तक समीक्षा : रिफार्म, आईडेंटीटीज़ एंड नैरेटिवस ऑफ़ बेलोंगींग्स : द हेरेका मूवमेंट इन नार्थइस्ट इंडिया बी अर्कोटोंग लोंग्कुमर", नेहू जर्नल, XI (1) : 69-73.
- सिंह एमएस, द्खर जेडब्ल्यू. 2013, मणिपुर में बढ़ता मोटापा : मणिपुर के मेइती पुरुषों की उम्र और मोटापे के बीच संबंध. एंथ्रोपोलॉजिस्ट , 16 (3) : 753-756.
- सिंह एमएस, लोंग्कुमर टी 2013. मेइती और एओ नागा किशोरों में अधिक वजन और मोटापे का प्रसार. एंथ्रोपोलॉजिस्ट 16 (3) : 757-760.

आयोजित सेमिनारनव्याख्या/सम्मेलन/

क्रम सं.	**विषय**	**तारीख और स्थान**	**आयोजक (कों)संयोजक/(कों) का नाम**
1	"विकास नृविज्ञानश्रोचिसकार्की- "	1 और 2 सितम्बर 2014, मानव विज्ञान विभाग	मानव विज्ञान विभाग
2	वीमेन ऑन द एज : "एंजी", एक तिब्बती की केस स्टडी फैबीनी ली - हौएरौ	21 अक्टूबर 2013, सेमिनार हॉल, बराद सदन 12 नवंबर 2013 सेमिनार	मानव विज्ञान

3 4 5 6.	"पूर्वोत्तर भारत सीमा से परे : निर्वासन में मिजोप्रो विलेम वैन सेंडेल " "प्रवासन और अपनापन : दक्षिण भारत में पूर्वोत्तरवासीडा बीजी कार्लसन - " "राजनीतिक पारिस्थितिकीमाबेल - " जेर्गन "सिक्किम में समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान : पिछले पचास वर्ष " प्रो - अ सी सिन्हा	हॉल, बराद सदन 5 मार्च 2014, मानव विज्ञान विभाग 12 मार्च 2014,मानव विज्ञान विभाग 28 अप्रैल 2014, सेमिनार हॉल बराद सदन	विभाग मानव विज्ञान विभाग मानव विज्ञान विभाग मानव विज्ञान विभाग मानव विज्ञान विभाग और समाजशास्त्र विभाग

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

- वजन मापने की मशीन
- अन्थ्रोपोमीटर
- स्लाइडिंग कैलिपर
- स्प्रेडिंग कैलिपर
- स्किनफोल्ड कैलिपर
- ओस्टोमेट्रिक बोर्ड
- ब्लड प्रेशर मॉनिटर
- थर्मामीटर
- डिसआर्टिकुलेटेड स्केल्टन

भूगोल विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ सोहेल फिरदौस
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251137
मोबाइल नंबर : 91-9609223269
ईमेल आईडी : फिरदौस@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ सोहेल फिरदौस, एसोसिएट प्रोफेसर, 26-07-2010 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2001 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अपने शोध 'पर्यावरण संसाधन और आदिवासी अर्थव्यवस्था : हो, संथाल और बिरहोर की केस स्टडी" पर पीएचडी प्राप्त की. उनका वर्तमान अनुसंधान दो समूहों पर केंद्रित : निर्माण के पहले क्लस्टर अनुसंधान के दूसरे क्लस्टर प्राकृतिक संसाधनों और बीच संबंध है, जबकि भारत में शहरी विकास के संदर्भ में सामाजिक, स्थानिक बहिष्कार की एजेंसियों, प्रक्रियाओं और परिणामों को समझने की कोशिश आजीविका. विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों सामाजिक, स्थानिक बहिष्कार, संसाधनों और अर्थव्यवस्था और शहरी प्रशासन पर काम कर रहे हैं.

डॉ अब्दुल हन्नान, सहायक प्रोफेसर, 18-06-2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2007 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अपने शोध उत्तर बंगाल के इस्लामपुर उपखंड के एक " में कानून और घरेलू अर्थव्यवस्था (एसटीपी) मामले का अध्ययन रोजगार लघु चाय बागानों प्रभाव पर उनके" के लिए पीएचडी पाप्त की. वे बागान अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय विकास और विशेषज्ञता पर काम कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र आर्थिक भूगोल, कृषि भूगोल और विकास के भूगोल हैं.

डॉ. ई इश्वरजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, 2012/01/03 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2003 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से अपने शोध के लिए "मणिपुर में विकास पर्यटन"पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल भू आकृति विज्ञान और पर्यटन प्रक्रियाओं-पर अनुसंधान कर रहे हैं.

डॉ रफीउल अहमद, सहायक प्रोफेसर 26-06-2010 को विभाग से में जुड़े. उन्होंने वर्ष 2010 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से अपने शोध "कॉन्टेस्टिंग जिओ-बॉडीज एंड राइज ऑफ़ सब-नेशनललिज्म इन नार्थ-इस्ट इंडिया : अ केस स्टडी ऑफ़ नागाज़ एंड खासीज़" पर पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल पूर्वोत्तर भारत में अल्प विकास की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर काम कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र ध्यान केंद्रित मानव भूगोल, असम में पूर्वी हिमालय में साम्राज्य, और हिंसा की कार्टोग्राफिज़ की भौगोलिक है.

डॉ उत्तम लाल, सहायक प्रोफेसर 26-06-2010 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2010 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से "पश्चिमी हिमालय के पहाड़ के पारिस्थितिकी तंत्र में पर्यावरण की कमी और विकास की प्रक्रिया किन्नौर के एक मामले का अध्ययन" पर पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल अनुसंधान हिमालय से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं. डॉ लाल की शैक्षणिक रूचि हिमालय पर्यावरण, उच्च स्थानों के समुदाय और चारागाह की गतिशीलता में है.

डॉ विमल खवास, सहायक प्रोफेसर 29-05-2013 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2009 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से अपने शोध "हिमालय में पर्यावरण के मुद्दों और मानव सुरक्षा : पूर्वी नेपाल और सिक्किम का एक तुलनात्मक अध्ययन" पर पीएचडी प्राप्त की. वे फ़िलहाल पूर्वी हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण और विकास के मुद्दों पर अनुसंधान कर रहे हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र समकालीन पर्यावरण के मुद्दे, क्षेत्रीय योजना और पूर्वी हिमालय के विकास से संबंधित मुद्दे हैं.

प्रकाशन

हन्नान, ए.

- "भारत में संस्थागत नवाचार और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजीएस)" चर्चा पत्र सं. 25. *राष्ट्रीय बागान विकास अनुसंधान कार्यक्रम(*एनआरपेजडी), विकास अध्ययन केंद्र, तिरुअनंतपुरम पर आधारित वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 2013, पृ. सं. 1-5.
- "चाय उद्योगों के अंतर्गत चाय उत्पादन सोसाइटी की आलोचनात्मक संवीक्षा", *पूर्वोत्तर भारत में गरीबी, मानव अधिकार और छोटे चाय उत्पादक* में (जे. जॉन द्वारा संपादित), शिक्षा एवं संचार केंद्र, नई दिल्ली, 2013. पृ. सं. 59-67
- "चाय उद्योगों के असंगठित खंड और उत्तर बंगाल के विशेष परिप्रेक्ष्य में भारत के छोटे चाय उत्पादकों की जीवन क्षमता", *जर्नल ऑफ रिजनल इकनॉमिक स्टडीज़,* अर्थशास्त्र विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, खंड IV, 2012-2013.

अहमद, रफीउल. "उत्तेजना, विवाद और उत्तर औपनिवेशिक स्थिति : असम में बांग्लादेशी विरोधी क्रोध को समझते हुए", परसेप्शन *: जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स,* खंड 29, सं. 1, पृ. सं. 55-70, 2014.

खवास, विमल और दीपा जोशी, "ऊर्जा के लिए पानी : सिक्किम, हिमालय में जल विकास की नई रुझान" *सोशियोलॉजी ऑफ डिसप्लेसमेंट : पॉलिसीज एंड प्रैक्टिस.* संपादक : सोम्याजी सकर्मा और सुस्मिता दासगुप्ता, जयपुर : रावत, 2013. 143-164. प्रिंट (आईएसबीएन : 9788131605974).

संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ सोहेल फिरदौस

- 29-30 मार्च 2013 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा भारत में भूगोल के शिक्षण और अनुसंधान पर पुनर्विचार विषय पर आयोजित सीएसआरडीएएस संवर्धन में "सामाजिक और स्थानिक बहिष्करण में शहरमुखी भारत" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 11-13 फ़रवरी 2014 को पूर्वोत्तर अध्ययन एवं नीति अनुसंधान केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा पूर्वी हिमालय : लिंग, गरीबी और आजीविका विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आजीविका परिवर्तन के प्रबंध और शहरी जोखिम" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 16-18 जुलाई 2013 को जलवायु सेवा केंद्र (सीएसी), हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा जलवायु प्रेरित प्रवासन पर कार्रवाई पर आयोजित हैम्बर्ग सम्मेलन में "पूर्वी हिमालय में जलवायु प्रेरित प्रवासन और शहरी जोखिम" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. अब्दुल हन्नान

- 31 मार्च और 1 अप्रैल 2014 को त्रिवेंद्रम, केरल में राष्ट्रीय बागान विकास अनुसंधान कार्यक्रम (एनआरपेजडी), विकास अध्ययन केंद्र द्वारा भारत के बागान क्षेत्र में उभरते मुद्दे विषय पर आयोजित और वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में स्रोत विद्वान के रूप में भाग लिया.

डॉ. उत्तम लाल

- 13-14 अप्रैल 2013 को गंगटोक में अंतर्राष्ट्रीय संबंध/राजनीति विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से अहिंसक विकल्प के फ़ाउंडेशन (एफ़एनवीए), नई दिल्ली द्वारा हिमालय-II के साथ तिब्बत के संबंध विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फूट-ट्रेल्स टू टीबेट : कनैक्टिंग कम्यूनिटीज इन टाइम एंड स्पेस-ए-केस सिक्किम" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 4-6 जुलाई 2013 को ऑस्ट्रियाई विज्ञान अकादमी, वियना द्वारा नस्ल वार्ता : पूर्वोत्तर भारत में राजनीति और सांस्कृतिक पहचान के प्रदर्शन विषय पर आयोजित सम्मेलन में "क्रॉस बार्डर इंटरैक्शन्स टू ट्रेप्ड आईडेंटिटी : अ केस स्टडी ऑफ सिक्किम" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 11-12 अक्टूबर 2013 को इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में हिमालय-III के साथ तिब्बत का संबंध विषय पर आयोजित सम्मेलन में "फूट-ट्रेल्स टू टीबेट : कनैक्टिंग कम्यूनिटीज इन टाइम एंड स्पेस-ए-केस सिक्किम" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 7-8 दिसंबर 2013 को कलकत्ता विश्वविद्यालय में न्यू स्कूल, न्यूयॉर्क और यूसीएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तृतीय भारत-चीन संवाद में "खंडित सड़क मार्ग के माध्यम से सटरिंग खंडित भौगोलिकता" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 1-2 दिसंबर 2013 को कालिम्पोंग में एफ़ओएसईएफ़ और फ्रेडरिच एबर्ट स्टीफ्टंग फ़ाउंडेशन, जर्मनी द्वारा जलवायु परिवर्तन और पहाड़ी क्षेत्र : जागरूकता, अनुकूलन और स्थिरता विषय पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पश्चिमी हिमालय में आजीविका चुनौतियाँ और जलवायु परिवर्तनशीलता" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. विमल खवास ने 1-2 अगस्त 2013 को आईआईएएसए-ऑस्ट्रेलिया, आरएसपीएन-पाकिस्तान और वाईपीएसए-बांग्लादेश, नई दिल्ली के साथ आईआरएमए-इंडिया द्वारा 'हिमालय की नदियों की घाटियों में जलवायु के अनुरूप आजीविका के लिए मार्ग' विषय पर आयोजित सम्मेलन में "हिमालय की नदियों के घाटियों में पारंपरिक ज्ञान : दार्जिलिंग-सिक्किम हिमालय में आपदा जोखिम में कमी की एक केस स्टडी" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आमंत्रण पर व्याख्यान

डॉ. सोहेल फिरदौस ने 20 दिसंबर 2013 को मालदा कॉलेज, पश्चिम बंगाल के आमंत्रण पर "भारत में सामाजिक और स्थानिक बहिष्करण" विषय पर व्याख्यान दिया.

डॉ. अब्दुल हन्नान

9 अप्रैल 2013 को गंगटोक में उद्यानिकी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा चाय संस्कृति और विज्ञान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में सिक्किम और उत्तर बंगाल के विशेष संदर्भ में भारत में रोजगार, आजीविका और चाय बागान" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया.

- 22-23 फरवरी 2014 को जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में भारतीय छोटे चाय उत्पादकों के संघ (वीआईएसटीए) द्वारा आयोजित छोटे चाय उत्पादकों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में रोजगार, आजीविका और छोटे चाय उत्पादक" शीर्षक पर व्याख्यान दिया.

डॉ. रफीउल अहमद ने 27-28 जून को अंकारा, सामरिक अनुसंधान केंद्र (एसएएम), गृह मंत्रालय, तुर्की द्वारा ट्रेंसकल्चरल एशिया : अनलर्निंग कोलोनियल/इंपीरियल पावर रिलेशन

पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानचित्र कला संबंधी चिंता और सीमा, जनगणना और नागरिकता के फिक्शन : असम में उत्तर औपनिवेशिक स्थिति को समझते हुए" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान

क्र. सं.	**विषय**	**तिथि और स्थान**	**आयोजक/संयोजक के नाम**
1	तीस्ता की सांस्कृतिक पारिस्थितिकी	25-26 मार्च, 2014, नए शैक्षणिक भवन, सिक्किम विश्वविद्यालय	डॉ. सोहेल फिरदौस और डॉ. विभा अरोरा, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला और सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित
2	पूर्वोत्तर भारत में अल्पसंख्यकों के समावेश और विकास की प्रक्रिया विषय पर अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली की सहायता से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी	22-23 मार्च 2014	डॉ. अब्दुल हन्नान और सांगमु थेंडुप

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिमुखी कार्यक्रम

डॉ. अब्दुल हन्नान

- 18 जुलाई से 14 अगस्त 2013 तक यूजीसी-एएससी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में आयोजित 15वें अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.
- दिसंबर 16 से 27 दिसंबर 2013 तक एनयूपीए, नई दिल्ली में "शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान की पद्धति" पर आयोजित दो सप्ताह के अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. विमल खवास ने 25 अप्रैल से 22 मई 2014 तक यूजीसी शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में आयोजित 14वें अभिमुखी कार्यक्रम में भाग लिया.

डॉ. ई. ईश्वरजीत सिंह ने नवंबर 2013 में बंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित 48वें अभिमुखी पाठ्यक्रम में भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

एआरसीजीआईएस सॉफ्टवेर की लाइसेन्स प्राप्त हुई.

परियोजना

प्रधान अन्वेषक का नाम : डॉ. सोहेल फिरदौस
परियोजना का शीर्षक : 'सिक्किम में भूमि और लिंग से संबन्धित मुद्दे.
परियोजना अवधि : जनवरी से जून 2014.
धन के स्रोत : लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकैडमी, मसूरी

प्रधान अन्वेषक का नाम : मनेश चौबे, अब्दुल हन्नान और विमल खवास (सह-अन्वेषक)
परियोजना का शीर्षक : भारत और बांग्लादेश के ऊपरी और निचली नदी तट में तीस्ता नदी सिस्टम द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवा का मूल्यांकन.
परियोजना अवधि : 7 जुलाई 2013 –15 मार्च 2014
धन के स्रोत : अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन)

प्रधान अन्वेषक का नाम : डॉ. उत्तम लाल, डॉ. सोहेल फिरदौस (सह प्रधान अन्वेषक)
परियोजना का शीर्षक : हिमालय क्रायोस्फेयर : विज्ञान और समाज
परियोजना अवधि : अप्रैल 2013 – अप्रैल 2018
धन के स्रोत : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

प्रधान अन्वेषक का नाम : डॉ. विमल खवास
परियोजना का शीर्षक : हिमालय में आपदा जोखिम कम करने के लिए पारंपरिक ज्ञान के अनुप्रयोग : दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय का एक केस
परियोजना अवधि : 1 अप्रैल 2013 – 31 मार्च 2016
धन के स्रोत : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)

प्रधान अन्वेषक का नाम : दीपा जोशी और विमल खवास (सह प्रधान अन्वेषक)
परियोजना का शीर्षक : जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में जलविद्युत विकास : पूर्वी हिमालय में स्केल और सीमाओं के पार संघर्षों का तलाश और सहयोग बढ़ाना"
परियोजना अवधि : जनवरी 2014 – दिसंबर 2017
धन के स्रोत : नीदरलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन (एनडबल्यूओ) और वैश्विक विकास के डबल्यूओटीआरओ विज्ञान

वर्ष के दौरान विभाग से जुड़े हस्ताक्षरित सहयोगिता/सम्झौता ज्ञापन

डॉ. उत्तम लाल क्रायोस्फेयर और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन के लिए अंतर्विश्वविद्यलय संघ पर सम्झौता ज्ञापन के नोडल अधिकारी थे. चार भारतीय विश्वविद्यालयों अर्थात जेएनयू, जम्मू विश्वविद्यालय, कश्मीर विश्वविद्याय और सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा संघ बनाई गई है. इस संघ को विज्ञान और प्रयद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की आर्थिक सहायता मिली है.

मनोविज्ञान विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. सत्यानंद पंडा
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251774
मोबाइल नंबर : 91-9547909620
ईमेल आईडी : psychology@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. नूतनकुमार एस. थिंगुजाम, सहायक प्रोफेसर मार्च 2012 में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2003 में पुणे विश्वविद्यालय से "डैथ एंजाइटी" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे मानव की आवाज के माध्यम से भावना की अभिव्यक्ति और इसकी पहचान (प्रोसोडिक और गैर-भाषिक दोनों) के शोध में ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सामाजिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक मनोविज्ञान शामिल हैं.

डॉ. सत्यानंद पंडा, सहायक प्रोफेसर जुलाई 2009 में विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2009 में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से 'ए स्टडी ऑफ डाइएग्नोस्टिक यूटिलिटि ऑफ सिंगल वीएस जाइंट ओकरेंस ऑफ वर्ड एसोशिएशन इमोश्नल इंडिकेटर्स" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे आत्महत्या, पदार्थ का उपयोग, तनाव और चिंता पर शोधकार्य कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक, नैदानिक और स्वास्थ्य मनोविज्ञान शामिल हैं.

प्रकाशन

डॉ. नूतनकुमार एस. थिंगुजाम

- थिंगुजाम, एन. एस. (2014). फ्युचर रिचर्स डाइरैक्शन ऑन डिकोडिंग एनिमल वेल-बिंग : द केस ऑफ द हॉर्स. *फ्रंटियर्स इन साइकॉलजी,* 5173, डीओआई : 10. 3389/

एफ़पीएसवाईजी. 2014. 00173. पब्लिशर : फ़्रंटियर्स, लुसाने, स्विट्जरलैंड. आईएसएसएन : 1664-1078. एसजेआर -1,110.

- लौक्का,पी, एल्फेनबिन. एच. , सोडर. एन. , नर्डस्ट्रोम , एच. , अलदोफ़, जे. , छुई, डबल्यू. , इराकी, एफ़. , रॉकस्टूल, टी. , और थिंगुजाम, एन. एस. (2013). क्रॉस-कल्चरल डिकोडिंग ऑफ पॉज़िटिव एंड नेगेटिव नॉनलिंगुइस्टिक इमोशन वोकलाइज़ेशन्स. *फ़्रंटियर्स इन साइकॉलजी.* 4, 353. डीओआई : 10. 3389/एफ़पीएसवाईजी. 2013. 00353. पब्लिशर्स : फ़्रंटियर्स, लुसाने, स्विट्जरलैंड, आईएसएसएन : 1664-1078, एसजेआर =1,110.
- लौक्का, पी. , इरोला, टी. ,थिंगुजाम, एन. एस. , यमस्की, टी. ,और बेलर. जी. (2013) संगीतमय प्रभावी अभिव्यक्ति की मान्यता एवं प्रदर्शन में सार्वजनिक और संस्कृति विशिष्ट कारक. *इमोशन,13,* 434-449. पब्लिशर्स : अमेरीकन साइकोलोजिकल असोशिएशन, वॉशिंग्टन. प्रभावी कारक : 3. 875, आईएसएसएन : 1528-3542.

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला

डॉ. सत्यानंद पंडा

- 2 फरवरी 2014 (रविवार) को मनोविज्ञान अध्ययन विद्यापीठ, पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा स्वास्थ्य मनोविज्ञान : भारत के संदर्भ में विषय पर आयोजित स्वर्णजयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी में "व्यावसायिक तनाव के पूर्ववृत्त" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 10-12 फरवरी 2014 को समाजशास्त्र अध्ययन विद्यापीठ, पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर (सी. जी.) द्वारा 21वीं सदी में सामाजिक चुनौतियाँ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ग्रामीण स्वास्थ्य की चुनौतियाँ और शिक्षा" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 14-15 मई 2013 को गंगटोक में फोगर्ती इंटरनेशनल सेंटर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यूएसए और इंडो-यूएस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा "पुरानी गैर-संचारी रोग" पर अनुदान लेखन पर आयोजित कौशल निर्माण कार्यशाला में भाग लिया.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिमुखी कार्यक्रम

डॉ. सत्यानंद पंडा ने 2014 में यूजीसी द्वारा प्रायोजित अभिमुखी कार्यक्रम और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

विभाग की प्रयोगशाला में नेत्र ट्रैकिंग प्रौद्योगिकी सफलतापूर्वक स्थापित किया गया.

- टॉबी आइ ट्रैकर टीएक्स 300
- टॉबी आइ ट्रैकर एक्स2-30
- टॉबी स्टूडियो एंटरप्राइज़

व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ

शिक्षा विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी अध्यक्ष का नाम : प्रो. नरेंद्र मोहन पैनी (अनुबंध आधारित)
कार्यालय फोन नंबर : +91-3592-251543
ईमेल आईडी : education@cus. ac. in

संकाय विवरण

प्रो. एन. एम. पैनी (प्राध्यापक, अनुबंध पर, जुलाई 2013 से दिसंबर 2013 तक)
श्री देवी कला लामा (अतिथि संकाय, जुलाई 2013 से दिसंबर 2013 तक)
सुश्री आवृति शर्मा (अतिथि संकाय, जुलाई 2013 से दिसंबर 2013 तक)
डॉ. मोना श्री प्रधान (अतिथि संकाय, फरवरी 2014 से जून 2014 तक)

सुश्री प्रशंसा सुब्बा (अतिथि संकाय, फरवरी 2014 से जून 2014 तक)

वाणिज्य विभाग

विभाग के अध्यक्ष का नाम. : डॉ. ए. एन. शंकर
मोबाइल नंबर : 9434510004/8293829270
ईमेल आईडी : anshankar@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. ए. एन. शंकर, सह प्राध्यापक 09/03/2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2009 में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय से "सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी रिपोर्टिंग इन इंडियन कॉर्पोरेट सैक्टर : एन इम्पिरिकल स्टडी" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे वाणिज्य विभाग में कार्यरत है और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लेखा, वित्त और ई-कॉमर्स शामिल हैं.

श्री विवेक तामङ, सहायक प्रोफेसर 30-04-2012 को विभाग से जुड़े. वे वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संस्थान में शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लेखा और वित्त शामिल हैं.

श्री खिरज छेत्री सितंबर 2013 में अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. वे वर्तमान विभाग में शोध स्कॉलर के रूप में वित्त और लेखा के क्षेत्रों में शोध कर रहे हैं.

श्री प्रोमेश छेत्री सितंबर 2013 में अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. वे वर्तमान वाणिज्य विभाग में शोध स्कॉलर के रूप में शोध कर रहे हैं.

प्रबंधन विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी अध्यक्ष का नाम : डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251968
मोबाइल नंबर : 91-918116355194
ईमेल आईडी : skumar@cus. ac. in

संकाय विवरण

डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर 09-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2011 में वीवीएस पूर्वाञ्चल स्टेट विश्वविद्यालय से "मैनेजमेंट ऑफ ब्रोकिंग हाउसेज इन इंडिया : अ केस स्टडी ऑफ इंडियन बुल्स" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे ग्रामीण बाजार, वित्त और एकीकृत मार्केटिंग के क्षेत्रों में शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग और निवेश प्रबंधन शामिल हैं.

डॉ. प्रदीप कुमार दास, सहायक प्रोफेसर 23-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2010 में बर्द्धवान विश्वविद्यालय से "रोल ऑफ मैनेजमेंट ट्रेनिंग एंड डेव्लपमेंट इन एन्हेंसिंग मैनेजिरियल इफैक्टनेस : अ स्टडी ऑन नेशनल बैंक फॉर एग्रिकल्चर एंड डेव्लपमेंट" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे प्रशिक्षण और विकास, मानव संसाधन प्रबंधन और औद्योगिक संबंध पर शोध कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में संस्थागत व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, आर्थिक और औद्योगिक संबंध शामिल हैं.

प्रकाशन

प्रदीप कुमार दास

- *"प्रबंधकीय प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए प्रबंधन प्रशिक्षण और विकास की भूमिका".* एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, 2014. आईएसबीएनपी : 978-93-5130-199-8. नई दिल्ली.
- "सिक्किम में पर्यटन उद्योग की समस्याएँ और संभावनाएं". *जर्नल ऑफ सोशल साइन्स रिसर्चर,* 5(3) (2014) : 32-43. आईएसएसएन 2319-6181.
- "शैक्षिक वातावरण पर सेल फोन के उपयोग के प्रभाव : सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों का एक अध्ययन". *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अकैडमिक रिसर्च फॉर मल्टी डिसिप्लिनरी,* 1(12) (2014) : 107-113. आईएसएसएन 2320 -5083.
- "सफलता और विफलता के गुण : एक छात्र के परिप्रेक्ष्य में". *इंडियन जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च,* 3(5) (2013) : 397-399. आईएसएसएन 2249-555एक्स.

शैलेंद्र कुमार

- "पश्चिमी और भारतीय कार्य संस्कृति पर आर्थिक मंदी का प्रभाव", *आत्मबोध,* 8(2) (2013) : 29-31. आईएसएसएन . 0972-1398.
- शैलेंद्र कुमार "ग्रामीण भारत मे उपभोक्ता आचरण में बदलाव : एक केस स्टडी" *हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेस,* 3(1) (2013) : 32-38. आईएसएसएन 2231-6639.

- "पूर्वोत्तर भारत में मलेरिया की चुनौतियाँ : पूर्वी सिक्किम का एक केस स्टडी". *हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेस,* 3(1) (2013) : 32-38. आईएसएसएन 2231-6639.

संगोष्ठी/सम्मेलन

प्रदीप कुमार दास

3-5 अक्टूबर 2013 को बॉटनी विभाग और सिक्किम मेडिसिनल प्लांट बोर्ड द्वारा औषधीय पौधों के अनुसंधान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और औषधीय पौधों पर आयोजित विशेष बैठक में "क्षमता निर्माण की महत्वपूर्ण चुनौतियाँ और पूर्वी हिमालय में सामुदायिक सशक्तिकरण", शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

19 अक्टूबर 2013 को भूगोल विभाग, सिक्किम सरकारी कॉलेज द्वारा दक्षिण एशिया में मानव संसाधन गतिशीलता विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक सम्मेलन में "प्रवासन का प्रबंध" 19 अक्टूबर 2013 शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
18 अक्टूबर 2013 को जेएसआईएमआर द्वारा प्रबंधन सिस्टम विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जेएसआईएमआरएआईसी-13 में "सिक्किम के 5वें मील और 6ठे मील क्षेत्रों के दूकानदारों पर सिक्किम विश्वविद्यालय के आर्थिक प्रभाव" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

शैलेंद्र कुमार

- 5 अप्रैल 2013 को उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज, वाराणसी में भारत में कार्य संस्कृति पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पश्चिमी और भारतीय कार्य संस्कृति पर आर्थिक मंदी के प्रभाव" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9 अप्रैल 2013 को भारत के चाय बोर्ड और सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा चाय संस्कृति और विज्ञान भारतीय चाय क -वर्तमान परिदृश्य के विशेष संदर्भ में विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "असम के छोटे चाय उत्पादक : समस्याएं और संभावनाएं". शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 29-30 अप्रैल 2013 को हर्कमाया शिक्षा कॉलेज और सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा आयोजित और एनएएसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत

में उच्च शिक्षा : गुणवत्ता के मुद्दे और अध्यापन विकास की आवश्यकता" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 22 नवंबर 2013 को प्रबंधन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत में निवेशक जागरूकता पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में "पूर्वोतर भारत में निवेशक जागरूकता" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 6-7 मार्च 2013 को जामिया मिलिया इस्लामिया में जलवायु परिवर्तन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु परिवर्तन और लिंग" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान

क्र. सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजक/संयोजक के नाम
1	पूर्वोत्तर भारत में निवेशक जागरूकता	22-23 नवंबर 2013, बराद सदन	डॉ. शैलेंद्र कुमार

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिमुखी कार्यक्रम

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने जनवरी से फरवरी 2014 तक जामिया मिलिया इस्लामिया में जनसंचार पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

1. स्मार्ट बोर्ड उपकरण
2. उच्च गूणवत्तापूर्ण चार स्पीकर
3. दो गूजनेक माइक
4. एक कोलर माइक
5. एक डॉकयुमेंट कैमरा
6. क्लासरूम के लिए एक सीपीयू
7. एक वाल माउंट सीलिंग प्रोजेक्टर

विभाग में विशेष व्याख्यान

23 नवंबर 2013 को बोम्बे स्टॉक एक्स्चेंज से आए श्री प्रत्युष सेन गुप्ता ने एमबीए और बीबीए के छात्रों के लिए पोर्टफोलियो मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान दिया.

जनसंचार विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : श्री मनोज दास
कार्यालय फोन नंबर : 03592-251702
मोबाइल नंबर : 91-9593386698
ईमेल आईडी : mkdas@cus. ac. in

संकाय विवरण

श्री मनोज दास, सहायक प्रोफेसर 25-06-2010 को विभाग से जुड़े. उन्होंने असम विश्वविद्यालय से एमफ़िल की डिग्री प्राप्त की और संस्कृति, मीडिया और शासन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में पीएचडी कर रहे हैं. उनकी रुचियों के क्षेत्रों में मीडिया मानवशास्त्र, टेलिविजन अध्ययन, विकास समर्थित संचार और मीडिया नीति शामिल हैं. वर्तमान वे दूरदर्शन पर दिखाये गए धर्म के मानवशास्त्रीय अध्ययन कर रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में मीडिया मानवशास्त्र और टेलिविजन अध्ययन शामिल हैं.

सुश्री जेस्मिन यिमचुंगर, सहायक प्रोफेसर ने 26-03-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद से जनसंचार में मास्टर डिग्री प्राप्त की. वर्तमान वे उसी विश्वविद्यालय से "टेलिविजन और नागालैंड की युवा संस्कृति" विषय पर पीएचडी कर रही हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में टेलिविजन अध्ययन, संचार और संस्कृति और दर्शक/स्वागत अध्ययन शामिल हैं.

संगोष्ठी/सम्मेलन

- महेंद्र पी. गुरुङ, एमफ़िल स्कॉलर ने 22. 03. 2014 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत में अल्पसंख्यकों के समावेश और विकास की प्रक्रिया विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिक्किम में सकारात्मक कार्रवाई के मुद्दे : गतिशीलता, प्रवसन और जटिलताएँ" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- दीप मनि गगोई और उगेन भूटिया, एमफ़िल स्कॉलर ने 28. 02. 2013 को उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा भारत में उत्तर उदारीकरण लोकतान्त्रिक अनुभव पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में उदारीकरण और स्वतंत्र प्रैस के मुद्दे" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- दीप मनि गगोई और उगेन भूटिया, एमफ़िल स्कॉलर ने 24.04.2013 को असम विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर में सांस्कृतिक विविधता, प्रतिवाद और विविधता प्रबंधन की रूपरेखा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सगोष्ठी में "विविधता की समंजस्यता ; सिक्किम में विविधता का प्रबंधन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- पृवत गिरि और सौरभ थापा, एमफ़िल स्कॉलर ने 24. 04. 2013 को असम विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर में सांस्कृतिक विविधता, प्रतिवाद और विविधता प्रबंधन की रूपरेखा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सगोष्ठी में "सिक्किम में बांध विरोधी आंदोलन : भूटिया और लेपचा पहचान की पुन: दावेदारी" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान

क्र. सं.	विषय	तिथि और स्थान	आयोजक/संयोजक के नाम
1	श्री अमिताभ दत्त, निदेशक, कलकत्ता मीडिया संस्थान एवं उपाध्यक्ष, आनंद बाजार पत्रिका ग्रुप ने "मीडिया क्षेत्र में उभरती कैरियर के अवसर" विषय पर व्याख्यान दिया.	20. 2. 14, बराद सदन, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक	मनोज दास

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिमुखी कार्यक्रम

मनोज दास ने अक्टूबर से नवंबर 2013 तक एएससी, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित अभिमुखी पाठ्यक्रम में भाग लिया.

वर्ष के दौरान लिए गए उपकरण

क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**	**ब्रांड**
1	कैमकोर्डर (प्रॉफेश्नल) पीएमडबल्यू 150 एक्सडीसीएएम एचडीआर	3	सोनी

	422		
2	वायरलेस लैपल माइक्रोफोन (ईएनजी सेट) मॉडल ईडबल्यू 112-पी जी3	3	सेनहीजर
3	वायरलेस कार्डोइड हैंडहेल्ड माइक्रोफोन मॉडल ईडबल्यू 135- पी जी3	2	सेनहीजर
4	टेली लेंस 150-500एमएम एफ़/5-6. 3 डीजी ओएस एचएसएम एपीओ	1	सिग्मा
5	लेंस 18-135एमएम ईएफ़-एस 18-135एमएम एफ़/3. 5-5. 6 आईएस (वाइड से मिड रेंज टेली तक)	2	कैनन
6	मल्टी कैमरा सोनी एनसीएस-8एम के लिए ऑनलाइन विडियो स्विचर	1 सेट	सोनी
7	प्रॉफेश्नल मास्टर कंट्रोल मॉनिटर 15" एसडी/एचडी-एसडीआई, अंतिम आउटपुट के लिए घटक. सोनी एलएमडी-1530	1	सोनी
8	कैमरा प्रीव्यू मॉनिटर 18. 5" एचडीएमआई आउटपुट नार्मल. एओसी	4	सोनी
9	मोटर संचालित प्रॉजेक्टर स्क्रीन 120''x 96''	1	लिबर्टी
10	प्रॉजेक्टर (डेल 1510एक्स बेस)	1	डैल
11	यामाहा संचालित मॉनिटर स्पीकर (एचएस 7, 55 डबल्यू)	1 जोड़ी	यामाहा

संगीत विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : जयंत कुमार बर्मन
कार्यालय फोन नंबर : 03592-232225
मोबाइल नंबर : 91-8013217155
ईमेल आईडी : jkbarman@cus. ac. in

संकाय विवरण

श्री जयंत कुमार बर्मन, सहायक प्रोफेसर 27-02-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने 2012 में जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबेरेवाला विश्वविद्यालय, झुनझुनू, राजस्थान से "उत्तर बांग्ला के लोक नाट्य रूप की सांगीतिक पधाशन का अध्ययन और विश्लेषण" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में उत्तर बंगाल (राजवंशी) और नेपाली लोक संगीत शामिल हैं.

डॉ. कृष्णेन्दु दत्त, सहायक प्रोफेसर 14-05-2012 को विभाग से जुड़े. उन्होंने वर्ष 2004 में रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से "उत्तर भारतीय संगीत के नयी ताल रीति के उद्भावन और तबले और अन्य वाद्य यंत्रों के प्रयोग की विधियाँ" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में तबला और संगीतशस्त्र शामिल हैं.

सुश्री समिधा वेदबाला, सहायक प्रोफेसर 02-03-2012 को विभाग से जुड़े. वे रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से "20वीं और 21वीं सदी में सितार वाद्य के शैलीगत विकास" विषय पर शोध कर रही हैं. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सितार शामिल है.

प्रकाशन

डॉ. जयंत कुमार बर्मन, *उत्तरबंग की भव्य सुरलिपि,* उत्तरबंग अनुसंधान और हेरिटेज फ़ाउंडेशन, कूचबेहर, 2013

डॉ. कृष्णेन्दु दत्त

अनोधावाद्य की बोललिपि भावना. आईएसबीएन 978-81-924455-8-8. कोलकाता : एशियन पब्लिशर्स, 2014.

तबलाकोश एशियन पब्लिशर्स, कोलकाता, आईएसबीएन 978-93-84105-00-6. 2014

प्रतिस्थानिक शिक्षा में बोल-लिपि का प्रयोग, आईएसबीएन 978-81-928763-0-66. कोलकाता : रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, 2014.

संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. जयंत कुमार बर्मन

- 06-10 अगस्त 2013 को आईसीसीआर और सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से एचएचआरडीएस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हिमालय जातीय समूहों की संस्कृति परंपरा और स्वदेशी ज्ञान" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 18-19 जनवरी 2014 को सीडीएसआर, रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से कृष्णनगर महिला कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भवैया संरक्षण एकटी नवगठित स्वरलिपिर प्रस्तावना" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9 फरवरी 2014 को उत्तरबंग अनुसंधान और हेरिटेज फाउंडेशन, कूचबेहर और राजवंशी हेरिटेज फाउंडेशन, असम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लुप्त संस्कृति के संधान में" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

डॉ. कृष्णेन्दु दत्त

- 16-18 दिसंबर 2013 को रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में भारतीय संगीत में वैश्वीकरण का प्रभाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "प्रतिष्ठाणिक शिक्षा में बोललिपि के प्रयोग" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 18-19 जनवरी 2014 को सीडीएसआर, रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से "भवैया संरक्षण में एक नवगठित स्वर लिपि की प्रस्तावना" शीर्षक पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मटवा के सांगीतिक और सांस्कृतिक अध्ययन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 30-31 जनवरी 2014 को साहित्य अकैडमी के सहयोग से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रबीन्द्र संगीत के विविध पर्जया गीतों पर लोकगीतों का प्रभाव" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 25-26 मार्च 2014 को रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय संगीतों पर वैश्वीकरण का प्रभाव विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय संगीतों का रूपांतर : सामंततंत्र से विश्वायन के मार्ग में" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 9 फरवरी 2014 को उत्तरबंग अनुसंधान और हेरिटेज फ़ाउंडेशन, कूच बिहार और राजवंशी हेरिटेज फ़ाउंडेशन, असम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बिसोहारी गान" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

सुश्री समिधा वेदबाला

- 6-10 अगस्त 2013 को आईसीसीआर और सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से एचएचआरडीएस द्वारा हिमालय जातीय समूहों की सांस्कृतिक परंपरा और स्वदेह ज्ञान विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पूर्वी हिमालय के गन्धर्वों का सांगीतिक पैटर्न" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.
- 25-26 मार्च 2014 को रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय संगीत में वैश्वीकरण का प्रभाव विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वैश्वीकरण : भारतीय शास्त्रीय संगीत में बदलाव" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

- 9 फरवरी 2014 को उत्तरबंग अनुसंधान और हेरिटेज फ़ाउंडेशन, कूचबिहार और राजवंशी हेरिटेज फ़ाउंडेशन, असम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राजवंशी वाद्ययंत्रों की ताल बोल" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया.

पर्यटन विभाग

प्रभारी अध्यक्ष का नाम : श्री बिधान गोले
मोबाइल नंबर : 91-9433293791
ईमेल आईडी : bgolay@cus. ac. in

संकाय विवरण

श्री जिगमी वांगचुक भूटिया 23-08-2013 को अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में स्थायी पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन और साहसिक पर्यटन शामिल हैं.
श्री कृष्ण चंद्र सुब्बा 11-09-2013 को अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में ट्रैवल एजेंसी प्रबंधन और पारिस्थितिकी पर्यटन शामिल हैं.
डॉ. एस. एस. महापात्र 31-12-2013 को अतिथि संकाय के रूप में विभाग से जुड़े. उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लेखा, वित्त और कर निर्धारण शामिल हैं.

विशेष व्याख्यान

27 फरवरी 2014 को विभाग में प्रो. बिवराज भूषण परिदा, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, पर्यटन प्रबंधन विभाग, बर्द्धवान विश्वविद्यालय में "ट्रैवल एजेंसी और टूर ऑपरेशन मैनेजमेंट" पर व्याख्यान दिया.

केंद्रीय सेवाएं

केंद्रीय पुस्तकालय

प्रमुख : प्रो. ए. एस. चंदेल
कार्यालय फोन. सं. 03592-251060
ई-मेल : librarian@cus. ac. in, aschandel@cus. ac. in

पुस्तकालय के बारे में

केन्द्रीय पुस्तकालय का प्रारम्भ 1000 वर्गफुट क्षेत्र की एक मंजिल के साथ वर्ष 2008 में हुआ था. अब यह 9000 वर्गफुट से भी अधिक क्षेत्र में व्याप्त है.

पुस्तकालय विश्वविद्यालय का मुख्य केंद्र है और यह विश्वविद्यालय की सभी शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता प्रदान करने के लिए सूचना और ज्ञान संसाधन का एक केंद्र के रूप में सेवा प्रदान करता है. यद्यपि हमारा पुस्तकालय अब भी शैशव अवस्था है फिर भी बुनियादी ढांचागत सुविधाओं और नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के संदर्भ में इसकी तुलना देश के आधुनिक विश्वविद्यालयी पुस्तकालयों के साथ की जा सकती है. आधुनिक पुस्तकालय की अवधारणा का अर्थ है नई प्रौद्योगिकियों का ग्रहण और सहज सेवा प्रदान से प्रयोक्ताओं को अधिकतम संस्तुष्टि देना, जिसे हमारे पुस्तकालय ने सफलतापूर्वक हासिल किया है. पुस्तकालय ने अपने संसाधनों के लिए परिसर के अंदर और परिसर के बाहर वेब-सक्षम पहुँच प्रदान की है.

पुस्तकालय में प्रयोक्ताओं के लिए पुस्तकों के परिचालन के लिए सेल्फ-चेक-आउट और चेक-इन व्यवस्था की शुरुआत की गयी है, जो प्रयोक्ताओं को पुस्तक लेने और वापस करने में आत्मनिर्भर बनाता है. सुरक्षा की दृष्टि से पुस्तकालय की प्रत्येक मंज़िल को कवर करने के लिए सीसीटीवी का प्रतिस्थापन किया गया है. पुस्तकालय में 200 शोध पत्रिकाओं सहित 37000 से भी अधिक पुस्तकें हैं और इसके अलावा यूजीसी संघ के अंतर्गत उपलब्ध ई-संसाधन हैं. पुस्तकालय में 1178 ब्रेल पुस्तकों का छोटा सा संग्रह है और साथ ही 10 लोकप्रिय समाचार पत्रिकाएं और 21 दैनिक समाचार पत्र लिये जाते हैं.

संग्रह पहल

पुस्तकालय की पहली प्राथमिकता विश्वविद्यालय के प्रत्येक शिक्षण विषय में बुनियादी संग्रह जोड़कर शैक्षिक समुदायों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए एक अच्छा पुस्तकालय संग्रह को विकसित करना है. प्रतिष्ठित विक्रेताओं को पुस्तकों का ऑर्डर देने के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने फरवरी 2014 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, कोलकाता और विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली से पुस्तकों का चयन और क्रय किया है.

पुस्तकों के अधिग्रहण के अलावा पुस्तकालय ने 208 मुद्रित शोध पत्रिकाओं की सदस्यता ली है, जिनमें से कुछ मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संस्करणों में हैं. यह यूजीसी-इन्फोनेट के अंतर्गत उपलब्ध ई-संसाधनों के अतिरिक्त हैं, जो 700 से भी अधिक ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है. इन संसाधनों के पूरक के रूप में पुस्तकालय ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान *एससीआईफ़ाइंडर* और *इंडियास्टेट* डेटाबेस, इकनॉमिक आउटलुक और डेलकॉन (जैवप्रौद्योगिकीविभाग के डेटाबेस, पुस्तकालय संघ) की भी सदस्यता ली है.

प्रो. ए. सी. सिन्हा के संग्रह

प्रो. ए. सी. सिन्हा, पूर्व प्राध्यापक, समाजशास्त्र, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग ने अपना पुस्तक-संग्रह सिक्किम विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को देने का प्रस्ताव दिया है. उनकी कुछ पुस्तकों का संग्रह, खास कर उनकी पीएचडी थिसिस पुस्तकालय में संग्रह कर लिया गया है. शेष पुस्तकें भी 2014 की सर्दियों तक संग्रह कर ली जाएंगी.

पुस्तकालय को पहले ही सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रथम और द्वितीय कुलपति से कुछ किताबें प्राप्त हुई हैं. पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए इसी तरह से प्रयास किए जा रहे हैं.

पुस्तकों और शोध-पत्रिकाओं पर व्यय

पुस्तकें	रु. 97,54,338
शोध पत्रिकाएँ	रु. 74,28,353

संरचनात्मक विकास और सुविधाएं

पुस्तकालय की दूसरी प्राथमिकता बुनियादी सुविधाओं का विकास करना तथा इसे नई प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से सेवाओं में आधुनिकता लाना था. पुस्तकालय में आरएफ़आईडी आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से स्वचालित चेक-इन और चेक-आउट के साथ पुस्तकालय सॉफ्टवेर के प्रतिष्ठापन का कार्य पूरा होने के साथ ही पिछले वर्ष के दौरान बुनियादी सुविधाएं विकसित हुई है. पुस्तकालय ने इंटरनेट के प्रयोग के लिए अतिरिक्त कंप्यूटर का क्रय किया है और पुस्तकालय परिसर के सभी स्थानों में 1 जीबीपीएस वाईफाई कनैक्टिविटी है. विज्ञान पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के मुख्य सर्वर से संपर्क नहीं होने के कारण इन्फ़्लिबनेट के अंतर्गत यूजीसी-इन्फ़ोनेट के ई-संसाधनों के उपयोग के लिए इंटरनेट कनैक्टिविटी नहीं थी. विज्ञान पुस्तकालय सहित विश्वविद्यालय के प्रत्येक भवनों में स्थिर आईपी पते प्रदान करते हुए सभी विभागों में ई-संसाधनों की पंहुच उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कदम उठाए गए है.

विज्ञान पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ 5 माईल में स्थित विज्ञान पुस्तकालय भी इसके संग्रह एवं सेवाओं में मजबूत रहा. आरएफ़आईडी टैग सहित तकनीकी रूप से संसाधित होने के बाद विज्ञान की पुस्तकों को विज्ञान पुस्तकालय में स्थानांतरित कर दिया गया. साथ ही विज्ञान की शोध-पत्रिकाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए पुस्तकालय द्वारा विज्ञान पुस्तकालय में विज्ञान की नई शोध-पत्रिकाओं को प्रदर्शित करना शुरू कर दिया.

यूजीसी मेजर परियोजना

प्रो. ए.एस. चंदेल ने पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय से सिक्किम विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में "पूर्वोत्तर पर साहित्य की कवरेज के साथ संस्थागत रिपोजिटरी के सुदृढ़ीकरण" शीर्षक से अपनी यूजीसी मेजर परियोजना को स्थानांतरित किया.

छात्र कल्याण डीन

डॉ. धनीराज छेत्री, सह प्राध्यापक, बॉटनी विभाग समीक्षाधीन वर्ष के दौरान छात्र कल्याण के डीन थे.

छात्र कल्याण डीन (डीएसडबल्यू) का कार्यालय मार्च 2013 से क्रियाशील हुआ. इस कार्यालय ने सिक्किम में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाने के लिए छात्रों के दाखिले को प्राथमिकता के रूप में लिया है. छात्र कल्याण डीन के कार्यालय ने दार्जिलिंग पहाड़, सिक्किम, तराई और भारत के अन्य प्रान्तों में और आसपास में छात्रों के प्रवेश के लिए अभियान चलाये. इसने पूरी प्रवेश प्रक्रिया की देख रेख की और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3 गुना नामांकन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

विश्वविद्यालय के छात्रों के वंचित समूहों के बीच सामाजिक न्याय और समान अवसर का विस्तार करने के लिए इस कार्यालय ने जरूरतमन्द छात्रों की पहचान करने और नि:शुल्कता, अर्द्ध-नि:शुल्कता, फैलोशिप आदि जैसे योग्यता-सह-छात्रवृत्ति प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए, जिससे कुल छात्रों में से लगभग 10 प्रतिशत छात्र लाभान्वित हुए.

छात्र कल्याण डीन के कार्यालय ने विभिन्न संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं, आदि में छात्रों की भागदारी में एक सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाई. कुछ कार्यक्रमों का

आयोजन कार्यालय द्वारा किया गया और वर्ष के दौरान सक्रिय रूप से भागीदारी वाले कार्यक्रम निम्नप्रकार हैं :

i. 17 सितंबर से 21 सितंबर 2013 तक शिलांग में आयोजित एशियाई संगम (छात्रों के नेतृत्व और आदान-प्रदान कार्यक्रम) में छात्रों की भागदारी के लिए सुविधा प्रदान.

ii. 18 सितंबर 2013 को विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के लोकाचारों से नए छात्रों का परिचय कराने के लिए एक अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 18 सितंबर 2013 को एक व्यावसायिक संस्था की सहायता से पहले सेमेस्टर के छात्रों के लिए इस "कायापलट" हिस्से के रूप में एक प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया.

iii. 26 नवंबर 2013 को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता प्रारूप के अंतर्गत पुनरुत्थान व्यावसायिक शिक्षा विषय पर एक कार्यशाला

iv. 26 मार्च 2014 को यूएसए में शिक्षा के अवसर के संबंध में सुश्री हेलेन लाफेव, अमरीकी महावाणिज्य के साथ संवाद कार्यक्रम.

v. 29 अप्रैल 2014 को सुश्री रेणु सोबती, संयुक्त सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार के साथ छात्रों का एक संवाद कार्यक्रम.

vi. छात्रों की जांच और अनुसंधान की लगन को बढ़ावा देना और ठीक आस-पास की समस्याओं के लिए उन्हें जागरूक बनाने के लिए छात्र कल्याण डीन के कार्यालय ने जी. बी. पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, डबल्यूडबल्यूएफ़ और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से छात्रों की भागीदारी के लिए सर्वेक्षण कार्य, जनगणना कार्य, क्षेत्र कार्य और कई अवसरों पर विस्तृत गतिविधियों का आयोजन किया.

परीक्षा विभाग

परीक्षा नियंत्रक (स्थानापन्न) : डॉ. सुरेश कुमार गुरुङ

दूरभाष : 03592 – 251540

ई-मेल : coe@cus. ac. in

विश्वविद्यालय ने पर्याप्त जनशक्ति के अभाव और छात्र संख्या में दोगुनी वृद्धि होने के बावजूद भी परीक्षा की अंतिम तिथि से 20 दिनों के भीतर परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं.

विषम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम – 2013

विषम सेमेस्टर परीक्षा 2013 में कुल लगभग 7146 छात्रों ने विभिन्न परीक्षाओं में बैठे थे जिनमें से 87.86 प्रतिशत छात्र अगले सेमेस्टर के लिए प्रोन्नत हुए हैं अथवा परीक्षा पास की है.

मूल्यांकन प्रक्रिया में परिवर्तन

मूल्यांकन प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन किए गए हैं. पहले की मिडटर्म और टर्म पेपर सिस्टम की जगह यूजीसी द्वारा निर्धारित सिस्टम के अनुसार "निरंतर मूल्यांकन" को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 1 क्रेडिट (तीन में से दो सबसे अच्छे को आधिकारिक गणना के लिए ग्रहण किया जाएगा) की तीन सत्रीय परीक्षा प्रारम्भ की गई है. विश्वविद्यालय के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया 100 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर की गई है जबकि कॉलेजों के लिए अंतिम परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के लिए केंद्रीय मूल्यांकन की व्यवस्था की गई है.

डेटा का ऑनलाइन स्थानांतरण

कॉलेज और विश्वविद्यालय के विभागों से महत्वपूर्ण शैक्षणिक और परीक्षा डेटा के ऑनलाइन अंतरण की व्यवस्था शुरू की गई है. इससे परीक्षा विभाग के काम का बोझ बहुत अधिक कम हुआ है और परीक्षा परिणामों की घोषणा के कार्यों में भी शीघ्रता आई है.

दूसरा दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय ने 9 मार्च 2014 को मनन भवन में दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया. इस दीक्षांत समारोह के अवसर पर जून 2013 तक पाठ्यक्रम पूरा करनेवाले छात्रों को डिग्री प्रदान की गई. दीक्षांत समारोह में लगभग 1705 छात्रों को डिग्रियाँ मिली हैं. विश्वविद्यालय ने 110 मेधावी छात्रों को स्वर्ण और रजत पदक प्रदान किया है.

वित्त विभाग

दिवाकर कानूनज्ञ : सलाहकार, वित्त
दूरभाष : 03592-251396
फ़ैक्स : 03592-251880

ई-मेल : financeofficer@cus. ac. in

सिक्किम विश्वविद्यालय ने 12वीं योजना के लिए अंतरिम रूप से रु. 300 करोड़ आवंटित किए हैं. इस राशि में स्थायी परिसर के निर्माण के लिए आवंटित राशि शामिल नहीं है, जिसके लिए रु. 840 करोड़ रुपये अतिरिक्त राशि प्रस्तावित है. वर्ष 2013-14 के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से प्राप्त केंद्रीय सरकार की सामान्य विकास सहायता की राशि रु. 40 करोड़ थी. आंतरिक प्राप्तियों और अर्जित ब्याज के 6. 29 करोड़ रुपये थे.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कुल मिलकर 11 प्रमुख और 6 लघु शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान राशि रु. 350 लाख रुपये दिए गए. युवा शिक्षकों को उच्चतम शोध करने के लिए प्रोत्साहित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने शोध पुरस्कार निधि के सृजन को अनुमोदित किया. जहां सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए वैश्विक अनुसंधान समुदायों से प्राप्त प्रस्ताव काफी उत्साहजनक है, वहाँ विश्वविद्यालय वर्तमान सीमाओं को देखते हुए खुला लेकिन सतर्क रवैया अपनाया है.

विश्वविद्यालय ने एक व्यापक छात्रवृत्ति और नि:शुल्कता योजना का प्रारम्भ किया जिससे आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों को वित्तीय लाभ मिला है. वर्ष 2013-2014 के दौरान कुल मिलाकर 24 छात्रों को प्रति माह रु. 3000 फैलोशिप मिली और 41 और 60 छात्रों को शिक्षण शुल्क में क्रमश : पूर्ण छूट और आंशिक छूट मिली. यह छूट एमफ़िल और पीएचडी स्कॉलर की फैलोशिप के अलावा दी जाती है. इस खाते में निधि का कुल व्यय रु. 55. 74 लाख था.

सिक्किम सरकार ने सिक्किम के दक्षिण जिले के यांगयांग में विश्वविद्यालय परिसर बनाने के लिए 300 एकड़ जमीन निर्धारित की और 264.94 एकड़ जमीन हस्तांतरित भी की. कार्य का प्रथम चरण जैसे मृदा परीक्षण, भूमि सर्वेक्षण आदि पूरा हो चुका है. चारदीवारी निर्माण का कार्य भवन एवं हाउसिंग विभाग, सिक्किम सरकार के साथ संयुक्त-कार्य के रूप में शुरू कर दिया है. कार्य का अनुमानित मूल्य रु. 12.48 करोड़ है और 2014-15 के दौरान कार्य पूरा होने की उम्मीद है. वर्ष 2013-14 के दौरान परिसर विकास में कुल व्यय रु. 258.06 लाख हुआ.

वर्ष 2013-14 के दौरान विश्वविद्यालय ने रु. 631.21 लाख की प्रयोगशाला संपत्ति अधिकृत की हैं. विश्वविद्यालय ने रु. 199.49 लाख पुस्तकालय संसाधनों और रु. 275.74 लाख रुपये अन्य सम्पत्तियों के क्रय के लिए व्यय किए हैं.

विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय प्रशासन में कड़ी मितव्ययिता के उपाय अपनाए गए. चूंकि विश्वविद्यालय ने फैले हुए विभिन्न किराए के भवनों में और गैर-समरूपी स्थानों में अपना कार्यसंचालन किया है, इसलिए किराए के भवनों के किराए, सुरक्षा सेवाओं, दूरसंचार सेवाओं और आंतरिक परिवहनों पर प्रशासनिक व्यय अपेक्षाकृत अधिक रहा. वार्षिक लेखा 2013-14 को एक अलग खंड में प्रस्तुत किया गया है जिसमे वर्ष के दौरान हुए ऐसे लेन-देनों का विस्तृत ब्यौरा दर्शाया गया है.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एकरूपीय लेखांकन मानक शुरू किए हैं और तदनुसार, हमारे विश्वविद्यालय ने भी लेखा वर्ष 2013-14 से उसी रूप से प्रारम्भ करने के लिए निर्देश दिया है. विश्वविद्यालय के लेखों का रखरखाव तदनुसार किया गया है और वार्षिक लेखा 2013-14 को नए प्रारूप में तैयार किया गया है.

वर्ष 2012-13 के विश्वविद्यालय के लेखाओं का लेखा-परीक्षण सांविधिक लेखा-परीक्षकों द्वारा किया गया और उनकी लेखा परीक्षण रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों - दिनांक 10.02.2013 को राज्य सभा में और 18.12.2013 को लोक सभा में प्रस्तुत किया गया था. इन रिपोर्टों पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं थी.

स्वास्थ्य केंद्र

विभाग प्रमुख	:	डॉ. मंजुश्री थापा मंगर
कार्यालय फोन नं.	:	03592-2251056
मोबाइल नं.	:	8388066478
ईमेल आईडी	:	mthapa@cus. ac. in hcu@cus. ac. in

स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना मई 2012 में एक चिकित्सा अधिकारी और एक स्टाफ नर्स की नियुक्ति के साथ हुई. स्वास्थ्य केंद्र ने सबसे पहले नए मूल्यांकन खंड, 5 माईल, तादोंग के निचले मंज़िले में एक कमरे में कार्य शुरू किया. अब स्वास्थ्य केंद्र कंचनजंघा प्रबंधन खंड, 6 माईल, तादोंग, गंगटोक से जुड़े भवन में स्थापित है. वर्तमान स्वास्थ्य केंद्र तीन कमरों में और चार कर्मचारियों-चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, नर्सिंग अटेंडेंट और एमटीएस के साथ कार्य कर रहा है.

प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

1. आउट पेशेंट क्लिनिक : छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों की आउट पेशेंट आवश्यकताओं का ध्यान आउट पेशेंट क्लिनिक में रखा जाता है. उसी दौरान लघु प्रक्रिया भी की जाती है.
   समय : सुबह 9 : 30 से शाम 5 : 30 तक (सभी कार्य दिवसों में)
2. आपातकालीन सुविधाएं : छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य केंद्र में परामर्श सेवा और 24x7 टेलिफोनिक परामर्श के माध्यम से आपातकालीन सेवा प्रदान की जाती है.
3. उपचाराधीन सुविधाएं : छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य केंद्र में ही उपचाराधीन सुविधा प्रदान की जाती है.
4. औषधालय : केंद्र में सभी आवश्यक दवाएं, ओरल और इंजेक्टेबल्स दोनों दवाएं उपलब्ध है. चिकित्सा अधिकारी के परामर्श के अनुसार स्टाफ नर्स दवाएं उपलब्ध कराती है.
5. एंबुलेंस सुविधा : आपातकालीन चिकित्सा प्रयोजनों के लिए एंबुलेंस/वाहन की सुविधा प्रदान की जाती है.

वर्ष 2013-2014 के आँकड़े

महिना	नए मामले	पुराने मामले	कुल मामले	रेफर किए गए मामले		आपातकालीन मामले	उपचाराधीन मामले
				जांच	उपचार		
अप्रैल 13	74	13	87	9	5	2	5
मई13	82	23	105	10	6	0	6
जून 13	54	14	68	14	1	0	4
जुलाई 13	49	20	69	9	3	0	3
अगस्ट13	93	35	128	9	5	0	3
सितंबर13	113	35	148	6	6	2	3
अक्टूबर13	93	31	124	13	4	0	4
नवंबर13	113	30	143	7	5	2	2
दिसंबर13	42	13	55	1	1	1	3
जनवरी14	15	12	27	2	0	0	1
फरवरी14	65	17	82	7	5	0	1
मार्च 14	119	25	144	17	5	0	0

कुल	**982**	**289**	**1271**	**107**	**50**	**9**	**39**

हिंदी प्रकोष्ठ

श्री शैलेश शुक्ला हिंदी अधिकारी हैं. सुश्री जुतिका गोस्वामी, हिंदी अनुवादक और श्रीमती दीपिका सुब्बा, हिंदी टंकक उनकी सहायक हैं.

एक केंद्र पोषित संस्था होने के नाते सिक्किम विश्वविद्यालय अपने कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग और साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बीच हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. इस दिशा में अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय ने अप्रैल 2012 में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना की.

हिंदी प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्य

विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखे के हिंदी संस्करण तैयार करने के अलावा हिंदी प्रकोष्ठ प्रशासन को राजभाषा के नियमों का पालन करने में और दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी करने में सहायता करता है. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी प्रकोष्ठ की मदद से हिंदी में दिया जाता है. हिन्दी प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने में मदद करता है. हिन्दी प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी कक्षाओं के लिए बाहर भेजने के बजाय विश्वविद्यालय में ही हिंदी की कक्षाएं उपलब्ध करवा कर इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है. हिंदी प्रकोष्ठ भाषा और साहित्य से संबन्धित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है.

हिंदी पखवाड़ा - 2013

हिंदी प्रकोष्ठ ने 6 सितंबर से 20 सितंबर 2013 तक हिंदी पखवाड़ा-2013 आयोजित किया. विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भाषा और साहित्य आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई. हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में 26 प्रतिभागियों, हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता में 33 प्रतिभागियों और हिंदी प्रश्नोत्तरी में-27 प्रतिभागियों ने भाग लिया था.

इसके समापन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टी. बी. सुब्बा ने की. श्री रमन खदवाल, महा निदेशक, आईटीबीपी समारोह के मुख्य अतिथि थे और इंजीनियर चंद्र पाल, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गंगटोक, श्रीमती संतोष निराश, सिक्किम की पहली हिंदी अखबार की संस्थापक संपादक और डॉ दिनेश सिंह, प्राध्यापक, राजभाषा विभाग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

निर्णायक मंडल : डॉ. नवल पासवान, डॉ. सुजाता उपाध्याय, डॉ. बिक्रम थापा और डॉ. दिनेश सिंह निबंध लेखन प्रतियोगिता के निर्णायक थे.

(बाएँ से दायें) विश्वविद्यालय से डॉ. सोमेन्द्र चक्रवर्ती, श्री विनय राज तिवारी, सहायक निदेशक, दूरदर्शन, श्री गोपाल शॉ, ब्यूरो प्रमुख, प्रभात खबर, सिलीगुड़ी, श्री इरफान ई-आज़म, उप संपादक, *दैनिक जागरण,* सिलीगुड़ी और डॉ. कविता लामा काव्य-पाठ प्रतियोगिता के निर्णायक थे.

डॉ. अमिताभ चक्रवर्ती हिंदी-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के क्विज मास्टर थे और डॉ. सोमेन्द्र चक्रवर्ती और श्री सायक दास ने उन्हें सहयोग दिया. हिंदी-प्रश्नोत्तरी के दौरान सभी गीतों में सुश्री अंजलि शर्मा ने अपनी मधुर आवाज दी.

हिंदी पाठ्यक्रम

प्रकोष्ठ सभी कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए निरंतर प्रयत्नशील है. इसके लिए प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और

कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ जैसे हिंदी पाठ्यक्रमों में नामांकित कराया. कुल 21 परीक्षार्थियों - प्रवीण के लिए 18 और प्राज्ञ के लिए 3 परीक्षार्थी मई 2013 की परीक्षा में बैठे और कुल 18 परीक्षार्थियों- प्रवीण के लिए 3 और प्राज्ञ के लिए 15 परीक्षार्थी जून 2013 की परीक्षा में बैठे. सभी परीक्षार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की.

प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और संगोष्ठियाँ

शैलेश शुक्ला, हिंदी अधिकारी

- 26 जनवरी 2014 को सरकारी तकनीकी संस्थान सोसाइटी (जीटीआईएस), रोहतक, हरियाणा द्वारा आयोजित समकालीन कवि सम्मेलन में मुख्य कवि के रूप में कविता-पाठ.
- केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली में आयोजित त्रैमासिक अनुवाद पाठ्यक्रम (1 अप्रैल 2013 से 30 जून 2013 तक) "उत्कृष्ट" ग्रेड के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया.
- ऑल इंडिया रेडियो, गंगटोक द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित.
- भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 13 बटालियन द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित.
- 7 मार्च 2013 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया.
- नागालैंड राजभाषा प्रचार समिति की हिंदी पत्रिका '*पूर्वोत्तर भारती दर्पण' की* सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित.

युतिका गोस्वामी, हिंदी अनुवादक

- 20-30 मार्च 2014 को मेघालय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, शिलांग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अनुवाद की भूमिका" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया. .
- केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली में आयोजित त्रैमासिक अनुवाद पाठ्यक्रम (1 जुलाई 2013 से 30 सितंबर 2013 तक) "उत्कृष्ट" ग्रेड के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया.

विश्वविद्यालय जिम

सभी नवीनतम उपकरणों के साथ विश्वविद्यालय जिम छात्रों और कर्मचारियों के लिए सप्ताह में 6 दिन खुला रहता है. पुरुष और महिला उपयोगकर्ताओं के लिए अलग अलग शिफ्ट बनाई गई है. प्रशिक्षत पुरुष और महिला जिम अनुदेशक उपयोगकर्ताओं पर निगरानी रखते हैं और निरंतर पर्यवेक्षण करते रहते हैं. जिम में और विश्वविद्यालय की वैबसाइट में उपलब्ध सदस्यता फॉर्म को भरकर कोई भी आसानी से विश्वविद्यालय के जिम में शामिल हो सकता है. सदस्यता फॉर्म के साथ-साथ आवेदन कर्ताओं को विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त एक फिटनेस प्रमाणपत्र जमा करना होता है. जिम द्वारा सबसे अच्छी सुविधा प्रदान करने और बनाए रखने के लिए के विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से नाममात्र का निम्नलिखित शुल्क लिया जाता है.

क्र. सं.	छात्र/कर्मचारी	मासिक शुल्क (रु.)
1	छात्र	रु. 150
2	कर्मचारी	रु. 300

महिला प्रकोष्ठ

महिला प्रकोष्ठ का गठन जुलाई 2013 में किया गया था. डॉ. कविता लामा, सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, नेपाली विभाग इस प्रकोष्ठ की संयोजक रहीं.

सिक्किम विश्वविद्यालय कार्य करने और अध्ययन करने के लिए यौन उत्पीड़न, धमकी, भेदभाव अथवा शोषण से मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह उम्मीद की जाती है कि सभी छात्र, संकाय, गैर शिक्षण स्टाफ और अधिकारी एक दूसरे को और विश्वविद्यालय के आगंतुकों को यथोचित सम्मान देंगे.

महिला प्रकोष्ठ निम्नानुसार गठित किया गया है :

क्र. सं.	**नाम**	**समिति में पदभार**
1	डॉ. कविता लामा, सह प्रधायपक एवं अध्यक्ष, नेपाली विभाग	अध्यक्ष

2	सुश्री रेबिका राई, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग	सदस्य-सचिव
3	डॉ. धनी राज छेत्री, छात्र कल्याण डीन	पदेन सदस्य
4	सुश्री सारदा रानी लेपचा , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सीआईडी)	सदस्य
5	डॉ. डोमा भूटिया, वरिष्ठ एडवोकेट	सदस्य
6	सुश्री चंद्र कला चिंटूरी, पूर्व सचिव, सिक्किम सरकार	सदस्य
7	डॉ. बिमला सिंह, सहायक प्रोफेसर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	सदस्य
8	डॉ. रुमा कुंडु, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
9	श्रीमती कल्पना राणा, अनुभाग अधिकारी, परीक्षा विभाग	सदस्य
10	सुश्री रिंकू तामङ, पुस्तकालय अटेंडेंट, केंद्रीय पुस्तकालय	सदस्य
11	सुश्री प्रीति शर्मा, बीए-एलएलबी, सेमेस्टर- VIII, विधि विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
12	सुश्री कृति घटानी, पीएचडी छात्रा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य

प्रकोष्ठ का उद्देश्य

समिति का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया है :

1. काम करने के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना.

2. यौन उत्पीड़न को रोकना, जिसमे किसी व्यक्ति की वैयक्तिक गरिमा का उल्लंघन करनेवाला व्यवहार और कार्य स्थल में मुक्त रूप से कार्य करने में उसके सामर्थ्य में हस्तक्षेप करना आदि व्यवहार शामिल हैं.
3. यह इकाई किसी भी कर्मचारी अथवा छात्र के लिए सुलभ होगी.
4. लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता फैलाना.
5. विश्वविद्यालय में शैक्षिक, सामाजिक और व्यवसायिक पहलुओं में महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास करना.

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

8 जनवरी 2014 को विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की स्थापना की गई. डॉ. सुजाता उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी विभाग इस प्रकोष्ठ की कार्यक्रम संयोजक हैं. अध्यक्ष के रूप में कुलपति और सदस्य-सचिव के रूप में कार्यक्रम संयोजक सहित एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है. समिति एनएसएस प्रकोष्ठ को परामर्श देगी और उसकी गतिविधियों की देख-रेख करेगी. मार्च 2014 के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों से कुल 354 स्वयंसेवी छात्रों ने एनएसएस के सदस्यों के रूप में अपना नाम दर्ज कराया है.